शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | मंगलवार, 09 दिसंबर, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-335

13–1 सटीक फैसला

रुझान (अपूर्ण)				
क्रम.सं	बैलट नं.	नाम	वोट प्राप्त	पैनल नाम
1	8	देवेंद्र झवर	7204	संस्थापक पैनल
2	1	अमित लड्डा	7045	संस्थापक पैनल
3	20	मुरली मनोहर पलोड	6787	संस्थापक पैनल
4	27	गोविंद राठी	6603	संस्थापक पैनल
5	12	रूपेश सोनी	6547	संस्थापक पैनल
6	7	दीपक कुमार बंग	6441	संस्थापक पैनल
7	23	कैलाश नारायण भांगडिया	6375	फ़ाउण्डर पैनल
8	31	विनोद कुमार बंग	6052	संस्थापक पैनल
9	16	पवन लोहिया	5968	संस्थापक पैनल
10	17	कैलाश मंत्री	5959	संस्थापक पैनल
11	19	मनोज लोया	5949	संस्थापक पैनल
12	28	मुकुंदलाल बाहेती	5922	संस्थापक पैनल

एपी महेश कोआपरेटिव अर्बन बैंक, हैदराबाद (महेश बैंक) के अंशधारकों ने भले ही श्री रमेश कुमार बंग द्वारा समर्थित संस्थापक पैनल को एकतरफा (13–1) जिता दिया हो, लेकिन फाउंडर पैनल के झंडाबरदार श्री कैलाश नारायण भाँगडिया को भी जिताकर स्पष्ट संदेश दिया कि मनमानी तो अभी भी नहीं चलेगी। और न ही काम न करने देने का कोई बहाना। श्री कैलाश जी अकेले पूरे समाज के आँख–कान होंगे और रचनात्मक सहयोग के लिए ही वे जाने जाते हैं। राम भक्त हनुमान की तरह श्री कैलाश जी मरनासन्न महेश बैंक के लिए जीवनदायिनी संजीवनी लाने की ताकत भी रखते हैं। सम्पूर्ण माहेश्वरी समाज और हजारों अंशधारक दिल से यही चाहते हैं कि 'पैनलों की पैंतरेबाजी' सिर्फ चुनाव तक ही सीमित हो, चुने जाने के बाद बैंक की उन्नति ही सभी का लक्ष्य होना चाहिए। बैंक की प्रगति में किसी भी तरह की बाधा/टाँगअड़ाई कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जो भी बैंक के हित के खिलाफ जाएगा, चाहे वो कितना ही बड़ा तीस–मारखाँ हो, उसे उसकी हैसियत/आईना दिखाने से न समाज कभी पीछे हटा है, न कभी हटेगा।

गौरतलब है कि 7 दिसंबर, रविवार को 37,142 मतदाताओं में से 36.16% ने अपने मताधिकार का प्रयोग बेखौफ होकर सौहार्दपूर्ण माहौल में किया था। महेश बैंक के इतिहास का यह अब तक का सबसे शांतिपूर्ण, सुव्यवस्थित व सुचारू मतदान था। दोनों ही पैनलों ने थकाऊ प्रचार और सभी तल्खियों को भुलाकर ऐसी भाईचारगी दिखाई कि सब देखते ही रह गये। सोमवार दि. 08 दिसंबर को मतगणना के दौरान तो सब साथ में भोजन, चाय–पानी कर रहे थे, ऐसा लग ही नहीं रहा था कि वे एक–दूसरे के प्रतिद्वंदी हो। वास्तव में अद्भुत नजारा था। सबके चेहरे खिले थे। न जीत की किसी को बहुत खुशी थी और न ही किसी को हार का कोई गहरा सदमा। ऐसी स्वस्थ स्पर्धा ही सकारात्मक वातावरण पैदा करेगी और नौजवान चुनाव लड़ने से कभी घबराएंगे नहीं। किसी ने क्या खूब कहा है–

गिरते हैं शह सवार ही, मैदान–ए–जंग में।
वो तिफ़्ल क्या गिरेंगे, जो घुटनों के बल चले।

देर रात समाचार लिखे जाने तक महिलाओं की कैटगरी में दो निदेशक पदों के लिए दोनों ही पैनलों से किस्मत आजमा रहीं उम्मीदवारों के किस्मत का फैसला नहीं हुआ था। यदि उन चार निदेशकों में भी संस्थापक की दो महिला प्रत्याशी जीतेगी तो **शुभ लाभ** द्वारा किया गया आंकलन शत–प्रतिशत सही साबित होगा। ज्ञातव्य है कि उपरोक्त सारे आंकड़े रुझानों पर आधारित है और नतीजों की घोषणा सरकारी खानापूर्ति के बाद 16 दिसंबर को की जाएगी। जबकि चेयरमैन पद का फैसला नवनियुक्त निदेशकों द्वारा 19 दिसंबर को होगा। सामान्य वर्ग से 31 प्रत्याशी खड़े थे। 30 टेबलों पर 9 राउण्ड में सामान्य वर्ग के वोटों की गिनती हुई।

आजादी का प्रेरणास्त्रोत रहा वंदे मातरम् आजाद भारत का भी है विजन : मोदी

नई दिल्ली, 08 दिसंबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान आजादी के दीवानों का मंत्र बने मवंदे मातरम्फ गीत की गूंज ने न सिर्फ अंग्रेजों की नींद उड़ा दी थी और पूरे भारत में उत्साह का ऐसा माहौल तैयार किया था जो न सिर्फ स्वतंत्रता का मंत्र बना बल्कि आजाद भारत के लिए भी विजन बनकर सामने आया।

श्री मोदी ने सोमवार को लोकसभा में वंदे मातरम् गीत के 150वें वर्ष पर चर्चा की शुरुआत करते हुए कहा कि यह गीत आजादी का उद्घार बन गया था और हर देशवासी इस गीत से प्रेरित होकर अंग्रेजों के खिलाफ जंग लड़ रहा था। इस गीत से देश में बने नये माहौल को देखकर अंग्रेज बौखला गये थे इसलिए उन्होंने इस गीत पर प्रतिबंध लगा दिया और इसे गाने को अपराध मानकर लोगों पर जुल्म ढहाने शुरु कर दिए थे।

उन्होंने कहा कि वंदे मातरम् का एक ऐसा कालखंड रहा है जिसमें इतिहास के कई प्रेरक उदाहरण देश के सामने मौजूद है। वंदे मातरम् के जब सौ साल पूरे हो गये थे तो उस समय इसकी शताब्दी का उत्तम पर्व मनाया जाना था लेकिन तब देश को आपातकाल में धकेल दिया गया था और देश के नागरिकों का गला घोंटा जा रहा था। देश की आजादी के आंदोलन को ऊजा देने वाले वंदे मातरम् के सौ साल पूरे होने के समय देश को आपाताकाल के काले कालखंड में धकेल दिया गया था।

प्रधानमंत्री ने कहा वंदे मातरम् पर चर्चा में कोई पक्ष और प्रतिपक्ष नहीं है क्योंकि इसी गीत से मिली प्रेरणा के कारण हम सब यहां बैठे हैं और यह हम सबके लिए पावन पर्व है। वंदे मातरम् की भावना के साथ देश की आजादी की लड़ाई लड़ी गयी और इस गीत के भाव में आजादी के दीवाने देश के लिए प्राण न्यौछावर कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि वंदे मातरम् गीत ऐसे समय लिखा गया था जब अंग्रेज सल्तनत 1857 की क्रांति से बौखलाई थी और देश की

महान विभूतियों को मजबूर किया जा रहा था। जब चारों तरफ वंदे मातरम्.की आवाज गूंज रही थी, देश को गुलाम बनाए रखने के लिए बड़ा षडयंत्र चल रहा था तो उस स्थिति को बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय चुनौती दे रहे थे। उन्होंने 1882 में मआनंदमठफ उपन्यास की रचना की तो देश में आजादी की अलख जगा रहा वंदे मातरम् गीत इसमें रखा गया। देश के लोगों में जो भाव था, जो संस्कृति थी उसे वंदे मातरम् गीत के जरिए देश को बहुत बड़ी सौगात दी गई। वंदे मातरम् केवल आजादी की लड़ाई का मंत्र नहीं था, मात्र अंग्रेजों को भगाने का मंत्र नहीं था बल्कि यह इस भूमि को बेड़ियों से मुक्ति दिलाने की एक पवित्र जंग भी थी।

प्रधानमंत्री ने कहा वंदे मातरम् देश की प्राचीन पृष्ठभूमि और सांस्कृतिक परंपरा का आधुनिक अवतार है। बंकिमदा ने जब वंदे मातरम् की रचना की थी तो यह गीत स्वाभाविक रूप से आजादी की लड़ाई का स्वर बना और पूरे देश के आजादी के योद्धाओं को मुग्ध करने का मंत्र बन गया। वंदे मातरम् हजारों वर्ष की सांस्कृतिक ऊर्जा थी, इसमें आजादी का जज्बा भी था और आजाद भारत की दृष्टि भी थी। इस गीत के हर शब्द देशवासियों को हौसला देने वाले थे। उसमें संदेश दिया गया था कि लड़ाई जमीन हथियाने की नहीं और सिर्फ आजादी पाने की नहीं है बल्कि यह देश की समृद्धि का भी संकल्प है। इस गीत का सिर्फ जन जन से जुड़ाव नहीं रहा है बल्कि यह गीत हमारी आजादी की लंबी गाथा की अभिव्यक्ति भी है।

श्री मोदी ने कहा, वंदे मातरम् जनजीवन की धारा प्रवाह यात्रा का नाम है और इस गीत के सामने आने के बाद से अंग्रेज समझ गये थे कि अब भारत में रहना आसान नहीं है इसलिए उन्होंने देश को टुकड़ों में बांटने की चाल चली और मबांटो तथा राज करोफ की नीति को चुना। बंगाल के विभाजन को इसकी प्रयोगशाला बनाया गया। बंगाल की बौद्धिक शक्ति तब पूरे देश को ताकत देती थी। बंगाल पूरे देश को प्रभावित करता था। अंग्रेजों का मानना था कि अगर बंगाल को तोड़ दिया तो देश में आसानी से राज किया जा सकता है और 1905 में उन्होंने बंगाल विभाजन का पाप किया तो वंदे मातरम् बंगाल की एकता के लिए चट्टान की तरह खड़ा रहा। गली गली में इस गीत की गूंज सुनाई दे रही थी। वंदे मातरम् देश के लिए चट्टान और अंग्रेजों के लिए संकट बन गया था।

उन्होंने कहा कि अंग्रेज समझ गये थे कि बंगाल से निकला वंदे मातरम् का भाव पूरे देश में जिस भाव के साथ फैल गया है उससे देश में आजादी के वेग को रोकना आसान नहीं है इसलिए उन्होंने वंदे मातरम् बोलने पर भी सजा का प्रावधान कर दिया। इस गीत को पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दिया। इसके बावजूद वंदे मातरम् गीत गाते हुए प्रभात फेरियां बंगाल की गली गली में निकलती थी और बंगाल की गलियों से निकली यह आवाज पूरे देश की आवाज बन गई थी। छोटे छोटे बच्चों को वंदे मातरम् गाने पर उनके साथ जुल्म किया गया। बच्चों ने वंदे मातरम् मंत्र को अपनी ताकत सिद्ध कर दिया था। जांबाज वंदे मातरम् जय घोष के साथ फांसी पर चढ़ गये।

गोवा अग्निकांड

रोमियो लेन के मुख्य आरोपी सौरभ और गौरव इंडिगो फ्लाइट से फुकेट भागे

इंटरपोल की मदद लेगी पुलिस

नई दिल्ली, 08 दिसंबर (एजेंसियां)।

गोवा में हाल ही में हुए रोमियो लेन अग्निकांड के मुख्य आरोपी सौरभ और गौरव लूथरा घटना के महज पांच घंटे बाद दिल्ली से इंडिगो फ्लाइट से थाईलैंड के फुकेट भाग गए। गोवा पुलिस ने सोमवार को इस मामले पर बयान दिया।

पुलिस फिलहाल उनके ठिकाने और विदेश भागने की पूरी कार्रवाई का पता लगा रही है। मामले की आगे की जांच जारी है और अधिकारियों ने अंतरराष्ट्रीय मदद लेने की भी योजना बनाई है।

गोवा पुलिस की ओर से बयान में कहा गया कि बर्च बाई रोमियो लेन फायर इंसीडेंट की जांच में गोवा पुलिस कार्रवाई कर रही है। प्राथमिकी दर्ज होते ही पुलिस की एक टीम तुरंत दिल्ली रवाना की गई, जहां आरोपियों गौरव लूथरा और सौरभ लूथरा के ठिकानों पर छापेमारी की गई। दोनों वहां मौजूद नहीं मिले, जिसके बाद उनके आवास पर कानून के तहत नोटिस चस्पा किया गया।

पुलिस ने बताया कि 7 दिसंबर की शाम तक दोनों के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी कर दिया गया था। मुंबई इमिग्रेशन को जब संपर्क किया गया तो पता चला कि दोनों आरोपी 7 दिसंबर की सुबह 5:30 बजे इंडिगो की फ्लाइट 6 ई 1073 से फुकेट के लिए रवाना हो गए थे, जबकि हादसा रात करीब आधी रात को हुआ था। इससे यह साफ होता है कि दोनों ने जांच से बचने की कोशिश की।

बयान में कहा गया कि गोवा पुलिस ने दोनों आरोपियों को पकड़ने के लिए सीबीआई की इंटरपोल डिवीजन से भी संपर्क किया है, ताकि जल्द से जल्द उनकी गिरफ्तारी सुनिश्चित हो सके। ▶10 पर

हुमायूं कबीर के साथ चुनावी गठजोड़ से एआईएमआईएम का इनकार

कोलकाता, 08 दिसंबर (एजेंसियां)। ऑल इंडिया मजलिस–ए–इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) ने तृणमूल कांग्रेस के निलंबित विधायक हुमायूं कबीर के साथ किसी भी चुनावी गठजोड़ से सोमवार को इनकार किया और उनके प्रस्तावों को राजनीतिक रूप से संदिग्ध और वैचारिक रूप से असंगत बताया।

आईएमआईएम की ओर से यह बात ऐसे समय में कही गई है जब हुमायूं कबीर ने कुछ दिन पहले पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में एक समारोह में मस्जिद की नींव रखी थी।

एआईएमआईएम के राष्ट्रीय प्रवक्ता सैयद असीम वकार ने कहा कि कबीर को व्यापक रूप से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी और पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व के साथ राजनीतिक रूप से जुड़ा हुआ माना जाता है।

वकार ने एक बयान में कहा, सार्वजनिक रूप से उपलब्ध जानकारी के अनुसार, कबीर को अधिकारी के राजनीतिक तंत्र का हिस्सा माना जाता है। और यह सर्वविदित है कि अधिकारी भाजपा के राष्ट्रीय स्तरीय नेतृत्व के मुख्य रणनीतिक ढांचे के भीतर काम करते हैं। ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

खालिस्तानी आतंकी नेटवर्क पर ब्रिटेन की बड़ी कार्रवाई

भारत ने प्रतिबंधों का किया स्वागत

नई दिल्ली, 08 दिसंबर (एजेंसियां)।

भारत ने प्रतिबंधित खालिस्तान समर्थक आतंकवादी समूह बब्बर खालसा से जुड़े चरमपंथी नेटवर्क पर ब्रिटेन सरकार की ओर से लगाए गए प्रतिबंधों का स्वागत किया है। भारत ने यह भी कहा कि ऐसे व्यक्ति न केवल भारत और ब्रिटेन, बल्कि पूरी दुनिया के लोगों के लिए खतरा पैदा करते हैं।

विदेश मंत्रालय (एमईए) के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोमवार को कहा कि यह कार्रवाई आतंकवाद और अवैध वित्तीय प्रवाह के खिलाफ वैश्विक प्रयासों को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि नई दिल्ली, भारत विरोधी गतिविधियों में शामिल व्यक्तियों और संस्थाओं को निशाना बनाने के लिए लंदन की कार्रवाई की सराहना करती है।

भारत ने ब्रिटेन के साथ मिलकर अपनी आतंकवाद विरोधी और सुरक्षा सहयोग को और मजबूत करने की इच्छा व्यक्त की है।

पिछले हफ्ते ब्रिटेन सरकार ने बब्बर खालसा की फंडिंग को बाधित करने के उद्देश्य से पहली बार ऐसे प्रतिबंध लगाए थे। गुरप्रीत सिंह रेहल की संपत्ति ब्रिटेन ने फ्रीज कर दी और उन्हें निदेशक पद से अयोग्य घोषित कर दिया। ▶10 पर

डीजीसीए के कारण बताओ नोटिस पर इंडिगो का जवाब

संकट के पीछे बताए ये 5 कारण, सरकार से मांगा और समय

नई दिल्ली, 08 दिसंबर (एजेंसियां)।

देशभर में हजारों उड़ानें रद्द करने और लाखों यात्रियों को भारी परेशानी में डालने के बाद, इंडिगो ने आखिरकार सोमवार शाम को डीजीसीए (नागरिक उड्डयन महानिदेशालय) के कारण बताओ नोटिस का जवाब दे दिया। कंपनी के सीईओ और सीओओ के हस्ताक्षर वाला यह जवाब शाम 6:01 बजे जमा किया गया।

इस जवाब में यात्रियों से गहरा खेद और हृदय से माफी मांगी गई है, लेकिन सबसे बड़ा सवाल–आखिर यह इतना बड़ा संकट कैसे पैदा हुआ–इसका साफ जवाब नहीं दिया गया है। इंडिगो ने लिखा है कि समस्या कई कारकों के दुर्भाग्यपूर्ण और अप्रत्याशित संयोग से हुई, जिन्हें अभी सटीक रूप से चिह्नित करना संभव नहीं है।

डीजीसीए इस जवाब का अध्ययन कर रहा है, लेकिन संकेत है कि इंडिगो के जवाब को संतोषजनक नहीं माना गया है। बहुत संभव है कि कंपनी के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो, जैसा कि नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने सोमवार को राज्यसभा में चेतावनी दी थी।

कंपनी ने डीजीसीए से और समय मांगा है, क्योंकि उनके हिसाब से शो–कॉज नोटिस के नियम के तहत 15 दिन का वक्त मिलता है। दूसरे शब्दों में कहें तो, सिर्फ प्रारंभिक बातें बताई गई हैं, और पूरा रूट–कॉज एनालिसिस बाद में आएगा।

जवाब में बताए गए प्रारंभिक योगदान देने वाले कारक में निम्नलिखित 5 वजहें गिनाई गई हैं: 1.छोटी–मोटी तकनीकी खराबी। 2.सर्दी के लिए उड़ानों की समय–सारणी में बदलाव। 3.खराब मौसम। 4.हवाई अड्डों पर बढ़ती भीड़। 5.नई फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन फेज–2 नियमों का लागू होना। कंपनी के जवाब के बारे में डीजीसीए की तरफ से ही जानकारी उपलब्ध कराई गई है। ▶10 पर

गीता अंधविश्वास नहीं है, यह मानवता के लिए एक विज्ञान है: पवन कल्याण

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

आंध्र प्रदेश के उप मुख्यमंत्री और अभिनेता पवन कल्याण ने रविवार को ऐतिहासिक उडुपी श्री कृष्ण मठ में महीने भर चले गीतोत्सव समारोह के भव्य समापन में हिस्सा लेने के बाद कहा गीता अंधविश्वास नहीं है, यह मानवता के लिए एक विज्ञान है। पवन कल्याण उडुपी पहुंचे और परयाया पुत्तिगे मठ के अधिकारियों ने उनका पारंपरिक स्वागत किया। उन्होंने पवित्र कनकना किंडी का दौरा किया, जिसके माध्यम से उन्होंने भगवान श्री कृष्ण के दर्शन किए। उन्होंने राजंगना जाने से पहले अनंतश्वर मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना भी की, जहां गीतोत्सव का समापन समारोह आयोजित किया गया था। उडुपी को दिव्य शक्ति केंद्र बताते हुए, पवन कल्याण ने कहा कि पवित्र शहर की उनकी यात्रा 'भगवान का एक दिव्य बुलावा था। उन्होंने पुत्तिगे मठ के श्री सुगुनेन्द्र तीर्थ स्वामीजी का व्यक्तिगत रूप से उन्हें आमंत्रित करने के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने गीतोत्सव में बड़े पैमाने पर भागीदारी की भी सराहना की, यह देखते हुए कि एक करोड़ से अधिक लोगों द्वारा भगवद गीता लिखना

और एक लाख लोगों द्वारा एक साथ इसका पाठ करना असाधारण से कम नहीं था। इस कार्यक्रम के दौरान, श्री सुगुनेन्द्र तीर्थ स्वामीजी ने सनातन धर्म की रक्षा के लिए उनके प्रयासों और एक आदर्श समाज के निर्माण की उनकी दृष्टि को मान्यता देते हुए पवन कल्याण को अभिनव कृष्णदेवराय की प्रतिष्ठित उपाधि से सम्मानित किया।

स्वामीजी ने कहा धर्म और समाज कल्याण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता सराहनीय है। इसलिए, हम उन्हें इस उपाधि से सम्मानित करते हैं। अपने संबोधन में, जिसकी शुरुआत उन्होंने कन्नड़ में की, पवन कल्याण ने भगवान कृष्ण को साष्टांग नमस्कार किया और कर्नाटक के लोगों का अभिवादन किया। उन्होंने भारत की आध्यात्मिक विरासत की शक्ति और राष्ट्र की संस्कृति को संरक्षित करने में वेदों और भगवद गीता की भूमिका के बारे में बात की।

उन्होंने कहा कि वह कर्म योग में दृढ़ विश्वास रखते हैं और परिणाम की उम्मीद किए बिना अपने कर्तव्यों का पालन करते हैं। उप मुख्यमंत्री ने बताया कि वह भक्तों के परिवार से आते हैं और 'हरे राम हरे कृष्ण' का जाप हमेशा उनका मार्गदर्शन करता रहा है, खासकर उनके जीवन के कठिन क्षणों में। भगवद गीता को एक सार्वभौमिक ग्रंथ बताते हुए, उन्होंने कहा कि यह किसी एक धर्म तक सीमित नहीं है, बल्कि मानवता के लिए एक मार्गदर्शक शक्ति के रूप में कार्य करता है। उन्होंने कहा उडुपी वैकुंठ जैसा लगता है। यहां एक शक्तिशाली आध्यात्मिक ऊर्जा है। पवन कल्याण ने कनकदास और कनकना किंडी के महत्व के बारे में भी बात की, और कहा कि यह इस बात का प्रतीक है कि भक्ति जाति, पद या धन से बड़ी होती है। उन्होंने युवाओं, खासकर जेन जेड को भगवद गीता पढ़ने और उसे अपने दिल के करीब रखने के लिए प्रोत्साहित किया, और इसे तनाव और अनिश्चितता के समय में ताकत का स्रोत बताया। भारतीय परंपरा के एक महत्वपूर्ण हिस्से के रूप में गौ रक्षा पर जोर देते हुए, पवन कल्याण ने कहा कि वह 60 गायों के साथ एक गौशाला चलाते हैं और उन्होंने अपने विभाग में गोकुला योजना शुरू की है। उन्होंने हर परिवार से अपील की कि वे सिर्फ शादियों, होटलों और मनोरंजन पर खर्च करने के बजाय कम से कम एक गाय की रक्षा की जिम्मेदारी लें। इस मौके पर, श्री सुगुनेन्द्र तीर्थ स्वामीजी ने आंध्र प्रदेश के डिप्टी सीएम से शंकरचार्य, रामानुजाचार्य और बसवन्ना की शिक्षाओं के साथ-साथ मध्वाचार्य की शिक्षाओं को भी स्कूल की किताबों में शामिल करने की विशेष अपील की। उन्होंने सरकार से संत त्यागराज की खोई हुई रचनाओं पर रिसर्च करने के लिए एक समिति बनाने और भगवद गीता को एकेडमिक सिलेबस में शामिल करने का भी आग्रह किया। बाद में, पवन कल्याण ने अपनी यात्रा समाप्त करने से पहले सम्मान के तौर पर स्वामीजी को तिरुपति का प्रसाद भेंट किया।

नई सेवा वाहिनी का भव्य लोकार्पण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

तेरापंथ युवक परिषद बेंगलूरु द्वारा जैन संस्कार विधि के साथ नई सेवा वाहिनी का भव्य लोकार्पण तेरापंथ सभा भवन, गांधीनगर में सम्पन्न हुआ। रविवार दोपहर प्रारंभ हुए इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाएं उपस्थित रहीं। परिषद द्वारा समाज सेवा हेतु समर्पित यह नई सेवा वाहिनी जनहित में विभिन्न सामाजिक सेवाओं एवं रास्ते की सेवा के लिए उपयोग की जाएगी। इस सेवा वाहिनी का लोकार्पण स्व. लादूराम डूंगरवाल की पुण्य स्मृति में, उनके परिवार सुमेरसिंह, अनिल कुमार, प्रदीपकुमार, प्रथम, लक्ष्य, निखिल एवं वर्षा डूंगरवाल (छोटी खांटू बेंगलूरु) द्वारा किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रोहित कोठारी, राष्ट्रीय संघठन मंत्री ने सेवा वाहिनी की सराहना करते हुए कहा कि समाज के लिए सेवा की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। परिषद की युवा वाहिनी के अंतर्गत गुरुदेव की मार्ग सेवा एवं चौका सत्कार की भी प्रशंसा की। तेरापंथ सभा गांधीनगर अध्यक्ष पारसमल भंसाली, लक्ष्मी बोहरा महिला मंडल अध्यक्षा ने भी वाहिनी के विशेषता एवं उपयोगिता की सराहना की। अभातेयुप परिवार से दिनेश मरोठी, कमलेश चोपड़ा, विकास बांटिया, तरुण पटावरी, की उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई। तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर अध्यक्ष जितेन्द्र पितलिया एवं एच.बी.एस.टी. अध्यक्ष स्वरूप की भी विशेष उपस्थिति रही। आयोजन में तेरापंथ सभा गांधीनगर, ट्रस्ट महिला मंडल, किशोर मंडल तथा अन्य सहयोगी संस्थाए ने सहयोग प्रदान किया। जैन संस्कारक राष्ट्रीय सह प्रभारी विकास बांटिया, आदित्य मांडोत एवं अमित भंडारी ने कार्यक्रम को जैन संस्कार विधि से लोकार्पण करवाया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अवलाहल्ली में क्षेत्र के नागरिकों द्वारा अन्नमा देवी एवं महाकाली उत्सव का आयोजन किया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर देवी मां के दर्शन किए। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं अन्नदान कार्यक्रम में सेवा प्रदान की। लिंगराज एवं अन्य सदस्यों ने मुणोत को सम्मानित किया।

स्मार्ट गर्ल कार्यशाला का सफल आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बीजेएस पार्कवेस्ट एवं पार्कवेस्ट कल्चरल कमेटी द्वारा आयोजित दो दिवसीय स्मार्ट गर्ल कार्यशाला का उत्साहपूर्ण समापन हुआ। 13 से 19 वर्ष की कुल 28 बेटियों ने इसमें भाग लिया। प्रशिक्षक भावना कोठारी और सुमंगला कुमार द्वारा संचालित 6 सत्रों में बेटियों को स्व जागरूकता, आत्म सम्मान, आत्म रक्षा, महिला स्वास्थ्य, रिश्तों को संवाद द्वारा मजबूत बनाना, सही चयन व निर्णय लेने की क्षमता, अच्छे मित्रों का चयन तथा प्रलोभनों से बचकर सुरक्षित रहना इन सभी महत्वपूर्ण विषयों पर मार्गदर्शन प्रदान किया गया। इन सत्रों ने प्रतिभागियों के व्यक्तित्व, आत्मविश्वास और जीवन प्रबंधन कौशल को गहराई से समृद्ध किया।

कार्यशाला में अभिभावकों के लिए विशेष पेरेंटिंग सत्र भी आयोजित हुआ, जिसमें प्रभावी संवाद, बदलते सामाजिक वातावरण और बेटियों के लिए सुरक्षित एवं सहयोगी माहौल तैयार करने पर चर्चा की गई। अभिभावकों के लिए आयोजित पेरेंटिंग सत्र को भी भारी सराहना मिली। अभिभावकों ने कहा कि इस तरह के सत्र बेहद उपयोगी हैं और ऐसी पहलें नियमित रूप से होती रहनी चाहिए। दोनों प्रशिक्षकों के उत्कृष्ट मार्गदर्शन के लिए उन्हें सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अध्यक्ष अविनाश भंडारी ने सभी प्रतिभागियों, ट्रेनर्स और आयोजन समिति के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। कमेटी ने भविष्य में भी इसी तरह की मूल्यवर्धक एवं प्रेरणादायी गतिविधियों के आयोजन का संकल्प लिया।

भगवान ने इस सृष्टि का निर्माण किया और मनुष्य को सब कुछ दिया: साध्वी भव्यगुणा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

साध्वी भव्यगुणा ने कहा कि भगवान ने इस सृष्टि का निर्माण किया और मनुष्य को सब कुछ दिया है, लेकिन वह उसका उपयोग सही ढंग से नहीं कर पाता है। यही कारण है कि वह जीवन भर दुखी रहता है। उसके दुख की वजह भौतिक साधनों की कमी नहीं है, बल्कि स्वभाव है। दुख का एक कारण मनुष्य अपने दुखों को पिछले जन्म का दोष देता है। मनुष्य का स्वभाव सत्संग सुनने से सुधर सकता है। मनुष्य सत्संग सिर्फ सुने ही नहीं, बल्कि उसका महत्व समझे। साध्वी शीतलगुणा ने कहा कि भूतकाल की चर्चा में लीन रहता है और भविष्य के सपने देखकर वर्तमान को हाथों से खोता जा रहा है वह पढ़ा लिखा होकर भी अज्ञानी और नादान है। जो समय के महत्व को नहीं जानता वह धर्म और भगवान के महत्व को भी नहीं जानता है। 100 करोड़ खोने के बाद वापस कमाया जा सकता है परंतु एक पल खोया हुआ 100 करोड़ देकर वापस प्राप्त नहीं कर सकता।

समाज को संगठित करना प्रत्येक श्रावक का कर्तव्य है: डॉ. मुनि पुलकित कुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

आचार्यश्री महाश्रमणजी के विद्वान सुशिष्य डॉ. मुनिश्री पुलकित कुमारजी नचिकेता, मुनि आदित्य कुमारजी के पावन सानिध्य में डालमचंद सुराणा के निवास स्थान एचएसआर लेआउट में बेंगलूरु ईस्ट जोन तेरापंथ श्रावक समाज की संगोष्ठी आयोजित की गई। जिसमें यह प्रस्ताव पास हुआ कि इस क्षेत्र में श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा ईस्ट जोन का निर्माण होना चाहिए। इस अवसर पर संगोष्ठी में उपस्थित श्रावक समाज को संबोधित करते हुए डॉ मुनिश्री पुलकित कुमार जी ने कहा संगठन में विशेष शक्ति होती है। संगठन से श्रावक समाज को बहुत लाभ होता है, समाज को संगठित करना प्रत्येक श्रावक का कर्तव्य है। तेरापंथ समाज ईस्ट जोन में बिखरे हुए श्रावकों को एकजुट करने के लिए तेरापंथ सभा का निर्माण अति आवश्यक है इससे धर्म आराधना का सामूहिक उत्साह भी बढ़ेगा। संगोष्ठी में डॉ. मीठालाल जैन सुखलेचा को संयोजकिय दायित्व दिया गया। सह संयोजक के रूप में डालमचंद सुराणा एवं कार्यकारी सहसंयोजक के रूप में विवेक बरडिया को नियुक्त किया गया। इस प्रक्रिया में तेरापंथ महासभा कोलकाता में भेजने हेतु ईस्ट जोन तेरापंथ श्रावक समाज के 101 व्यक्तियों ने हस्ताक्षर किए। वरिष्ठ श्रावक डालमचंद सुराणा ने बताया कि इस क्षेत्र में तेरापंथ सभा एवं तेरापंथ सभा भवन भी जल्द से जल्द बनाया जाएगा। इसके लिए सभी श्रावकों का अच्छा अच्छा सहयोग मिल रहा है। सहसंयोजक विवेक बरडिया ने सभी का स्वागत करते हुए कहा मुनिश्री का 13 दिवसीय ईस्ट जोन क्षेत्र में प्रवास हम सभी के लिए बहुत ही ऐतिहासिक एवं प्रेरणादाई रहा। अमन बारमेचा ने बताया मुनि ने इस प्रवास में लगभग 200 तेरापंथ परिवारों की सार संभाल की तथा नए 70 परिवारों की खोजबीन हुई। मुनि के प्रयास से इस क्षेत्र में चार ज्ञान शालाओं का शुभारंभ होने वाला है।

शीतकालीन सत्र में किसानों की पीड़ा और ज्वलंत मुद्दों पर हो चर्चा: विजयेंद्र

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई.विजयेंद्र ने कहा कि शीतकालीन सत्र में राज्य के ज्वलंत मुद्दों पर व्यापक चर्चा होनी चाहिए। मुख्य रूप से राज्य के किसान संकट में हैं। इस पर चर्चा होनी चाहिए। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि राज्य सरकार की लापरवाही का खामियाजा गन्ना उत्पादकों, मक्का उत्पादकों, धान उत्पादकों और ज्वार उत्पादकों को

भुगतना पड़ रहा है। चुनाव में कांग्रेस पार्टी ने बेरोजगारी दूर करने की बात कही थी। इसमें लाखों युवाओं को रोजगार देने का वादा किया गया था। उन्होंने आलोचना की कि इसे पूरा नहीं किया गया। सत्र में बुनकरों की समस्या, राज्य का विकास इन सभी पर चर्चा होनी है। उन्होंने कहा कि उत्तरी कर्नाटक की सिंचाई परियोजनाओं को लेकर भी चर्चा हो रही है। उन्होंने कहा कि हर मामले में राज्य सरकार की विफलताओं पर पर्दा डालने के लिए केंद्र को दोषी ठहराया जाता है। वह प्रधानमंत्री को पत्र लिखने में भी माहिर हैं। इस बीच उन्होंने विरोध जताते हुए कहा कि वह भूल गए हैं कि वह राज्य के मुख्यमंत्री हैं। वे विफलताओं पर पर्दा डालने के लिए यह नाटक कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन सब पर सदन में चर्चा होगी।

समुद्र एम्बुलेंस सेवा अगले मानसून से पहले शुरू हो जाएगी

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मत्स्य पालन, बंदरगाह और अंतर्देशीय जल परिवहन मंत्री मनकाल एस वैद्य ने कहा कि गहरे पानी में इमरजेंसी के दौरान मछुआरों को बचाने के लिए लंबे समय से वादा की गई सी एम्बुलेंस सेवा अगले मानसून से पहले शुरू हो जाएगी। शहर में पत्रकारों से बात करते हुए मंत्री ने कहा कि सरकार ने मछुआरों को भरोसा दिलाया था कि समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने के लिए एक खास सी एम्बुलेंस सिस्टम शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा इसकी घोषणा राज्य बजट में की गई थी, टेंडर प्रक्रिया पूरी हो चुकी है, और चेन्नई में निर्माण कार्य पहले ही शुरू हो गया है। यह सेवा अगले मानसून से पहले तैयार हो जाएगी।

कर्नाटक राज्य क्रिकेट एसोसिएशन के नए अध्यक्ष और पदाधिकारियों का चुनाव सम्पन्न

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक राज्य क्रिकेट एसोसिएशन के नए अध्यक्ष और पदाधिकारियों का चुनाव रविवार को हुआ। डीसीएम डीके शिवकुमार, अनिलकुंबले, जीआर विश्वनाथ, चंद्रशेखर, रोजर बिन्नी, अभिनेता जयजगदीश, ब्रिजेश पटेल और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति केएससीए के सदस्य हैं और उन्होंने सुबह मतदान में भाग लिया। पत्रकार शांताकुमार ने अध्यक्ष पद के लिए चुनाव लड़ा, जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी के रूप में पूर्व क्रिकेटर वेंकटेश प्रसाद की प्रविष्टि ने

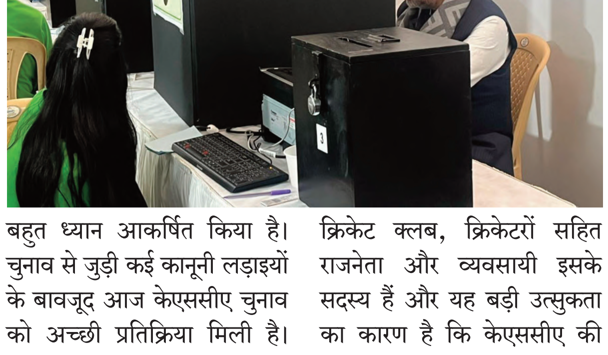

बहुत ध्यान आकर्षित किया है। चुनाव से जुड़ी कई कानूनी लड़ाइयों के बावजूद आज केएससीए चुनाव को अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। क्रिकेट क्लब, क्रिकेटरों सहित राजनेता और व्यवसायी इसके सदस्य हैं और यह बड़ी उत्सुकता का कारण है कि केएससीए की कमान अब कौन संभालेगा। आईपीएल में आरसीबी की जीत के बाद मची भगदड़ के बाद केएससीए के अधिकारियों पर आरोपों की झड़ी लग गई। इस बीच मशहूर पूर्व क्रिकेटर वेंकटेश प्रसाद साफ-सुथरी छवि वाले खिलाड़ियों को तरजीह देने के नाम पर चुनावी मैदान में उतर गए हैं। बदले में, शांताकुमार ने स्वच्छ और पारदर्शी शासन, प्रतिभा की पहचान और क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए कई परियोजनाओं की भी घोषणा की है। चुनाव कड़ी सुरक्षा के बीच हुआ।

उडुपी पुलिस ने पीक कैप बांटना शुरू किया

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य सरकार के आदेश के अनुसार, सभी पुलिस कर्मियों को पीक कैप बांटने की प्रक्रिया शुरू हो गई है, और इसे उडुपी जिले में भी लागू किया गया है। उडुपी जिले के पुलिस अधीक्षक हरिराम शंकर ने प्रतीकात्मक रूप से कैप बांटे। जिले में 1,400 से ज्यादा पुलिसकर्मी हैं। इनमें से लगभग 200 पीक कैप पहले ही आ चुके हैं, और बांटने की प्रक्रिया चल रही है। पुलिस

विभाग के सूत्रों के अनुसार, बाकी कैप भी चरणों में आएंगे। पहले, कांस्टेबल और हेड कांस्टेबल ढीली कैप पहनते थे। हालांकि, इन कैप्स से विरोध प्रदर्शनों और दूसरी ड्यूटी स्थितियों के दौरान दिक्कत होती थी, क्योंकि वे अक्सर फिसल जाती थीं, जिससे परेशानी होती थी। इसी वजह से राज्य सरकार ने नए मॉडल की पीक कैप पेश की हैं। बेंगलूरु और कई दूसरे इलाकों में वितरण पहले ही पूरा हो चुका है, लेकिन कुछ जिलों में यह प्रक्रिया अभी भी जारी है।

अगर मेरे खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया जाता है तो मैं सरकार के फैसले के सामने झुकूंगा: होराट्टी

बेलगाम/शुभ लाभ ब्यूरो। विधान परिषद अध्यक्ष बसवराज होराट्टी ने कहा है कि अगर सदन में उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया जाता है, तो वह सरकार के फैसले के सामने झुकेंगे। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए उन्होंने कहा मुझे इस बात की कोई जानकारी नहीं है कि सरकार इस सत्र में उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाएगी। उन्होंने साफ कर दिया कि अगर कोई प्रस्ताव लाया जाता है तो उन्हें झुकना होगा। अविश्वास प्रस्ताव लाना सरकार के विवेक पर छोड़ दिया गया है। अध्यक्ष होने के नाते सदन को नियमों के अनुरूप चलाना मेरा कर्तव्य है और अन्य विषयों के बारे में मुझे कोई जानकारी नहीं है। मीडिया में खबर आई है कि कुछ सदस्यों ने कहा है कि सदन में मेरे पास बहुमत नहीं है और मुझे नैतिक इस्तीफा दे देना चाहिए। इस पर मेरी टिप्पणी से अध्यक्ष पद का सम्मान नहीं होता। उन्होंने दोहराया कि सदन में सदस्यों द्वारा लिया गया निर्णय अंतिम होता है। बहुमत है या नहीं यह सरकार पर छोड़ दिया गया है, सदन का निर्णय अंतिम है। अगर चर्चा की बात आएगी तो मैं नियमों के मुताबिक चलूंगा। लेकिन विधान परिषद में स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का कोई इतिहास नहीं है। पिछले सत्र में मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर और सीटी रवि के बीच हुए झगड़े की बात करें तो परिषद के दोनों सचिवों से चर्चा की गई जब यह घटना हुई थी। साथ ही यह मुद्दा नीति निर्माण समिति को दिया गया। नीति निर्धारण समिति ने दो बार बैठक कर चर्चा की। उन्होंने कहा कि उनकी दोनों से बात हुई है। हमें जो करना था वह हमने कर लिया है। हमने अपना काम जिम्मेदारी से किया है। कर्मचारियों की भर्ती में गड़बड़ी के आरोप पर उन्होंने कहा अगर एक पैसे का भी भ्रष्टाचार साबित हुआ तो वह एक पल के लिए भी इस पद पर नहीं रहेंगे। मामले में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गयी है। केईए के जरिए 30 पदों पर भर्ती की जाती है। उन्होंने कहा कि अगर कुछ गलत है तो कानून के मुताबिक कार्रवाई की जाएगी। भर्ती केईए के माध्यम से होती है, हमारी भूमिका नहीं। उन्होंने कहा कि अगर विधायक दोष देना चाहते हैं तो उन्हें सोचना चाहिए। इस बार सदन में उत्तर कर्नाटक और कल्याण कर्नाटक पर चर्चा को प्राथमिकता दी जायेगी। पिछले सत्र में उत्तर कर्नाटक पर 6 घंटे 35 मिनट तक बहस हुई। हर दिन उत्तर कर्नाटक की ओर ध्यान आकर्षित करने वाले विषय पर चर्चा की जाएगी। उत्तरी कर्नाटक पर पूरी बहस बुधवार को की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस बार उत्तरी कर्नाटक के मुद्दे पर चर्चा को प्राथमिकता दी जाएगी। मुख्य रूप से कलासा बंदूरी, कृष्णा अपर बैंक, रोजगार सृजन के मुद्दे पर चर्चा होगी। हम एजेंडा पूरा करेंगे, चाहे इसमें कितना भी समय लगे। आगामी 19 तक सदन होगा। उन्होंने कहा कि पिछले सदन में उत्तर कर्नाटक को लेकर कुल छह घंटे 35 मिनट तक चर्चा हुई। नागराज यादव के इस आरोप का जवाब देते हुए कि वे सदन में हेब्बालकर और सीटी रवि के बचाव में नहीं आए, उन्होंने कहा मैंने सचिवों को बैठाकर चर्चा की। मामला नीति निर्धारण समिति को दिया गया। समिति की दो बार बैठक हो चुकी है। इसके अलावा दो लोगों को बुलाकर जानकारी ली गई। उन्होंने बताया कि निर्णय अभी भी समिति के समक्ष है। नागराज यादव सदन के सदस्य हैं। वे एक साल बाद क्यों बात कर रहे हैं। हमने पहली बार विधायकों को अधिकार समिति में नियुक्त किया है। जो भी मुझ पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाएगा, मैं उसे जवाब दूंगा। उन्होंने साफ किया कि अगर भ्रष्टाचार साबित हो गया तो मैं इस कुर्सी पर एक मिनट भी नहीं बैठूंगा। मैंने छोटे मोटे भ्रष्टाचार करने वाले अधिकारियों को निलंबित कर दिया है। यदि आरोप सिद्ध हो जाए और दस्तावेज न दिए जाएं तो ऐसे लोगों को कायर कहना होगा।

कांग्रेस समर्थित उम्मीदवारों ने बीडीसीसी बैंक चुनावों में बहुमत हासिल किया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। रविवार को हुए चुनावों में 18 में से 15 सीटें जीतकर कांग्रेस समर्थित उम्मीदवारों ने बेंगलूरु डिस्ट्रिक्ट सेंट्रल कोऑपरेटिव (बीडीसीसी) बैंक पर कंट्रोल कर लिया है। इस जीत को इलाके में सत्ताधारी पार्टी के कोऑपरेटिव सेक्टर में प्रभाव के लिए एक बड़ी कामयाबी के तौर पर देखा जा रहा है। रविवार को चामराजपेट में बीडीसीसी बैंक कार्यालय में हुई एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में नतीजे घोषित करते हुए, बेंगलूरु शहरी, ग्रामीण और रामनगर जिला सहकारी दुग्ध उत्पादक संघ लिमिटेड (बीएमयूएल) के अध्यक्ष डी.के. सुरेश ने कहा कि यह सफलता उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के नेतृत्व में हासिल हुई है। सुरेश के अनुसार, कांग्रेस समर्थित उम्मीदवारों ने बेंगलूरु ग्रामीण जिले में रामनगर (2), चन्नपट्टना (1), कनकपुरा (2), और मगदी (2) में सीटें हासिल कीं। बेंगलूरु शहरी जिले में, पार्टी ने होसकोटे (2), देवनाहल्ली (1), डोड्डबल्लापुर (1), अनेकल (1), और बेंगलूरु उत्तर (1) में जीत दर्ज की। उन्होंने कहा कि एक और सीट एच.एम. रेवन्ना के समर्थन से जीती गई। इस बीच भाजपा ने नेलमंगला और सोलूर में कांग्रेस सदस्यों के समर्थन से दो सीटें हासिल कीं। सुरेश ने जीत का श्रेय वरिष्ठ मंत्रियों रामलिंगा रेड्डी, के.एच. मुनियप्पा, कृष्णा बायरे गौड़ा और बी. शिवन्ना, शरथ बच्चेगौड़ा, इकबाल हुसैन, बालकृष्ण, सी.पी. योगेश्वर, और एन. श्रीनिवास सहित कई विधायकों, साथ ही स्थानीय नेताओं आर.के. रमेश और वेंकटरामप्पा के मिले-जुले प्रयासों को दिया। उन्होंने कोऑपरेटिव सदस्यों और यहां तक कि हारे हुए उम्मीदवारों को भी उनके समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा बीडीसीसी बैंक का एक लंबा इतिहास है और राज्य की राजधानी में इसका एक खास स्थान है।

विधान परिषद में हाल ही में दिवंगत हुए गणमान्य लोगों को दी गई श्रद्धांजलि

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। विधान परिषद में हाल ही में दिवंगत हुए विधायक एचवाई मेती, प्रसिद्ध पर्यावरणविद् तिमक्का, फिल्म अभिनेता धर्मेंद्र, उमेश, विधान परिषद के पूर्व सदस्य के नरहरि सहित कई गणमान्य लोगों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। जैसे ही दिन की कार्यवाही शुरू हुई, अध्यक्ष बसवराज होराट्टी ने दिवंगत गणमान्य व्यक्तियों के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए एक शोक प्रस्ताव प्रस्तुत किया। सत्तारूढ़ दल के नेता एनएस बोसराज, विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी ने शोक प्रस्ताव पर बात की। पद्मश्री सालूमरदा तिमक्का सड़क किनारे बरगद के पेड़ उगाने और उन्हें बच्चों की तरह पालने और 4000 से अधिक पेड़ उगाने के कारण प्रसिद्ध थीं। उनकी प्रेरणा के सम्मान में तिमक्का मातु 284 चिल्ड्रन नामक एक वृत्तचित्र फिल्म बनाई गई थी। इसे 2000 के अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में भी प्रदर्शित किया गया था। पर्यावरण संरक्षण के लिए उनकी सेवाओं के लिए उन्हें पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया था, भले ही उनके पास कोई शिक्षा नहीं थी। कर्नाटक केंद्रीय विश्वविद्यालय 2024 मानद डॉक्टरेट, इंदिरा प्रियदर्शिनी, वृक्षमित्र, कल्पवल्ली, महिला रत्न, कन्नड़ राज्योत्सव आदि से भी वे सम्मानित हुई थीं। शोक प्रस्ताव पर बोलते हुए, अध्यक्ष बसवराज होराट्टी ने कहा कि एचवाई मेती, जो बागलकोट विधानसभा क्षेत्र के विधायक थे, ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत मंडल पंचायत अध्यक्ष के रूप में की थी। उन्होंने याद किया कि वह पीएलडी बैंक, एपीएमसी के अध्यक्ष के रूप में विभिन्न चरणों से गुजरे, फिर विधायक, सांसद और मंत्री के रूप में काम किया। बाद में, विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी ने बात की और दिवंगत गणमान्य व्यक्तियों को याद किया। उनके सम्मान में सदन में सभी सदस्यों ने खड़े होकर एक मिनट का मौन रखा।

बेलगावी में शीतकालीन सत्र के पहले दिन

एमईएस और केआरवी का विरोध प्रदर्शन, कार्यकर्ता हिरासत में लिए गए

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जैसे ही कर्नाटक विधानमंडल का शीतकालीन सत्र शुरू हुआ, महाराष्ट्र एकीकरण समिति (एमईएस) के नेताओं और सदस्यों, जिन्होंने आवश्यक अनुमति नहीं होने के बावजूद शीतकालीन सत्र के विरोध में 'महामेला' आयोजित करने की कोशिश की, को हिरासत में ले लिया गया। पुलिस ने इस कार्यक्रम की अनुमति नहीं दी थी और बिना अनुमति के इसे आयोजित करने के प्रयासों को विफल कर दिया। एमईएस नेता मनोहर किनेकर, मालोजीराव अष्टेकर और शुभम शेल्के उन लोगों में शामिल थे, जिन्हें उस समय हिरासत में ले लिया गया, जब वे वैक्सीन डिपो तक विरोध मार्च का नेतृत्व करने वाले थे, जहां उन्होंने पुलिस द्वारा कार्यक्रम की अनुमति नहीं देने के बावजूद प्रदर्शन आयोजित करने की योजना बनाई थी। उन्हें दूसरे रेलवे गेट के पास हिरासत में लिया गया, जबकि प्रदर्शनकारी बेलगावी को महाराष्ट्र में शामिल करने की मांग करते रहे। संबंधित घटनाक्रम में, कोल्हापुर में कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी) की एक बस को शिवसेना कार्यकर्ताओं ने रोका और बेलगावी में महामेला की अनुमति नहीं मिलने के विरोध में वाहन पर 'जय महाराष्ट्र' के स्टिकर चिपका दिए। बस हलियाल से पुणे की ओर जा रही थी। संबंधित घटनाक्रम में, नारायण गौड़ा और शिवमेगौड़ा दोनों गुटों के सदस्यों सहित कर्नाटक रक्षणा वेदिके के कई सदस्यों को एहतियातन हिरासत में ले लिया गया, जब उन्होंने एमईएस के महामेला के विरोध में वैक्सिन डिपो की ओर मार्च करने की कोशिश की। स्थिति कुछ समय के लिए तनावपूर्ण हो गई क्योंकि बड़ी संख्या में एमईएस कार्यकर्ताओं ने केआरवी कार्यकर्ताओं की ओर मार्च करने की कोशिश की। पुलिस ने दोनों संगठनों के कार्यकर्ताओं को रोका और हिरासत में ले लिया। हिरासत में लिए गए लोगों में केआरवी (नारायणगौड़ा गुट) की जिला इकाई के अध्यक्ष दीपक गुंडनकट्टी और वाजोद हिरेकाडली शामिल थे। पुलिस को कठिन समय का सामना करना पड़ा, क्योंकि एमईएस और केआरवी के सदस्यों ने शहर के विभिन्न हिस्सों में विरोध प्रदर्शन किया। इससे पहले, पुलिस ने शीतकालीन सत्र और एमईएस के प्रस्तावित 'महामेला' के लिए सुवर्णा सौधा और अन्य स्थानों के आसपास व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की थी, जिसके लिए अनुमति नहीं दी गई थी।

ग्रेटर बेंगलूरु अथॉरिटी पर है अधिकारियों का बोझ: एनआर रमेश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। ग्रेटर बेंगलूरु अथॉरिटी के अधिकार क्षेत्र में आने वाले पांच अर्बन कॉर्पोरेशन में गैर-कानूनी तरीके से वरिष्ठ अधिकारियों को नियुक्त किया गया है। भाजपा नेता एन.आर. रमेश ने मांग की है कि सरकार को अपना फैसला वापस लेना चाहिए क्योंकि इस कदम से कॉर्पोरेशन के खजाने पर बोझ पड़ेगा।

उन्होंने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और शहरी विकास विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव को लिखे पत्र में यह मांग की है। पांच अर्बन कॉर्पोरेशन में 10 अधिकारियों को बेवजह नियुक्त किया गया है। इस नियुक्ति में कर्नाटक कैडर और भर्ती नियमों को ताक पर रखा गया है। पांच कॉर्पोरेशन में कमिश्नरों की नियुक्ति सही कदम नहीं है। उन्होंने कहा कि यह एक गैर-संवैधानिक काम है। 1.40 करोड़ की आबादी वाले बीबीएमपी को बांटकर बनाए गए कॉर्पोरेशन में वरिष्ठ अधिकारियों के बजाय प्रोबेशन पर चल रहे अधिकारियों या वरिष्ठ अधिकारियों को नियुक्त किया जाता तो काफी होता। इससे कॉर्पोरेशनों को हर महीने कम से कम 10 लाख रुपये की बचत होती। क्या पांच म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के लिए एडिशनल कमिश्नर के नाम पर 10 अधिकारियों की कोई जरूरत थी। नगर निगमों को एक-एक एडिशनल कमिश्नर (डेवलपमेंट) और एक-एक एडिशनल कमिश्नर (एडमिनिस्ट्रेशन) समेत कुल 10 अधिकारी दिए गए हैं। इन 10 अधिकारियों की सैलरी और अलाउंस और उनके ऑफिस स्टाफ और गाड़ियों के मेंटेनेंस पर हर साल जनता के टैक्स का 9 करोड़ रुपये का भारी पैसा बर्बाद हो रहा है। इसलिए, उन्होंने अपील की है कि 10 गैर-जरूरी एडिशनल कमिश्नरों के पद तुरंत हटाने और करोड़ों रुपये की गैर-जरूरी बर्बादी से बचने के लिए सही कानूनी कदम उठाए जाएं।

नवजोत कौर के 100 करोड़ वाले बयान पर पलटवार

उन्हें किसी मानसिक अस्पताल में भर्ती करवा दें: डीके शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने सोमवार को कांग्रेस नेता नवजोत कौर सिद्धू पर पलटवार किया है। शिवकुमार ने मुख्यमंत्री पद के लिए 500 करोड़ रुपये वाली टिप्पणी को लेकर उन्हें 'मानसिक अस्पताल' में भर्ती होने की सलाह दी।

पंजाब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष नवजोत सिंह की पत्नी ने शनिवार को यह कहकर विवाद खड़ा किया कि जो कोई पांच सौ करोड़ का सूटकेस देता है, वही मुख्यमंत्री बनता है। उनके इस बयान पर भाजपा और आम आदमी पार्टी ने पलटवार किया। कर्नाटक कांग्रेस के अध्यक्ष शिवकुमार ने उनके बयान के जवाब में कहा उन्हें किसी अच्छे मानसिक अस्पताल में भर्ती करवा देना चाहिए। सिद्धू ने कहा कि उनके पति सक्रिय राजनीति में लौटेंगे, अगर कांग्रेस उन्हें 2027 के चुनावों से पहले पंजाब में पार्टी का मुख्यमंत्री चेहरा घोषित करती है। उन्होंने आगे कहा कि उनके पास किसी पार्टी को देने के लिए पैसे नहीं हैं, लेकिन वह पंजाब को 'स्वर्ण राज्य' में बदल सकते हैं। उन्होंने कहा, हम हमेशा पंजाब और पंजाबियत की बात करते हैं, लेकिन हमारे पास पांच सौ करोड़ रुपये नहीं हैं, जिन्हें हम मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठने के लिए दे सकें। यह बात उन्होंने राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया से मुलाकात के बाद कही। जब उनसे पूछा गया कि क्या किसी ने उनसे पैसे की मांग की, तो उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं है, लेकिन जो पांच सौ करोड़ रुपये का सूटकेस देता है, वही मुख्यमंत्री बनता है। उन्होंने बाद में कहा कि उनके सीधे बयान को गलत तरीके से पेश किया गया। नवजोत कौर ने रविवार शाम एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मैं हैरान हूं कि मेरे सीधे बयान को ऐसे तोड़-मरोड़ दिया गया। हमारी कांग्रेस पार्टी ने हमसे कभी कुछ नहीं मांगा। जब मुझसे पूछा गया कि नवजोत किसी अन्य पार्टी से सीएम का चेहरा बन सकते हैं, तो मैंने कहा कि हमारे पास मुख्यमंत्री पद के लिए पैसे देने के लिए कुछ नहीं है।

कर्नाटक सीएम के निर्वाचन को चुनौती

सुप्रीम कोर्ट ने सिद्धरामैया को नोटिस जारी कर मांगा जवाब

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सुप्रीम कोर्ट में कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के 2023 में वरुणा विधानसभा क्षेत्र से उनके चुनाव को चुनौती देते हुए याचिका दायर की गई है। सोमवार को इस याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सिद्धरामैया को नोटिस जारी किया है। जस्टिस विक्रम नाथ और संदीप मेहता की बेंच ने के. शंकरा नाम के व्यक्ति की याचिका पर सिद्धरामैया को नोटिस जारी कर जवाब मांगा। शंकरा ने कर्नाटक हाई कोर्ट के 22 अप्रैल के आदेश को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है, जिसमें वरुणा विधानसभा क्षेत्र से सिद्धरामैया के चुनाव को अमान्य घोषित करने की उनकी याचिका खारिज कर दी गई थी। याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया कि सिद्धरामैया ने रिप्रेजेंटेशन ऑफ द पीपल एक्ट, 1951 के प्रावधान का उल्लंघन किया है। हाईकोर्ट ने शंकरा की चुनाव याचिका खारिज कर दी थी।

आउटर रिंग रोड के ओवरहॉल में सख्त नए क्वालिटी कंट्रोल लागू किए जाएंगे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। ग्रेटर बेंगलूरु अथॉरिटी (जीबीए) ने आखिरकार शहर में घटिया सड़कें बनाने वाले ठेकेदारों की बार-बार आने वाली समस्या को खत्म करने का एक तरीका ढूंढ लिया है। सबसे पहले एक नया शासनादेश पेश करने की योजना बनाई है, जिसके तहत ठेकेदारों को सिल्क बोर्ड और के.आर.पुरम के बीच 17.01 किलोमीटर लंबी आउटर रिंग रोड (ओआरआर) के नवीनीकरण के लिए 10 साल के रखरखाव दायित्व की आवश्यकता होगी। विशेष प्रयोजन वाहन (एसपीवी) दोष दायित्व अवधि (डीएलपी) को बढ़ाएगा, जो वर्तमान में दो वर्ष है। सड़क के स्थायित्व को बढ़ाने के लिए स्टोन मैट्रिक्स डामर (एसएमए) का उपयोग अनिवार्य किया जाएगा। बी.एस. बी-स्माइल के तकनीकी निदेशक प्रहलाद ने बताया कि इस बदलाव का उद्देश्य कम गुणवत्ता वाले डामर का उपयोग करने वाले ठेकेदारों की चिंताओं को दूर करना है, जो अक्सर गड्ढों और समय से पहले सड़क के खराब होने का कारण बनता है। अब, बोली जीतने वाले ठेकेदार को 10 वर्षों तक पूरे खंड का विकास और रखरखाव करना होगा, जो उन्हें उच्च गुणवत्ता वाले डामर का उपयोग करने के लिए मजबूर करेगा। ऐसी प्रणाली बेंगलूरु में कभी लागू नहीं की गई है, लेकिन हमें लगा कि यह ओआरआर के लिए आवश्यक है, क्योंकि हम वैश्विक मानकों के अनुसार खंड विकसित करने का इरादा रखते हैं। परिणाम के आधार पर, प्रणाली को अन्य प्रमुख हिस्सों तक भी बढ़ाया जा सकता है। हालांकि, नए उल्लिखित शासनादेश के लिए कैबिनेट की मंजूरी की आवश्यकता होगी। आमतौर पर, पूर्ववर्ती बृहत बेंगलूरु महानगर पालिका (बीबीएमपी) में दो साल की डीएलपी और तीन साल की रखरखाव देनदारी अनिवार्य थी। हालांकि, लगभग सभी डामरीकृत सड़कें जल्दी खराब हो जाती हैं, जिससे ठेकेदारों को बार बार पैचवर्क करने के लिए मजबूर होना पड़ता है, जिसके परिणामस्वरूप मोटर चालकों को ऊबड़-खाबड़ यात्रा करनी पड़ती है। दीर्घकालिक रखरखाव दायित्व को सक्षम करने के लिए, बी-स्माइल फुल डेप्थ रिक्लेमेशन (एफडीआर) को अनिवार्य करेगा। प्रह्लाद ने बताया कि पहले, ठेकेदार आसानी से दावा कर सकते थे कि सड़क की खराबी सतह की गुणवत्ता के बजाय खराब उप आधार के कारण थी। ठेकेदारों को पहले केवल ओवरले कार्य (सतह की मरम्मत) करना आवश्यक था। उन्होंने कहा ओआरआर के लिए, हम उनसे सब कुछ नए सिरे से करने के लिए कहेंगे, जो कि एफडीआर है। इससे ठेकेदारों द्वारा खराब उप-आधार को दोष देने की संभावना समाप्त हो जाती है। गुणवत्ता जांच की एक अतिरिक्त परत सुनिश्चित करने के लिए, एसपीवी को ठेकेदारों को यह दिखाने वाले दस्तावेज प्रस्तुत करने की भी आवश्यकता होगी कि डामर घटक कहां से खरीदे गए थे। इस कदम का उद्देश्य निम्न-श्रेणी के डामर मिश्रण के उपयोग को रोकना है।

घुसपैठ करवाने पाक सेना के नए हथकंडे

पहले एलओसी पर आग लगाओ, बारूदी सुरंगें नष्ट करो, फिर आतंकियों को धकेलने का रास्ता बनाओ

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 8 दिसम्बर।

एलओसी पर घुसपैठ करवाने पाक सेना नए हथकंडे अपना रही है। वह पहले एलओसी पर आग लगा रही है जिससे बारूदी सुरंगें नष्ट हो जाती हैं तो आतंकियों को धकेलने का रास्ता बन जाता है। रक्षाधिकारियों के के अनुसार सर्दियों के दिनों में आतंकी घुसपैठ करने के लिए जंगल में आग लगाने की रणनीति अपनाते हैं। सेना और बीएसएफ ने ऐसी घुसपैठ की कई कोशिशों को पूर्व में नाकाम किए हैं।

दरअसल आपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना से हार झेलने के बाद भी पाकिस्तान बाज नहीं आ रहा है। अब भारत में आतंकियों की घुसपैठ कराने के लिए नई साजिश रच रहा है। जम्मू कश्मीर के पुंछ जिले के बालाकोट सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर पिछले 48 घंटों में दूसरी बार पाकिस्तान की खतरनाक साजिश सामने आई है। पाकिस्तानी सैनिक और वहां तैनात आतंकी तत्व जानबूझकर जंगल में आग लगा रहे हैं, जिससे भारतीय सीमा के अंदर बिछी एंटी-पर्सनल और एंटी-टैंक लैंडमाइन एक के बाद एक फट रही हैं। कल सुबह से अब तक दर्जनों लैंडमाइन ब्लास्ट हो चुके हैं। आग की लपटें भारतीय सेना की फारवर्ड पोस्ट्स तक पहुंच चुकीं हैं।खुफिया एजेंसियों का साफ मानना है कि जंगल में आग लगने से भारतीय सेना की एंटी-इन्फिल्ट्रेशन ग्रिड कमजोर

पड़ती है। लैंडमाइन फट जाती हैं, वायर फेंसिंग जल जाती है और सेंसर खराब हो जाते हैं। ठीक यही मौका पाकिस्तान आतंकियों को भारतीय इलाके में धकेलने के लिए इस्तेमाल करना चाहता है। पिछले दो दिनों में ड्रोन से ली गई तस्वीरों में साफ दिख रहा है कि पाकिस्तानी पोस्ट्स के ठीक पीछे से कुछ लोग जंगल में आग लगा रहे हैं।सेना के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह दूसरी बार है जब 48 घंटे में पाकिस्तान ने यह हरकत की है। पहली घटना 6 दिसंबर की रात हुई थी, आज फिर वही सिलसिला जारी है। हमारी फारवर्ड पोस्ट्स तक आग पहुंच गई है। हमारे जवान आग बुझाने के साथ ही हाई अलर्ट पर हैं। भारतीय सेना ने तुरंत प्रभाव से पूरे बालाकोट, कृष्णा घाटी और मेंढर सेक्टर में अतिरिक्त फोर्स तैनात कर दी है। क्विक रिएक्शन टीमें, डाग स्क्वाड और ड्रोन सर्विलांस बढ़ा दिया गया है।

जानकारों का कहना है कि सर्दी शुरू होते ही पाकिस्तान की घुसपैठ की कोशिशें बढ़ जाती हैं क्योंकि बर्फबारी से कई दर्रे बंद हो जाते हैं और एलओसी पर जंगल वाला रास्ता ही बचता है। इस बार उसने नया तरीका अपनाया है। पहले आग लगाओ, लैंडमाइन ब्लास्ट करवाओ, फिर अंधेरे व धुएं का फायदा उठाकर आतंकियों को अंदर भेजो।

लेकिन भारतीय सेना पूरी तरह मुस्तैद है। कल सुबह से अब तक तीन संदिग्ध मूवमेंट देखी गई हैं, जिन पर तुरंत फायरिंग की गई और घुसपैठ नाकाम कर दी गई।सूत्रों के अनुसार सर्दियों के दिनों में घुसपैठ करने के लिए जंगल में आग लगाने की रणनीति अपनाते हैं। सेना और बीएसएफ ने ऐसी घुसपैठ की कई कोशिशों को पूर्व में नाकाम किए हैं। कर्नल सेनाधिकारी आग की घटना को घुसपैठ के लिए रची जाने वाली साजिश के तौर पर देखते हैं। वे कहते हैं कि पूर्व की घटनाओं को देखा जाए तो नियंत्रण रेखा के उस पार पाकिस्तान के कब्जे वाले क्षेत्र से लगाई गई आग अक्सर भारतीय क्षेत्र में जंगल और बारूदी सुरंगों को नुकसान पहुंचाती रही हैं। धुएं की आड़ में आतंकी घुसपैठ की कोशिश करते हैं। वह कहते हैं कि हमारी सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हैं और हर घुसपैठ को रोकने के लिए तैयार हैं।

इंडिगो संकट पर बोलो राम मोहन नायडू, हम सख्त एक्शन लेकर अन्य एयरलाइंस के लिए मिसाल कायम करेंगे

नई दिल्ली, 08 (एजेंसियां) । इंडिगो संकट पर नागर विमानन मंत्री राम मोहन नायडू ने सोमवार को राज्यसभा में कहा कि सरकार इस मुद्दे को काफी गंभीरता से ले रही है। फिलहाल इसकी जांच चल रही और निष्कर्ष आने पर हम काफी सख्त एक्शन लेंगे, जो कि अन्य एयरलाइंस के लिए मिसाल बने। राज्यसभा में पूछे गए एक जवाब देते हुए नायडू ने कहा कि यह स्थिति इंडिगो के इंटरनल ऑपरेशन में समस्या के कारण पैदा हुई है,जिसमें क्रू का रोस्टरिंग सिस्टम और आंतरिक योजना शामिल हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार ने फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन (एफडीटीएल) नियम सभी पक्षकारों से बातचीत करके लागू किए गए हैं। अप्रैल में, उच्च न्यायालय के दिशानिर्देशों के तहत इसे लागू किया गया है। कुल 22 एफडीटीएल नियम थे, जिसमें से 15 एक जुलाई से और बाकी सात एक नवंबर से लागू हुए हैं।

तब से लेकर डीसीसीए एफडीटीएल नियमों पर सभी एयरलाइन से बातचीत कर रहा था। इसे लेकर एक दिसंबर को इंडिगो के साथ भी बातचीत हुई थी, क्योंकि वे नियमों पर कुछ स्पष्टीकरण चाहते हैं, लेकिन इन दौरान भी उन्होंने इस समस्या का जिक्र नहीं किया है और हर चीज सामान्य थी।

उन्होंने आगे कहा कि जैसे ही तीन दिसंबर को यह समस्या सामने आई,मंत्रालय ने स्थिति पर नियंत्रण पाने के लिए कदम उठाने शुरू कर दिया

है। हमने हवाई अड्डों पर स्थिति को अपने नियंत्रण में ले लिया है। हमने सभी पक्षकारों से परामर्श किया है और फिर आपने देखा होगा कि उन दो दिनों में हालात कैसे बदल गए। हालांकि, यात्रियों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा।नायडू ने कहा कि हमने सभी पक्षकारों को स्पष्ट कर दिया है कि सुरक्षा सरकार की प्राथमिकता है और किसी भी कीमत पर इससे समझौता नहीं किया जाएगा। हमारे लिए क्रू, पायलट और यात्रियों के साथ पूरे सिस्टम की सुरक्षा बेहद महत्वपूर्ण है।अंत में नायडू ने कहा कि सरकार इस मामले को काफी गंभीरता से ले रही है और जांच के बाद हम काफी सख्त एक्शन लेंगे, जो कि अन्य एयरलाइंस के लिए मिसाल बनेगा।

'सिद्धू मूसेवाला की तरह करेंगे हाल', पवन सिंह को मिली जान से मारने की धमकी

पटना, 08 (एजेंसियां) । भोजपुरी सिनेमा के पावर स्टार पवन सिंह को अज्ञात नंबर से फोन कॉल और मैसेज के जरिए जान से मारने की धमकी दी गई है। धमकी देने वाले ने खुद को कुख्यात बिश्नोई गैंग का सदस्य बताया और चेतावनी दी कि अगर उन्होंने 'बिग बॉस 19' में सुपरस्टार सलमान खान के साथ स्टेज शेयर किया, तो उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। जान से मिली धमकी के बावजूद पवन सिंह रविवार रात 'बिग बॉस 19' के ग्रैंड फिनाले में पहुंचे और सलमान खान के साथ स्टेज शेयर किया। उन्होंने 'बिग बॉस' की एक्स कंटेस्टेंट नीलम गिरी के साथ डांस परफॉर्मेंस भी दी। पवन सिंह के मैनेजर ने बताया कि धमकी भरा पहला कॉल 6 दिसंबर की रात लगभग 10 बजे

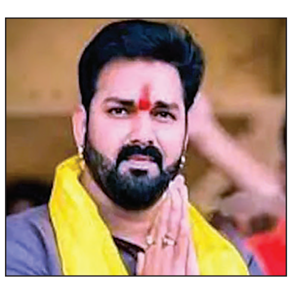

आया। इस कॉल में अज्ञात व्यक्ति ने लगातार धमकियां देना शुरू कर दिया और पवन सिंह की टीम के सदस्य प्रियांशु को कॉल किया। कॉलर ने पवन सिंह के मैनेजर और टीम के अन्य सदस्यों को लगातार मैसेज भेजे। शुरुआत में कॉलर को यह समझाने की कोशिश की गई कि शायद यह गलत नंबर पर कॉल हो रही है, बावजूद इसके लगातार धमकियां मिलती रहीं।

इस धमकी में कॉलर ने पवन सिंह से मोटी रकम की भी मांग की।पवन सिंह के मैनेजर के अनुसार, कॉलर ने 15 से 20 लाख रुपये की डिमांड की और कहा कि यह पैसा जल्द से जल्द जमा करना होगा। साथ ही, कॉलर ने धमकी दी कि अगर पवन सिंह ने सलमान खान के साथ मंच साझा किया, तो उनके साथ वही हाल होगा, जो उन्होंने सिद्धू मूसेवाला के साथ किया था।इस पूरे मामले के सामने आने के बाद पवन सिंह की टीम ने तुरंत सुरक्षा एजेंसियों और पुलिस को जानकारी दी। मुंबई के एक पुलिस स्टेशन में लिखित शिकायत दर्ज कराई गई, और पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि कॉल करने वाला कौन था, वह कहां से था, और किस गिरोह से जुड़ा था।

कमलेश ठाकुर ने चनौर पंचायत में विधायक आपके द्वार कार्यक्रम के तहत सुनी जनसमस्याएँ

देहरा, 08 (एजेंसियां) । विधायक कमलेश ठाकुर ने आज चनौर पंचायत में आयोजित 'विधायक आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत ग्रामीणों की समस्याएँ एवं मांगें सुनीं तथा संबंधित विभागों को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार जनकल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए प्रशासन को जनता की दहलीज तक पहुँचाकर समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए प्रतिबद्ध है।उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ग्राम स्तर पर सुशासन, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। इस दौरान विधायक ने लक्ष्मी नारायण मंदिर ठाकुरद्वारा चनौर में टाइल लगाने के लिए 2 लाख, वेटरिनरी डिस्पेंसरी निर्माण के लिए चार लाख व बेहड से थेडू रास्ते के निर्माण के लिए 5 लाख रुपए देने की घोषणा की।

उन्होंने कुराल बेहड क्षेत्र में शमशान घाट की समस्या को प्राथमिकता से हल करने का आश्वासन दिया। साथ ही

बिजली आपूर्ति से संबंधित समस्याओं के अपग्रेडेशन हेतु भी आवश्यक कदम उठाने की बात कही।

विधायक ने जल शक्ति विभाग को गुलेरिया बस्ती में पेयजल टैंक निर्माण का प्रस्ताव शीघ्र तैयार करने के निर्देश दिए और क्षेत्र में निर्बाध एवं उच्च गुण-वत्ता वाली पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में धर्मशाला में चिट्टे के विरुद्ध एक जागरूकता वॉकाथॉन आयोजित किया गया है।

इस अभियान को पंचायत स्तर पर व्यापक रूप से चलाने की आवश्यकता पर बल देते हुए उन्होंने लोगों से इस जन-अभियान में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि नशे से संबंधित किसी भी सूचना को साझा करने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा 112 आपातकालीन नंबर आरंभ किया गया है। इस नंबर पर जानकारी उपलब्ध कराने वाले व्यक्ति को प्रोत्साहन स्वरूप पुरस्कृत भी किया जाएगा।

उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश सरकार क्षेत्र के समग्र विकास एवं मूलभूत सुविधाओं के विस्तार के प्रति प्रतिबद्ध है। उन्होंने स्थानीय लोगों से सहयोग और सहभागिता सुनिश्चित करने की अपील की, ताकि विकास कार्यों को और अधिक गति मिल सके। इससे पूर्व विधायक का चनौर पंचायत पहुंचने पर यहां के स्थानीय लोगों द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

इस अवसर पर सहायक अभियंता जल शक्ति विभाग परविंदर सिंह ,कनिष्ठ अभियंता लोक निर्माण विभाग परमजीत सलहोत्रा, प्रधान वडल सुमन ,पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष पुष्पेंद्र ठाकुर,पूर्व महासचिव कांग्रेस कमेटी इंद्रजीत शर्मा, यूथ ब्लॉक अध्यक्ष सुमित ठाकुर , ओबीसी कल्याण बोर्ड सदस्य राजकुमार, महिला मंडल प्रधान दर्शना , जिला परिषद मेंबर पुष्पा मनिहास, सतिन्द्र मंहत सहित विभिन्न विभागीय अधिकारी व कर्मचारी सहित गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

मनाली-लेह सामरिक मार्ग पर चार नए पुलों से सेना व पर्यटन दोनों को मिलेगा नया संबल : कंगना रनौत

शिमला, 08 (एजेंसियां) । भाजपा की सांसद कंगना रनौत ने केंद्र सरकार द्वारा हिमाचल प्रदेश के लिए किए जा रहे निरंतर विकास कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि केंद्र ने हमेशा हिमाचल की भौगोलिक चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए बुनियादी ढांचे को सशक्त करने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश की सड़के प्रदेश की जीवन रेखा हैं और केंद्र सरकार द्वारा सड़क व पुल निर्माण के क्षेत्र में किए गए कार्य आने वाले वर्षों में प्रदेश की प्रगति की मजबूत नींव सिद्ध होंगे। सांसद कंगना रनौत ने मनाली-लेह सामरिक मार्ग पर सीमा सड़क संगठन (इठज) के प्रोजेक्ट दीपक द्वारा निर्मित चार महत्वपूर्ण परियोजनाओं के वर्चुअल उद्घाटन पर केंद्र सरकार और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं से अब सेना के भारी-भरकम वाहनों और पर्यटकों की आवाजाही पहले से कहीं अधिक आसान, सुगम और सुरक्षित हो जाएगी। उन्होंने जानकारी दी कि बीआरओ द्वारा लगभग

18 करोड़ रुपये की लागत से इन परियोजनाओं का निर्माण किया गया है, जिनमें 70 मीटर लंबा शोगटोंग ब्रिज, जिंगजिंगबर में दो मल्टी-सेल बॉक्स ब्रिज तथा कीलिंग सराय में 60 मीटर लंबा यूनम ब्रिज शामिल हैं। सभी पुल अत्याधुनिक तकनीक से तैयार किए गए हैं ताकि हर मौसम में भारी वाहनों की निर्बाध आवाजाही संभव हो सके।रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को लेह से देशभर की 125 परियोजनाओं का लोकार्पण कर उन्हें देश को समर्पित किया। इन पुलों के निर्माण से मनाली-लेह मार्ग पर वर्षों से चली आ रही एवलांच जोन, उफनते नालों और कच्चे रास्तों की समस्याओं से बड़ी राहत मिलेगी। पहले जहां सेना के काफिलों और आम यात्रियों को जोखिम भरे मार्ग से गुजरना पड़ता था, वहीं अब नए पुलों के माध्यम से यात्रा अधिक सुरक्षित और भरोसेमंद हो जाएगी।कंगना रनौत ने कहा कि इन परियोजनाओं से न केवल सामरिक दृष्टि से देश की सुरक्षा को मजबूती मिलेगी, बल्कि पर्यटन को भी व्यापक बढ़ावा मिलेगा। मनाली-लेह हाईवे पर यात्रा करने वाले पर्यटकों को अब पहले से कहीं बेहतर और सुरक्षित अनुभव प्राप्त होगा। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का हिमाचल के विकास के लिए निरंतर सहयोग देने हेतु आभार जताते हुए कहा कि केंद्र सरकार के मजबूत नेतृत्व में प्रदेश निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है।

बाप रे बाप !

जम्मू कश्मीर में प्रतिदिन 38 मामले आ रहे कैंसर के

पांच सालों में 67 हजार का आंकड़ा पार, पिछले साल 14 हजार आए थे सामने

जम्मू, 08 (एजेंसियां) । आतंकवाद से जूझ रहे जम्मू कश्मीर में सबसे बड़ी चिंता का विषय अगर सड़क हादसों में होने वाली मौतों का आंकड़ा है तो साथ ही बढ़ते कैंसर के मरीज भी हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि यह बहुत ही तेजी से बढ़ रहा है। सरकारी आंकड़े आप डराते हैं कि हर दिन औसतन 38 नए मामले सामने आ रहे हैं।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा शेयर किए गए डेटा से पता चलता है कि अकेले 2024 में इस इलाके में 14,112 कैंसर के मामले दर्ज किए गए, जिससे पिछले पांच सालों में रिपोर्ट किए गए मामलों की कुल संख्या 67,037 हो गई। इस ट्रेंड में कमी का कोई संकेत नहीं दिख रहा है।

2020 में, जम्मू कश्मीर में 12,726 कैंसर के मामले दर्ज किए गए, इसके बाद 2021 में 13,060 मामले दर्ज किए गए। यह संख्या 2022 में 13,395 और 2023 में 13,744 हो गई, और इस साल 14,112 तक पहुंच गई, जो साल-दर-साल लगातार बढ़ोतरी दिखाता है। स्वास्थ्य पेशेवर इस पैटर्न को चिंताजनक बताते हैं, खासकर इसलिए क्योंकि मामलों का एक बड़ा हिस्सा एडवांस स्टेज में पता चलता है।आंकड़े बताते हैं कि जेंडर के आधार पर अलग-अलग कैंसर पैटर्न का पता चलता है। पेट का कैंसर अभी इस इलाके में पुरुषों में सबसे आम बीमारी है, जो लगभग पांचवां हिस्सा है, इसके बाद फेफड़ों का कैंसर है, जो पुरुषों में रिपोर्ट किए गए कैंसर का 16 प्रतिशत है। महिलाओं में, ब्रेस्ट कैंसर अभी भी मुख्य रूप है, जो सभी मामलों का 19 प्रतिशत है, और पेट का कैंसर लगभग 9 प्रतिशत के साथ दूसरा सबसे आम कैंसर बन गया है। इसोफेगस और कोलन कैंसर दोनों जेंडर में कुल कैंसर लोड का एक बड़ा हिस्सा हैं।इंडियन काउंसिल आफ मेडिकल रिसर्च के अनुसार, संख्या में बढ़ोतरी के कई कारण हैं। डायग्नोस्टिक सुविधाओं तक ज्यादा पहुंच, बेहतर रिपोर्टिंग सिस्टम, बढ़ती उम्र और बढ़ती बुजुर्ग आबादी की वजह से बेहतर पहचान हुई है। इसके साथ ही, लाइफस्टाइल में बदलाव भी एक बड़ी भूमिका निभा रहे हैं, जिसमें तंबाकू और शराब का सेवन, फिजिकल एक्टिविटी की कमी और नमक, चीनी और सैचुरेटेड फैट वाली डाइट कैंसर के फैलने से तेज़ी से जुड़ी हुई है।

बढ़ती बीमारियों के बोझ से निपटने के लिए, हेल्थ और फैमिली वेलफेयर डिपार्टमेंट, नेशनल हेल्थ मिशन के हिस्से, नेशनल प्रोग्राम फार प्रिवेंशन एंड कंट्रोल आफ नान-कम्युनिकेबल डिजीज के तहत राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को सपोर्ट कर रहा है। यह पहल स्क्रीनिंग, जल्दी डायग्नोसिस और इलाज की सेव-ाओं को मजबूत करने के साथ-साथ हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर और ह्यूमन रिसोर्स को बढ़ाने पर फोकस करती है। हेल्थ अधिकारियों का कहना है कि देर से पता चलने को कम करने और मरीजों के नतीजों को बेहतर बनाने के लिए लोगों में जागरूकता और बचाव का तरीका जरूरी है।

हालांकि डाक्टरों ने चेतावनी दी है कि बढ़ते मामलों के लिए लगातार दखल, कम्युनिटी लेवल पर स्क्रीनिंग और लाइफस्टाइल में बदलाव पर ज्यादा जोर देने की जरूरत है।

जैसे-जैसे जम्मू और कश्मीर में हर दिन लगभग चार दर्जन कैंसर के मामले बढ़ रहे हैं, ये आंकड़े बचाव के कदम उठाने, रिस्क फैक्टर्स पर ज्यादा रिसर्च करने और पूरे इलाके में स्पेशल केयर तक ज्यादा पहुंच की तुरंत जरूरत की याद दिलाते हैं।

योगी सरकार की आबकारी नीति से निवेश को रफ्तार, रोजगार सृजन के खुले नए आयाम

लखनऊ, 08 (एजेंसियां) । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार की पारदर्शी और निवेशोन्मुखी आबकारी नीति ने वर्ष 2025 में प्रदेश की राजस्व प्रणाली को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। एथेनॉल उत्पादन और बिक्री में दर्ज हुई उल्लेखनीय वृद्धि ने न केवल औद्योगिक गतिविधियों को तेज किया है, बल्कि प्रदेश को राष्ट्रीय एथेनॉल उत्पादन के क्षेत्र में भी शीर्ष श्रेणी में स्थापित किया है। उत्पादन में रिकॉर्ड बढ़ोतरी, बिक्री और निवेश प्रस्तावों में तेजी इस बात का संकेत है कि राज्य की अर्थव्यवस्था नए दौर में प्रवेश कर रही है। उत्तर प्रदेश में नवंबर 2025 तक 141.8 करोड़ लीटर एथेनॉल का उत्पादन हुआ, जो अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। योगी आदित्यनाथ सरकार के संरचनात्मक सुधार, तकनीकी अनुकूलता और 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' से शराब, बीयर, वाइन व अल्कोहल आधारित उद्योगों में वृद्धि हुई है। प्रदेश में 105.25 करोड़ लीटर और प्रदेश से बाहर 40.96 करोड़ लीटर एथेनॉल बिक्री ने उत्तर प्रदेश को एथेनॉल सप्लाई का भरोसेमंद केंद्र बनाया है। उत्तर प्रदेश देश के अग्रणी एथेनॉल उत्पादक प्रदेशों में स्थापित हो चुका है। इससे न केवल उद्योगों को प्रोत्साहन मिला, बल्कि ग्रामीण स्तर पर भी आर्थिक गतिविधियां तेज हुईं।उत्तर प्रदेश में अल्कोहल आधारित उद्योग के क्षेत्र में बड़े कॉरपोरेट समूहों से लेकर मध्यम सेक्टर उद्योगों तक के निवेशक यूपी में अपने परियोजनाओं को विस्तार दे रहे हैं। उत्तर प्रदेश के आबकारी

आयुक्त डॉ. आदर्श सिंह ने बताया कि इंवेस्ट यूपी के अंतर्गत अब तक 125 समझौते साइन हुए हैं, जिसके तहत 3,07,35 करोड़ रुपए के निवेश की प्रक्रिया चल रही है। वहीं 43 रेडी-टू-लॉन्च प्रोजेक्ट हैं जिनके लिए जमीन आवंटित हो चुकी है। इसके माध्यम से 6898.88 करोड़ रुपए के निवेश की प्रक्रिया चल रही है। इनवेस्ट यूपी के तहत वर्तमान में 19 प्रोजेक्ट संचालित हैं इसमें 2900 करोड़ से ज्यादा का निवेश हो चुका है। इन परियोजनाओं ने 4800 से अधिक रोजगार भी सृजित किए हैं। गैर एमओयू के तहत 28 प्रोजेक्ट संचालित हैं जिसमे 2752 करोड़ रुपए का निवेश हुआ है।आबकारी क्षेत्र में निवेश प्रस्तावों से 9940 से अधिक रोजगार अवसर बनने की संभावना है। यह योगी सरकार की उस नीति का परिणाम है जिसमें औद्योगिक विकास को सीधे तौर पर रोजगार सृजन से जोड़ा गया है।

संसद में वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ पर पीएम मोदी का भाषण प्रेरणादायी : अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली, 08 (एजेंसियां) । संसद में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर विशेष चर्चा आयोजित की जा रही है। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय गीत के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और स्वतंत्रता आंदोलन में उसके योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने पीएम मोदी के भाषण को ऐतिहासिक और प्रेरणादायी बताया है। इसी क्रम में भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने भी मीडिया से बातचीत में प्रधानमंत्री के भाषण की सराहना करते हुए इसे 'ऐतिहासिक दस्तावेज' करार दिया, जो आने वाली पीढ़ियों को मार्गदर्शन और प्रेरणा देगा। अन-ुराग ठाकुर ने कहा, वंदे मातरम करोड़ों भारतीयों के लिए ऊर्जा है, लेकिन कुछ लोगों के लिए एलर्जी बन गया है।

उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि आज की चर्चा ने साफ कर दिया कि वंदे मातरम को लेकर कौन इसके पक्ष में खड़ा है और कौन इसके खिलाफ दिखाई देता है।

अनुराग ठाकुर ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अखिलेश यादव कह रहे थे कि उन्हें वंदे मातरम याद हो या न हो, लेकिन उसका संदेश याद है। इस पर उन्होंने टिप्पणी की, जब आप बच्चों से कहते हैं कि वे कोई भी गाना सुन सकते हैं, तो राष्ट्रीय गीत और फिल्मी गाने के महत्व में जमीन-आसमान का फर्क होता है। अखिलेश, कृपया थोड़ा जाग जाइए।

नौकरी देने वालों को चेतावनीरोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ योगी सरकार सख्त

लखनऊ,08 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों से अपील करते हुए कहा कि वे किसी भी व्यक्ति को घर या व्यवसाय से जुड़े कामों के लिए नियुक्त करने से पहले उसकी पूरी पहचान और पृष्ठभूमि की जांच अवश्य करें. यह अपील ऐसे समय में की गई है जब राज्य सरकार रोहिंग्या और बांग्लादेश से आए कथित अवैध घुसपैठियों के खिलाफ एक बड़े अभियान को गति दे रही है।

सीएम योगी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि सुरक्षा, सामाजिक सौहार्द और मजबूत कानून-व्यवस्था सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताएं हैं. उन्होंने बताया कि प्रशासन द्वारा अवैध रूप से रह रहे लोगों पर कई निर्णायक कदम उठाए जा चुके हैं, और यह प्रक्रिया आगे भी जारी रहेगी. उन्होंने नागरिकों से सजग रहने तथा किसी को भी नौकरी देने से पहले उसकी सही पहचान की पुष्टि करने की अपील की।

सुरक्षा है समृद्धि की नींव

मुख्यमंत्री ने जनता को आगाह करते हुए कहा कि राज्य की सुरक्षा केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के हर व्यक्ति की साझा जिम्मेदारी है. उन्होंने यह भी जोड़ा कि सुरक्षा ही समृद्धि की नींव है, इसलिए प्रत्येक नागरिक को सतर्क रहना चाहिए और संदिग्ध गतिविधियों की रिपोर्ट तुरंत प्रशासन को देनी चाहिए।

सीएम योगी ने जोर दिया कि उत्तर प्रदेश की सामाजिक संरचना और सामुदायिक संतुलन को सुरक्षित रखना अत्यंत महत्वपूर्ण है. उन्होंने आश्वासन दिया कि अवैध घुसपैठियों के खिलाफ कार्रवाई तेज गति से जारी रहेगी

और किसी भी तरह की असामाजिक गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

वाराणसी में अवैध प्रवासियों के खिलाफ विशेष अभियान

इसी बीच, वाराणसी पुलिस कमिश्नरेट ने जिले में रह रहे बांग्लादेशी, रोहिंग्या और अन्य अवैध प्रवासियों के खिलाफ एक सप्ताह का विशेष सत्यापन अभियान शुरू कर दिया है. अधिकारियों के अनुसार, यह अभियान शनिवार से प्रारंभ हुआ है और इसका उद्देश्य जिले में अवैध रूप से रह रहे लोगों की पहचान करना और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करना है.

काशी क्षेत्र के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) गौरव बंसवाल ने बताया कि पुलिस टीमें उन क्षेत्रों में तैनात की गई हैं, जहाँ अस्थायी बस्तियां, झुग्गी-झोपड़ियां या फुटपाथ पर दुकानें लगाने वाले लोग रहते हैं. इन टीमों को यह दायित्व सौंपा गया है कि वे बिना वैध दस्तावेजों के रह रहे लोगों की पहचान कर उनकी जानकारी दर्ज करें।

सघन जांच और कड़ी कार्रवाई की तैयारी

डीसीपी बंसवाल ने बताया कि सात दिवसीय इस सत्यापन अभियान के दौरान पुलिस झोपड़ियों, सड़क किनारे ठेलों और अस्थायी ठिकानों की सूक्ष्म जांच कर रही है. अवैध प्रवासियों की पुष्टि होने पर उनके खिलाफ सख्त और प्रभावी कानूनी कदम उठाए जाएंगे.

वाराणसी के प्रत्येक थाना क्षेत्र में थाना प्रभारियों ने विशेष टीमों का गठन कर दिया है. गोमती ज़ोन के अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त वैभव बांगर ने कोइराजपुर इलाके में सघन जांच अभियान की निगरानी की, जहाँ टीमों ने लोगों की पहचान, पृष्ठभूमि और दस्तावेजों की बारीकी से जांच की।

अधिकारियों ने बताया कि सत्यापन के दौरान मिले प्रत्येक व्यक्ति की तस्वीर, व्यक्तिगत जानकारी और अन्य आवश्यक विवरण निर्धारित फॉर्म में दर्ज किए जा रहे हैं. इससे आगे की कानूनी प्रक्रिया और निगरानी आसान होगी।

पूरे जिले में सख्ती, पुलिस सतर्क

गोमती क्षेत्र के बड़ागांव थाना क्षेत्र सहित अन्य इकाइयों ने भी इस अभियान को पूरी गंभीरता के साथ लागू किया है. वाराणसी पुलिस कमिश्नरेट के सभी थाना क्षेत्रों में यह अभियान योजनाबद्ध ढंग से चलाया जा रहा है ताकि किसी भी अवैध प्रवासी को नजरअंदाज न होने दिया जाए. प्रशासन का मानना है कि यह पहल राज्य की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करेगी तथा जनसुरक्षा सुनिश्चित करने में बड़ी भूमिका निभाएगी।

दिल्ली-एनसीआर में दमघोंटू हवा:

दिसंबर की शुरुआत से एक्यूआई 'बेहद गंभीर' अस्पतालों में बढ़ रही मरीजों की संख्या

नोएडा ,08 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता लगातार खतरे के निशान से ऊपर बनी हुई है। दिसंबर की पहली तारीख से लेकर अब तक हवा की गुणवत्ता अति गंभीर श्रेणी में दर्ज की जा रही है। राजधानी दिल्ली के ज्यादातर मॉनिटरिंग स्टेशनों पर एक्यूआई 320 से 370 के बीच रिकॉर्ड हुआ है, वहीं नोएडा और गाजियाबाद के कई क्षेत्रों में भी हालात बेहद खराब बने हुए हैं। जहरीली हवा के कारण अस्पतालों में सांस से जुड़ी बीमारियों, दमा, एलर्जी और आंखों में जलन की शिकायतों वाले मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। दिल्ली की स्थिति-लगभग हर जगह 'लाल' दिखाई दे रही है।

दिल्ली के प्रमुख एक्यूआई स्टेशनों से मिले आंकड़े बेहद चिंताजनक हैं। जिनमें आनंद विहार - 354, अशोक विहार - 337, बवाना - 367, बुराड़ी क्रॉसिंग - 327, चांदनी चौक - 321, सीआरअ-रआई, मथुरा रोड - 301, डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज - 330, डीटीयू- 343, द्वारका सेक्टर-8 - 326, नेहरू नगर - 350, पटपड़गंज - 340, पंजाबी बाग - 334, पूसा - 353 और आरके पुरम - 334 पर दर्ज किया गया है। लगभग सभी स्टेशन गंभीर और अति गंभीर श्रेणी में मेंटेन हैं, जिससे साफ है कि हवा में प्रदूषक कणों की मात्रा खतरनाक स्तर पर पहुंच चुकी है। गाजियाबाद में भी हालात खराब हैं। इंदिरापुरम में 283, लोनी - 382, संजय नगर - 329 और वसुंधरा में एक्यूआई - 307 दर्ज किया गया है। लोनी में गुणवत्ता सबसे खराब दर्ज की गई है, जहां एक्यूआई 380 के पार है।

नोएडा में भी 1 दिसंबर से लेकर 7 दिसंबर तक पीएम 2.5 के स्तर लगातार 'लाल' श्रेणी में रहे। जिनमें 1 दिसंबर - 321, 2 दिसंबर - 393, 3 दिसंबर - 365, 4 दिसंबर - 308, 5 दिसंबर - 339, 6 दिसंबर - 344 और 7 दिसंबर को एक्यूआई- 317 दर्ज किया गया है। नोएडा में आज दर्ज किया गया एक्यूआई सेक्टर-125 - 348, सेक्टर-62 - 300, सेक्टर-1 - 345, सेक्टर-116 में - 345 दर्ज किया गया है।

मौसम विभाग की चेतावनी के मुताबिक अभी राहत मिलने के आसार नजर नहीं आ रहे हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, मौजूदा स्तर की हवा दमा के मरीजों के लिए अत्यंत खतरनाक है। बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और बच्चों के लिए जोखिमपूर्ण है और लंबे समय तक एक्सप-ोजर पर फेफड़ों में संक्रमण और सांस की गंभीर दिक्कत पैदा कर सकती है।

राजद-कांग्रेस और सपा घुसपैठियों को वोट बैंक मानते हैं : केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ, 08 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद), कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) पर मुस्लिम तुष्टीकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि यह राजनीतिक दल घुसपैठियों को अपना वोट बैंक मानते हैं। लखनऊ में आईएएनएस से बातचीत के दौरान डिप्टी सीएम ने कहा कि चाहे समाजवादी पार्टी हो, कांग्रेस हो, राष्ट्रीय जनता दल हो, या टीएमसी हो-ये सभी घुसपैठियों को अपना वोट बैंक मानते हैं और मुस्लिम तुष्टीकरण की राजनीति करते हैं। हम घुसपैठियों को वोट बैंक नहीं मानते हैं, और न ही तुष्टीकरण की राजनीति करते हैं।घुसपैठ का आगे जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि देशभर में घुसपैठियों के खिलाफ भारत छोड़ो अभियान चल रहा है। मुझे पूरा भरोसा है कि भेष बदलकर रहने वाले घुसपैठिए जल्द ही देश से बाहर किए जाएंगे। तेजी से घुसपैठियों को चिन्हित करने का काम किया जा रहा है; वह दिन दूर नहीं जब सभी घुसपैठियों को भारत से खदेड़ दिया जाएगा।सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के बाद अवैध घुसपैठियों के खिलाफ हो रही कार्रवाई पर उन्होंने कहा कि यह बहुत अच्छा कदम है। भारत घुसपैठियों के लिए कोई शेल्टर होम नहीं है, और न ही उत्तर प्रदेश। घुसपैठियों को भारत से बाहर भेजा जाना चाहिए। उनकी जांच होनी चाहिए।डिप्टी सीएम ने देश और प्रदेश की जनता से अपील करते हुए कहा कि मैं समाज से अपील करता हूं कि अगर किसी को किसी घुसपैठिए के कहीं छिपे होने की जानकारी है, तो वे पुलिस या प्रशासन को बताएं।

प्रयागराज समेत कई जिलो में शीतलहर का प्रकोप तेज, तापमान में लगातार गिरावट

लखनऊ,08 दिसंबर (एजेंसियां)। दिसंबर महीने की शुरुआत में सर्द हवाओं ने ठंड बढ़ा दी है। उत्तर प्रदेश के कई जिले शीतलहर की चपेट में आए, जिससे तापमान में गिरावट देखी गई। खासकर पूर्वी और मध्य उत्तर प्रदेश में सर्दी का सितम देखा जाने लगा है। लोग गर्म कपड़ों और आग के जरिए ठंड से बचने की कोशिश कर रहे हैं। ठंड की लहर प्रयागराज में भी दस्तक दे चुकी है। एक स्थानीय लोगों ने आईएएनएस से बातचीत में कहा कि पहाड़ों से चली शीतलहर के कारण यहां ठंड बढ़ गई है। हम पहले टहलने जाते थे लेकिन ठंड बढ़ने के कारण टहलने नहीं गए। एक व्यक्ति ने कहा कि पिछले दो-तीन दिन में ठंड अधिक बढ़ी है, जिसके कारण सुबह बहुत कम लोग घर से बाहर निकल पाते हैं। आने वाले दिनों में यह ठंड और बढ़नी है, ऐसे में बचाव करना जरूरी है।

मौसम विभाग के अनुसार, सोमवार सुबह साढ़े 9 बजे

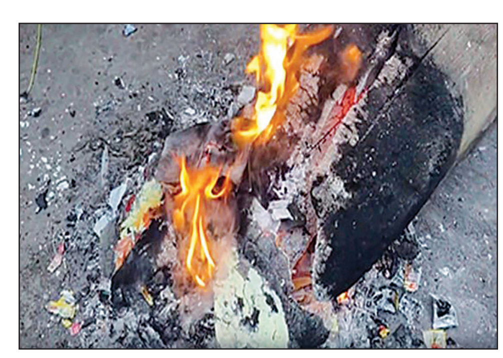

तक प्रयागराज में 13.4 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा। लगभग दो किलोमीटर प्रति घंटा से ठंडी हवाएं चली हैं। प्रयागराज के अलावा, बहराइच में तापमान 12.2 डिग्री सेल्सियस, लखनऊ में तापमान 16 डिग्री सेल्सियस, गोरखपुर में 14.4 डिग्री सेल्सियस, बरेली में 14 डिग्री सेल्सियस और झांसी में 14.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।आने वाले दिनों में तापमान में और गिरावट की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, पूर्वी उत्तर प्रदेश संभाग में मौसम शुष्क रहने और सुबह के समय कहीं-कहीं कम से मध्यम कोहरा छाने की संभावना है। मौसम विभाग ने अगले तीन दिन इसी तरह का मौसम रहने का अनुमान लगाया है।

पिछले 24 घंटों के दौरान उत्तर प्रदेश के दोनों मौसम संभागों में मौसम शुष्क रहा। उत्तर प्रदेश के दोनों मौसम संभागों में कहीं-कहीं हल्का कोहरा देखा गया। प्राप्त आंकड़ों में प्रदेश में न्यूनतम दृश्यता 600 मीटर कई जगहों पर दर्ज की गई। शनिवार को राज्य में सबसे कम न्यूनतम तापमान 5.5 डिग्री सेल्सियस अयोध्या में दर्ज किया गया। हालांकि, राज्य में सबसे अधिक तापमान 27.6 डिग्री सेल्सियस कानपुर में रहा।

अयोध्या में एसआईआर प्रक्रिया में तेजी, 98.50 प्रतिशत काम पूरा

अयोध्या/गाजीपुर, 08 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में एसआईआर प्रक्रिया को समय-सीमा के भीतर पूरा करने के लिए जिला प्रशासन तेजी से काम कर रहा है। अयोध्या और गाजीपुर दोनों जिलों में अधिकारियों ने दावा किया कि एसआईआर से संबंधित अधिकांश कार्य अंतिम चरण में है और तय तारीख से पहले ही प्रक्रिया पूरी होने की उम्मीद है। अयोध्या के जिलाधिकारी निखिल टिकाराम फुंडे ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत करते हुए कहा कि जिले में एसआईआर का 98.50 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। बीएलओ (बूथ लेवल अधिकारी) लगातार अपने-अपने क्षेत्रों में जाकर एसआईआर से जुड़े फॉर्म भर रहे हैं और मतदाता सूचियों का सत्यापन कर रहे हैं। डीएम ने बताया कि जहां-जहां वोटरों की सूची तैयार की गई है, वहां बीएलओ के साथ बैठक कर डाटा साझा किया जा रहा है। उन्होंने भरोसा जताया कि 12 दिसंबर की निर्धारित समय-सीमा तक

यह कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा। वहीं, गाजीपुर जिले में भी प्रशासन एसआईआर कार्य को तेजी से निपटाने में जुटा है। एसडीएम रविश गुप्ता ने बताया कि सदर तहसील में लगभग 81 प्रतिशत एसआईआर का काम पूरा हो चुका है। अब तक 81.19 प्रतिशत डेटा डिजिटाइज्ड हो चुका है, जबकि 98.98 प्रतिशत फॉर्म बीएलओ के पास जमा कर लिए गए हैं।

एसडीएम ने जिले के लोगों से अपील की है कि वे समय रहते अपने एसआईआर फॉर्म बीएलओ को सौंप दें ताकि प्रक्रिया जल्द से जल्द पूरी की जा सके। उन्होंने कहा कि प्रशासन लगातार बैठकों और अभियान के जरिए आमजन को जागरूक कर रहा है।

इसी बीच इकबाल अंसारी ने भी एसआईआर प्रक्रिया का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि यह एक सराहनीय कदम है, जिससे फर्जी वोटिंग पर रोक लग सकेगी। पहले लोग दो या तीन स्थानों पर आईडी बनवाकर मतदान करते थे, लेकिन एसआईआर के बाद यह प्रथा समाप्त हो जाएगी।

उन्होंने कहा, यह भारतीय नागरिक होने की दृष्टि से बेहद आवश्यक कदम है। अब लोग देश के किसी भी हिस्से में क्यों न रहते हों, उनका वोट केवल एक ही रहेगा। सरकार की यह पहल स्वागत योग्य है।

टीकरी में ग्राम सभा की जमीन पर अवैध कब्जाग्रामीणों ने तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

टीकरी, 08 दिसंबर (एजेंसियां)। टीकरी में ग्राम सभा की लगभग आधा बीघा जमीन पर गांव के ही कुछ दबंगों द्वारा अवैध रूप से कब्जा किए जाने को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। इसी संबंध में ग्रामीणों ने जमीन पर कब्जा करने की शिकायत का पत्र डीएम के नाम तहसीलदार को सौंपा है।गांव टीकरी के ग्रामीणों ने डीएम के नाम ज्ञापन तहसीलदार टूंडला राखी शर्मा को सौंपा। इस दौरान टीकरी गांव के ग्रामीण महिला और पुरुष तहसील टूंडला पहुंचे और आरोप लगाया कि ग्राम सभा की लगभग आधा बीघा जमीन पर मुन्नालाल यादव पुत्र केरन सिंह यादव पिछले लगभग एक वर्ष से अवैध रूप से पशु बांधकर कब्जा करने का प्रयास कर रहा है। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि ग्राम प्रधान हेमलता और प्रधान प्रतिनिधि मानवेंद्र उर्फ सानू, मुन्नालाल का सहयोग कर रहे हैं।

अखिलेश सरकार में लूट, हत्या, बलात्कार और भ्रष्टाचार का था बोलबाला- डिप्टी सीएम बृजेश पाठक

लखनऊ, 08 दिसंबर (एजेंसियां)। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री के घर शोक संवेदना व्यक्त करने पहुंचे यूपी सरकार के डिप्टी सीएम एवं स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक ने कोडीन कफ सिरप मामले पर कहा कि कफ सिरप प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच चल रही है, और जो भी दोषी होगा उसे बख्शा नहीं जाएगा।

वन डिस्ट्रिक्ट वन माफिया के सवाल पर जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि यदि आप अखिलेश यादव के कार्यकाल की तुलना योगी सरकार से करेंगे तो पाएंगे कि अखिलेश सरकार में हत्या, लूट, बलात्कार, कब्जा और टेंडर लूट के मामले अधिक थे, जबकि योगी सरकार में क़ानून-व्यवस्था बेहतर दिखाई देती है।

एसआईआर को लेकर डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने बताया कि बिहार में करीब 65 लाख वोटों को एसआईआर में काट दिया गया। इन 65 लाख लोगों में किसी ने कोई शिकायत नहीं की। विपक्ष इसलिए हताश है कि 65 लाख वोट कटने के बाद बिहार विधानसभा चुनाव में विपक्ष को करारी शिकस्त मिली।

लोकतंत्र की शुचिता के लिए एसआईआर बहुत ज़रूरी है, क्योंकि मृतकों, बच्चों और घुसपैठियों के नामों को हटाया गया है। जैसे मन की शुचिता के लिए योग आवश्यक है, वैसे ही लोकतंत्र की शुचिता के लिए एसआईआर आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि बीजेपी वर्ष 2027 में 2017 का इतिहास दोहराने जा रही है और प्रचंड बहुमत से लगभग 315 सीटों के साथ सरकार बनाएगी।

कफ सिरप मामले में यूपी में अब तक कितने मासूमों की मौत हुई यह पूछे जाने पर उन्होंने कोई संख्या नहीं बताई और कहा कि जांच चल रही है, तथा दोषियों के विरुद्ध सख़्त कार्रवाई की जाएगी।

विपक्ष के हमलावर रुख पर उन्होंने कहा कि विपक्ष कहाँ हमलावर है, यह तो दिखाइए। विपक्ष अपने ही परिवारवाद में उलझा हुआ है। उन्होंने पत्रकारों से उल्टा सवाल किया सपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, मंत्री, सांसद, विधायक सभी एक ही जाति और एक ही परिवार के लोग हैं।

हम खामियों पर चर्चा कर उसे सुधारते हैं : मंत्री श्रवण कुमार

लखनऊ, 08 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार सरकार में मंत्री श्रवण कुमार ने शुक्रवार को बताया कि जनता दल यूनाइटेड की तरफ से हर महीने उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में बैठक का आयोजन किया जाता है, जिसमें सभी नेता शामिल होते हैं। इसी को देखते हुए वे भी बैठक में शामिल हुए। उन्होंने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में बताया कि इस बैठक में मूल रूप से जदयू संगठन के विस्तार और बिहार विधानसभा चुनाव के परिणामों पर विस्तार से चर्चा की जा रही है। बैठक में यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि कहीं चुनाव के दौरान किसी प्रकार की खामी तो नहीं रह गई। अगर चुनाव में किसी भी प्रकार की खामी रह गई है, तो उसे पुन: दूर करने का प्रयास किया गया। उन्होंने कहा कि हमें यहां पर एक बात समझनी होगी कि संगठन बनाना और चुनाव लड़ना, दोनों अलग-अलग बिंदु हैं। कई बार हम इन दोनों बिंदुओं के अंतर को समझ नहीं पाते हैं। हम मौजूदा समय में अपने संगठन को विस्तार देने में जुटे हैं। इस दिशा में हमने पूरी रूपरेखा तैयार कर ली है, जिसके आधार पर हम काम कर रहे हैं। हम संगठन से नए-नए लोगों को जोड़ने का प्रयास कर रहे हैं, ताकि हमारी पार्टी का विस्तार हो सके। साथ ही, अन्य राज्यों में भी पार्टी के विस्तार को बढ़ा रहे हैं। इसके लिए हम उन राज्यों के पार्टी प्रभारी से संवाद स्थापित कर रहे

हैं।मंत्री श्रवण कुमार ने विपक्षी दलों पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि आज की तारीख में विपक्षी दलों को देश की जनता खारिज कर चुकी है। देश की जनता अब इन्हें किसी भी कीमत पर स्वीकार करने वाली नहीं है। लेकिन, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि ये लोग इन बातों को समझ नहीं पा रहे हैं। जब कभी विपक्षी दलों को किसी राज्य में जीत मिलती है, तो ये लोग ईवीएम पर किसी भी प्रकार का सवाल नहीं उठाते हैं, लेकिन जब चुनाव हार जाते हैं, तो ईवीएम पर सवाल उठाने लगते हैं। कहते हैं कि ईवीएम में गड़बड़ी है। मैं ऐसे लोगों से पूछना चाहूंगा कि जब झारखंड और कर्नाटक जैसे राज्यों में विपक्षी दलों को जीत मिली थी, तब क्या हुआ था, तब आप लोगों ईवीएम में कोई गड़बड़ी नहीं दिखी थी? इससे यह साफ जाहिर होता है कि ये लोग सिर्फ राजनीतिक लाभ अर्जित करने के मकसद से यह सब प्रपंच कर रहे हैं, जिसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि ये लोग अब राजनीतिक फायदा अर्जित करने के मकसद से मतदाता सूची पुनरीक्षण पर सवाल उठा रहे हैं, जो कि अनुचित है। मतदाता सूची पुनरीक्षण के तहत फर्जी मतदाताओं का नाम चिन्हित किया जा रहा है। इसके बावजूद भी ये लोग इसका विरोध कर रहे हैं। ऐसे लोगों से मेरा सीधा सा सवाल है कि आखिर यह क्या चाहते हैं। क्या ये उन लोगों का भी नाम मतदाता सूची में दर्ज रहना देना चाहते हैं, जिनकी मृत्यु आज से दस साल पहले हो चुकी थी। जिन लोगों ने एक से अधिक जगहों पर मतदाता पत्र बना रखा है। ऐसे लोगों को चिन्हित करके उनके नाम काटे जा रहे हैं, ताकि लोकतांत्रिक व्यवस्था सुचारू रहे। इसमें किसी भी प्रकार की विसंगति पैदा नहीं हो।वहीं, पश्चिम बंगाल में टीएमसी के निलंबित विधायक की तरफ से मस्जिद के मुद्दे का जिक्र किए जाने पर मंत्री ने पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि जब कभी-भी चुनाव आता है, तो ये लोग राजनीतिक लाभ अर्जित करने के मकसद से इस तरह के मुद्दे को उठाते हैं, ताकि राजनीतिक स्थिति को अपने पक्ष में कर सके।

यूपी में कटेंगे मतदाता सूची से तीन करोड़ नाम !

एसआईआर रिपोर्ट में खुलासा, जनवरी में आएगी अपडेट वोटर लिस्ट

लखनऊ 8 दिसंबर। मतदाता सूची को अपडेट करने की प्रक्रिया तेज़ी से चल रही है। विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान अब अनुमान आ रहा है कि यूपी की मतदाता सूची से तीन करोड़ से अधिक नाम हटाए जा सकते हैं।जिलों की रिपोर्टों के अनुसार बड़ी संख्या में ऐसे मतदाता चिन्हित हुए हैं जो अनुपस्थित, स्थानांतरित, पहले से कहीं और दर्ज, या मृतक यानि एएसडी श्रेणी के अंतर्गत आते हैं।27 अक्टूबर 2025 की आधिकारिक रिपोर्ट के अनुसार यूपी में 1,54,430,092 मतदाता दर्ज हैं। इसके बाद चुनाव आयोग ने एसआईआर के तहत मतदाता सूची की बड़ी सफाई शुरू की है। अभियान में 11 दिसंबर तक गणना फॉर्म भरकर जमा किए जा सकते हैं। इसी अवधि में सभी जिलों में मृतकों, अनुपस्थित मतदाताओं, दूसरे स्थान पर पंजीकृत और घर बदल चुके लोगों की पहचान की जा रही है।चुनाव आयोग की जानकारी के अनुसार, औरैया, आजमगढ़ और एटा जैसे जिलों ने एसआईआर का शत-प्रतिशत काम पूरा कर लिया है। एटा जिला, जिसकी मतदाताओं की संख्या 13,11,967 है, वहाँ 18 प्रतिशत मतदाता एएसडी कैटेगरी में पाए गए हैं।एसआईआर से जुड़े अधिकारियों के अनुसार, अभी तक की प्रविष्टियों और जिलों से मिली रिपोर्टों का विश्लेषण बताता है कि पूरे प्रदेश में लगभग 6 फीसदी अनुपस्थित, 10 फीसदी स्थानांतरित शिफ्टेड और 4 फीसदी मृतक मतदाताओं के नाम हटाए जाएंगे। इन आँकड़ों को प्रदेश की मतदाता संख्या पर लागू किया जाए तो यह संख्या तीन करोड़ से अधिक बैठती है। इस तरह मतदाता सूची में लंबे समय से मौजूद त्रुटियों को बड़े पैमाने पर ठीक किया जा रहा है। वोटर संख्या बढ़ने के पीछे कई कारण हैं।तेज़ी से बढ़ता शहरीकरण और माइग्रेशन- बड़ी संख्या में लोग नौकरी, शिक्षा और व्यवसाय के लिए लगातार जिले बदल रहे हैं। पुरानी सूचियों का वर्षों से अद्यतन न होना है।कई नाम लंबे समय से सूची में बने रह गए थे, जबकि व्यक्ति अब वहाँ रहते ही नहीं।

सिर्फ एक योगासन और पाएं पूरी बॉडी के फैट से निजात

आज हर दूसरा व्यक्ति मोटापा से परेशान है। इसका मुख्य कारण खराब दिनचर्या, खानपान का ध्यान न रखना, जंक फूड आदि। वजन बढ़ जाने के कारण न जाने कितनी एक्सरसाइज, डाइटिंग बगैरह करते है। जिससे कि इस मोटापा से निजात मिल जाएं। अगर आप भी मोटापा से परेशान है, तो हम अपनी खबर में ऐसे योग के बारें में बताएंगे। जिसे करने से आप शरीर की एक्स्ट्रा चर्बी से निजात पा सकते है। इस योगासन का नाम है वशिष्ठासन। इस आसन को करने के लिए आपकी बॉडी में काफी ताकत और लचीलापन होना चाहिए। इस आसन से आप अपनी हिप्स, थाइज, हाथ, कंधो और शरीर के बीच के हिस्सों का फैट कम करता है। साथ ही इस आसन को करने से बैलेंस और एकाग्रता भी बढ़ती है। ऐसे करें इस आसन को।

- सबसे पहले जमीन पर मैट डालकर पेट के बल सीधा लेट जाएं।
- चेहरे के बगल में अपनी हलेथियां रख दें। अब अपने दोनों पैरों को मोड़ लें इस तरह कि आपके पैर कि उंगलियां ऊपर की तरफ हों।
- अब हाथ को जमीन से ऊपर उठाएं और हिप्स को भी उठाने की कोशिश करें। इस तरह आप अधो मुखासन में आ जाएंगे।
- इसके बाद सांस अंदर लें, धड़ को नीचे की तरफ रखें। आपके कंधे और चेस्ट आपके हाथ के ऊपर होने चाहिए।
- अब धीरे-धीरे अपना वज़न दाएं हाथ पर डालें।
- अब धड़ को तिरछा करें और दाएं हाथ को उठाएं, दाएं घुटने को मोड़ें और बाएं हाथ से दाएं हाथ के पैर का अंगुठा पकड़ें।

- अपने वज़न को दाएं हाथ पर ले आएं और बाएं पैर को ऊपर उठाएं।
- अब अपनी पीठ के बाएं हिस्से को नीचे लाएं और फिर प्लैंक पोजशिन में आ जाएं। अब इसे दूसरी तरफ से करें। इस आसन को करने से थोड़े दिनों में ही आप मोटापा से निजात पा सकते है।
- इस आसन को करने के साथ-साथ कुछ सावधानी भी बरतनी चाहिए। यह आसन सभी लोग नहीं कर सकते है। इसके साथ ही इन बातों का रखें ख्याल।
- अगर आपकी कलाई या कंधे में किसी तरह की चोट लगी है तो इस एक्सरसाइज को करने से बचें।
- प्रेगनेंसी और पीरियड्स के दौरान महिलाएं इस आसन को न करें।

पर्यटकों के लिए है बहुत कुछ
मंदिरों के राज्य ओड़िसा में

ओड़िशा में पर्यटकों के लिए बहुत कुछ है। जैसे- पारंपरिक चीजें, पुराने समय जैसा माहौल। यह ऐसा राज्य है जहां खूबसूरत समुद्री तट, झीलें, अभयारण्य, बेहतरीन स्मारक, मनमोहक हस्तकला, पारंपरिक त्योहार और मेले, स्वादिष्ट व्यंजन सब मिलकर पर्यटकों को अविस्मरणीय स्मृतियां देता है। पारंपरिक रूप से ओड़िशा भगवान जगन्नाथ की भूमि मानी जाती है। यहां असंख्य मंदिर हैं।

आप कालक्रम के अनुसार मंदिरों का विकास देख सकते हैं। यहां छठी शताब्दी के मंदिर से लेकर 13वीं शताब्दी तक के मंदिर हैं। यहां तक कि आधुनिक मंदिर भी देखे जा सकते हैं। ओड़िशा की राजधानी और मंदिरों का शहर है भुवनेश्वर। शानदार कोणार्क का सूर्य मंदिर और पुरी का जगन्नाथ मंदिर ओड़िसा का सुनहरा त्रिकोण बनाता है। 13वीं शताब्दी में बने कोणार्क के ये बेहतरीन स्मारक न सिर्फ विश्व विरासत हैं बल्कि वास्तुकला और मूर्तिशिल्प की बेजोड़ कारीगरी हैं।

यहां 480 किलोमीटर लम्बी तटरेखा एक तरफ पश्चिम बंगाल और आंध्र प्रदेश को भी छूती है। यहां के खूबसूरत और अनछुए समुद्री तट दर्शनीय हैं जैसे चांदीपुर, तलसारी, कोणार्क, रामचंडी, पुरी, गोपालपुर और पतीसोनापुर। एशिया की सबसे बड़ी झील चिलिका यही है। लगभग 1100 वर्ग किलोमीटर में फैली यह झील लाखों पक्षियों और ठंड में आने वाले प्रवासी पक्षियों का निवास भी है। यहां पर डॉलफिन को भी देखा जा सकता है।

ओड़िसा को प्रकृति का खजाना भी कहते हैं। यहां के लगभग 37 फीसद हिस्से में घना जंगल है। यहां दो राष्ट्रीय उद्यान सिमिलिपल और भितैरकनिका के अलावा 20 अभयारण्य भी हैं। सिमिलिपल में रॉयल बंगाल टाइगर और भितैरकनिका में मगरमच्छ (घड़ियाल) और माइग्रेटरी पक्षियों को देखा जा सकता है। भुवनेश्वर से सटा है नंदनकानन वन, जिसे जैविक पार्क कहते हैं जहां खत्म होते सफेद बाघ को बचाने की कोशिश की जा रही हैं।

ओड़िसा में त्योहार और मेले का आनंद लोग बेहद उत्साह से लेते हैं। पुरी की रथ यात्रा यहां के भव्य समारोहों में से एक है, जिसे देखने के लिए पूरे देश से पर्यटक और भक्त आते हैं। ओड़िसा में दूसरे त्योहार भी बड़े ही उल्लास के साथ मनाए जाते हैं। जैसे धनुयात्रा, चदक मेला, दुर्गा पूजा और लक्ष्मी पूजा। यहां का कोणार्क नृत्य, श्रीक्षेत्र उत्सव, तोशाली नेशनल क्राफ्ट मेला पर्यटकों को अपनी तरफ आकर्षित करता है। ओड़िसा का घुमरा नृत्य यहां के बेहतरीन लोक नृत्यों में से एक है।

यहां बेहतरीन ओडिशी नृत्य निराला है। यह यहां की वास्तुकला में भी देखने को मिलता है। यह नृत्य लगभग 2000 साल पुराना है और आज भी बेहरतीन नृत्यों में से एक है। लोक और आदिवासी नृत्य-संगीत ओड़िशा की शोभा बढ़ाते हैं। यहां की 62 जनजातियां पहाड़ी क्षेत्रों में रहती हैं। इन जनजातियों का रहन-सहन यहां के निवासियों में भी दिखाई देता है। हाल ही में ओड़िसा को भारत के नौंवे सबसे बड़े क्षेत्र वाले राज्य का दर्जा हासिल हुआ है। ओड़िशा सड़क, रेल, हवाई मार्ग यहां तक कि समुद्री यातायात से भी जुड़ा है। आप किसी भी मौसम में वहां जा सकते हैं। पूरी साल वहां का मौसम सुहावना रहता है।

विंटर में बच्चों के वार्डरोब को बनाएं स्टाइलिश

सर्दियां अपने चरम पर पहुंच रही हैं और आए दिन ठंडी हवाएं बच्चों की सेहत को नुकसान पहुंचा रही हैं। ऐसे में उनकी देखभाल करना काफी मुश्किल होता है। यहां हम आपको बता रहे हैं कि अपने 4 साल से 10 साल तक के बच्चे को क्या पहनाएं जिससे कि वह स्टाइलिश दिखे और ठंड से भी बचे

स्टार्स जैसी कैप

आमतौर पर बच्चों को कैप पहनना पसंद नहीं आता और पैरंट उनके पीछे-पीछे कैप लेकर दौड़ते रहते हैं। अगर आपको भी ऐसा करना पड़ता है तो इससे बचने के लिए अपने बच्चे के लिए उसके पसंदीदा स्टार जैसी कैप लाकर दें। आजकल फिल्म स्टार्स तमाम तरह की कलरफुल कैप लगाकर नजर आ रहे हैं। बच्चों को अगर कोई ऐक्टर-ऐक्ट्रेस पसंद है, तो उस तरह की कैप दिलाएं। इस तरह की कैप वह जरूर पहनना पसंद करेंगे।

सॉक्स भी कलरफुल हों

बाजार में चमड़े, कपड़े और अलग-अलग मटीरियल से बने काले और सफेद जूतों के अलावा नीले, पीले, लाल रंग जैसे कई आकर्षक रंगों में शूज और सॉक्स मौजूद हैं। बच्चों की पसंद को समझकर उस तरह के शूज और सॉक्स खरीदें ताकि उनके पैरों ठंड से सुरक्षा मिल सके।

हुड जैकेट्स

बच्चों को ढेर सारे कपड़े पहनना अच्छा नहीं लगता है। वह कम मगर स्टाइलिश कपड़े पहनना चाहते हैं। ऐसे में बच्चों के लिए हूडेड जैकेट के ऑप्शन पर जाया जा सकता है। ये जैकेट्स जहां बच्चों को अपने कूल लुक की वजह से खूब भाती हैं, तो वहीं ये उन्हें स्टाइलिश लुक भी देती हैं। हूडेड जैकेट्स का एक फायदा यह भी है कि अगर बच्चों को गर्मी लग रही है, तो वह इसकी चेन खोल सकते हैं और ठंड ज्यादा है तो इसकी कैप ठंड से बचाने में साथ देती है।

पसंदीदा कार्टून की ले हेल्प

अगर बच्चा स्टाइलिश कपड़े भी नहीं पहन रहा है, तो उसके लिए कार्टून करैक्टर वाले कपड़े लाएं। बच्चों को अक्सर रंग-बिरंगे और कार्टून वाले कपड़े पसंद आते हैं। मार्केट में आजकल इस तरह के कई कपड़े उपलब्ध हैं। अच्छा रहेगा अगर उनके फेवरिट कार्टून करैक्टर वाले कपड़े लाएं। फिर तो वह खुद आपसे जिद करके यह कपड़े पहनेंगे।

जींस लुक होता है उन्हें पसंद

जींस का कपड़ा थोड़ा सा मोटा होता है जिस वजह से वह ठंड से बच्चों का बचाव करती है। इसे पहनकर बच्चे स्टाइलिश भी फील करते हैं और इसलिए इस कपड़े को पहनकर उन्हें किसी तरह की दिक्कत नहीं होती है। इसके साथ अगर बच्चों को आप गर्म जूते और लेदर की जैकेट पहना देंगी, तो बच्चे लगेंगे सबसे स्मार्ट।

यह यूनिसेक्शुअल है

लैगिंग्स को आमतौर पर लड़कियों का कपड़ा माना जाता है। मगर ठंड में लड़के और लड़कियों दोनों के लिए लैगिंग्स मिलते हैं। यह लैगिंग्स काफी गरम, आरामदायक और फ्लेक्सिबल होते हैं। यह बच्चों के पैरों को गर्म रखते हैं और बच्चे बीमारी से दूर रहते हैं।

चाहते हैं बेहतर जीवनसाथी?
ऐसे करें चुनाव

बात चाहे लव मैरिज की हो या अरेंज मैरिज की, हर लड़की यही चाहती है कि उसे एक ऐसा जीवनसाथी मिले जो वास्तव में जीवनभर उसका साथ निभाए। उनका रिश्ता हमेशा फूलों की तरह महकता रहे और उसमें किसी प्रकार की परेशानियां या मतभेद पैदा न हों। लेकिन आमतौर पर ऐसा देखने को नहीं मिलता। बहुत से कपल्स तो शादी के तुरंत बाद ही छोटी-छोटी बातों पर लड़ने लगते हैं। अगर आप भी अपने लिए एक परफेक्ट पार्टनर ढूंढ रही हैं तो कुछ बातों का रखें ध्यान-

रिश्ते को दें तवज्जो

अगर आप किसी के साथ विवाह के बंधन में बंधने का फैसला ले रही हैं तो उससे पहले उस व्यक्ति का भी अपने रिश्ते में भरोसा व उसके प्रति सम्मान होना बेहद आवश्यक है। जब आप अपने भावी जीवनसाथी से बातचीत करें तो यह समझने की कोशिश करें कि वह अपने परिवार व वैवाहिक रिश्तों में तालमेल बिठा पाएगा या नहीं।

मुश्किलों से दूरी नहीं

आमतौर पर जब भी किसी कपल्स में मनमुटाव होता है तो वह सबसे पहले बातचीत करना बंद कर देते हैं। समस्या पर खुलकर बात करने व उसका एक हल निकालने की बजाय उसे यूं ही छोड़ देते हैं। इससे समस्या खत्म नहीं होती, बल्कि वास्तव में बढ़ती है। एक बेहतर पार्टनर वही होता है जो समस्या से दूर भागने की बजाय उसकी जड़ को समझकर उसका सही तरीके से हल निकाले।

छोटी-छोटी बातों पर ध्यान

जब कोई व्यक्ति अकेला होता है तो वह जीवन अपनी मर्जी से जीता है। लेकिन जब एक रिश्ता बनता है और उस रिश्ते में दो लोग होते हैं तो उसे बेहतर तरीके से निभाने के लिए दोनों को एक-दूसरे की छोटी-छोटी खुशियों, जरूरतों का ख्याल रखना होता है। मसलन, अगर आपको बेड पर तौलिया यूं ही छोड़ने की आदत है या फिर आप चीजों को इधर-उधर रख देते हैं लेकिन आपके पार्टनर को यह पसंद नहीं है। साथ ही इससे उन्हें दोगुनी मेहनत भी करनी पड़ती है तो उनकी खुशी के लिए आप कम से कम अपनी चीजों को सही जगह पर रखने की कोशिश करें। आपके छोटे-छोटे कदम रिश्ते के लिए मील का पत्थर साबित होंगे।

हिम्मत व समझदारी भी जरूरी

आपके पार्टनर का सिर्फ आपको प्यार करना ही काफी नहीं है, बल्कि रिश्ता जोड़ते समय आप यह भी अवश्य देखें कि वह वास्तव में कितना समझदार है। यह तो हम सभी जानते हैं कि जिंदगी एक धूप-छांव की तरह है, जिसमें उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। ऐसे में जब भी आपकी लाइफ में मुसीबतें आएंगी तो वह अपनी हिम्मत और समझदारी का परिचय देते हुए उन मुश्किलों से स्वयं को और आपको बाहर निकाल लाएगा। साथ ही यदि वह समझदार होगा तो आपको कोई भी गलत फैसला लेने से पहले ही रोक लेगा। इतना ही नहीं, वह आप दोनों के भविष्य के लिए बेहतर प्लानिंग भी करेगा।

गलतियों पर भी हंसे

कभी-कभी हम अपने पार्टनर को गुस्से में कुछ ऐसा बोल देते हैं जो वास्तव में हम नहीं कहना चाहते या फिर अनजाने ही पार्टनर का दिल दुखा देते हैं। ऐसी स्थिति में भी यदि आपका पार्टनर उस बात को हंसकर टाल देता है तो समझ लीजिए कि वह आपसे वास्तव में प्यार करता है। कभी-कभी ऐसा भी होता है कि आपके पार्टनर ने डिनर प्लॉन किया है और आपको ऑफिस में देर तक काम करने के लिए रूकना पड़ा है तो वह आप पर गुस्सा या नाराज होने की बजाय आपकी समस्या को समझे और आपसे लड़ने की बजाय आपसे आपकी व्यस्तता के बारे में पूछे। यह एक केयरिंग व सेसेंटिव पार्टनर की निशानी है।

संपादकीय

'इंडिगो' का बंधक देश

कैसा देश है यह? इसकी सरकार और व्यवस्था कैसी है? क्या एक विमानन कंपनी की मनमर्जी के सामने सरकार घुटने टेक सकती है और आम यात्री बंधक बनाया जा सकता है? विमानन कंपनी 'इंडिगो' की 800 से ज्यादा उड़ानें शनिवार को भी रद्द की गईं। प्रधानमंत्री दफ्तर ने कंपनी के सीईओ से बात की और चेतावनी दी। नागरिक विमानन मंत्रालय ने 'इंडिगो' के आला अधिकारियों के साथ बैठक की और नोटिस जारी किया कि रविवार, 7 दिसंबर, की रात 8 बजे तक प्रभावित यात्रियों को उनका किराया रिफंड सुनिश्चित किया जाए। हम देखेंगे कि इस अल्टीमेटम का क्या असर हुआ? संसदीय समिति भी गुस्से में थी। उसने मंत्रालय, डीजीसीए और 'इंडिगो' के अधिकारियों को तलब किया। क्या हुआ? ये तमाम सक्रियताएं तब सामने आईं, जब बीते 4 दिनों में 'इंडिगो' ने 2694 फ्लाइट रद्द की थीं, नतीजतन 4 लाख 83,600 से अधिक यात्री बेहाल, परेशान और हलकान हुए थे। यह कैसा तमाशा था? कोई हवाई अड्डे पर ही पसर गया, किसी को खाने-पीने का सामान नहीं मिला, किसी का सामान कहीं का कहीं चला गया। घोर अनिश्चितता, अराजकता...! फिर भी 'इंडिगो' को दंडित नहीं किया गया। आखिर क्यों? सरकार बेबस क्यों दिख रही है? लोकतंत्र में सरकार ही जवाबदेह है, क्योंकि देश ने उसे चुना है। 'इंडिगो' पर कम से कम 500 करोड़ रुपए का जुर्माना थोपना चाहिए था और वह राशि प्रभावित यात्रियों के खातों में जमा कराई जानी चाहिए थी। विमानन कंपनियां देश में मुनाफाखोरी के लिए ही नहीं हैं। वे हवाई सेवा प्रदान करने के लिए हैं और सरकार ने उन सेवाओं के किराए तय कर रखे हैं। यह कौन-सी कालाबाजारी है कि 'इंडिगो' की उड़ानें रद्द हुईं और अन्य एयरलाइंस ने कई गुना किराए बढ़ा दिए? कोई सरकार, मंत्रालय, अंकुश, कायदे-कानून इस देश में हैं अथवा नहीं? 'इंडिगो' ने 2024-25 में 7258 करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया है, तो इस देश के यात्रियों से ही कमाया है। फिर वही विमानन एयरलाइन देश के यात्रियों को ही 'बंधक' कैसे बना सकती है? ऐसी कंपनी को 'अभयदान' क्यों दिया जा रहा है? सरकार किससे डर रही है? जांच पर भरोसा कैसे किया जा सकता है? किसी के घर में शादी थी, किसी को इंटरव्यू देने जाना था, किसी की बिजनेस बैठक थी, किसी को वीजा लेने जाना था और किसी के घर में बूढ़े मां-बाप बीमार थे अथवा मातम पसर गया था, 'इंडिगो' की मनमर्जी ने सब कुछ खत्म कर दिया। सब कुछ बिखर गया। पैसा बर्बाद, लगातार आंसू, रुदन, आम यात्री और क्या कर सकता है? क्या एक एयरलाइन को इस हद तक 'खलनायक' बनने की छूट दी जा सकती है? विमानन के क्षेत्र में 'इंडिगो' की हिस्सेदारी 62 फीसदी से भी अधिक क्यों होने दी गई? सरकारी पार्टी को करोड़ों रुपए का चुनावी चंदा और बाजार पर एकाधिकार का लाइसेंस...! क्या देश में एयरलाइंस ऐसे ही काम करती रहेंगी? क्या यात्रियों को उड़ान भरने के सपने बेच कर और फिर बंधक बना कर देश 'विकसित' बन सकता है? ट्रिलियन डॉलर के मामले में भारत विकसित देश, बेशक, बन सकता है, लेकिन मानसिक, सामाजिक, सुविधा और पेशेवर दृष्टि से भारत 'अविकसित' देश ही रहेगा। चीन और अमरीका के उदाहरण सभी के सामने हैं। चीन की शीर्ष तीन विमानन कंपनियों की कुल हिस्सेदारी 60 फीसदी से कम है। अमरीका में शीर्ष 4 कंपनियों की हिस्सेदारी करीब 75 फीसदी है। किसी अकेली कंपनी की हिस्सेदारी 25 फीसदी को नहीं लांघती। विमानन की दृष्टि से ये देश, भारत की अपेक्षा, अधिक विकसित हैं। उनकी उड़ानों की संख्या भी अधिक है। 'इंडिगो' के सीईओ अब भी कह रहे हैं कि सामान्य उड़ानों के लिए कमोबेश 10 दिन चाहिए, लेकिन सरकार तुरंत सामान्य हालात का दबाव दे रहे हैं। दरअसल बुनियादी कारण पायलटों की भर्ती और अन्य नियम हैं, जो डीजीसीए ने जारी किए थे और 'इंडिगो' को पर्याप्त समय दिया गया था, लेकिन 'इंडिगो' ने नियम स्वीकार नहीं किए। डीजीसीए को अपना आदेश वापस लेना पड़ा। देश जानना चाहता है कि ऐसा क्यों किया गया? इसी सवाल में 'इंडिगो' की मनमर्जी छिपी है। दरअसल 'इंडिगो' का एकाधिकार तोडऩा चाहिए। यह विकसित देश की निशानी नहीं है। भारत को अमरीका और चीन से सीख लेते हुए इस कंपनी का एकाधिकार खत्म करना चाहिए और जिन यात्रियों को तकलीफ हुई है, उन्हें पर्याप्त मुआवजा दिलाना चाहिए। इस कंपनी पर आर्थिक दंड भी लगाया जा सकता है, क्योंकि यह कंपनी भारतीय यात्रियों से ही बड़ी कमाई करती है। इस मामले में सरकार को ठोस कार्रवाई करनी चाहिए।

विमानन कंपनी 'इंडिगो' की 800 से ज्यादा उड़ानें शनिवार को भी रद्द की गईं। प्रधानमंत्री दफ्तर ने कंपनी के सीईओ से बात की और चेतावनी दी। नागरिक विमानन मंत्रालय ने 'इंडिगो' के आला अधिकारियों के साथ बैठक की और नोटिस जारी किया कि रविवार, 7 दिसंबर, की रात 8 बजे तक प्रभावित यात्रियों को उनका किराया रिफंड सुनिश्चित किया जाए। हम देखेंगे कि इस अल्टीमेटम का क्या असर हुआ? संसदीय समिति भी गुस्से में थी। उसने मंत्रालय, डीजीसीए और 'इंडिगो' के अधिकारियों को तलब किया। क्या हुआ? ये तमाम सक्रियताएं तब सामने आईं, जब बीते 4 दिनों में 'इंडिगो' ने 2694 फ्लाइट रद्द की थीं, नतीजतन 4 लाख 83,600 से अधिक यात्री बेहाल, परेशान और हलकान हुए थे। यह कैसा तमाशा था? कोई हवाई अड्डे पर ही पसर गया, किसी को खाने-पीने का सामान नहीं मिला, किसी का सामान कहीं का कहीं चला गया। घोर अनिश्चितता, अराजकता...! फिर भी 'इंडिगो' को दंडित नहीं किया गया। आखिर क्यों? सरकार बेबस क्यों दिख रही है? लोकतंत्र में सरकार ही जवाबदेह है, क्योंकि देश ने उसे चुना है। 'इंडिगो' पर कम से कम 500 करोड़ रुपए का जुर्माना थोपना चाहिए था और वह राशि प्रभावित यात्रियों के खातों में जमा कराई जानी चाहिए थी। विमानन कंपनियां देश में मुनाफाखोरी के लिए ही नहीं हैं। वे हवाई सेवा प्रदान करने के लिए हैं और सरकार ने उन सेवाओं के किराए तय कर रखे हैं।

भारत और रूस के बीच व्यापारिक संबंधों की प्रकृति अब मूल्य, तकनीक और रणनीतिक नियंत्रण पर आधारित होती जा रही

बदलती दुनिया में भारत-रूस की अटल साझेदारी

योगेश कुमार गोयल

विश्व राजनीति की जटिलताओं और शक्ति-संतुलन के नए उभार के बीच कुछ संबंध ऐसे होते हैं, जो समय के साथ अपनी प्रासंगिकता को विस्तार देते हुए नई दिशाएं निर्धारित करते हैं। भारत और रूस का रिश्ता ऐसे ही संबंध का उदाहरण है, जो युद्धों, तकनीकी क्रांतियों, आर्थिक परिवर्तन और वैश्विक संरेखणों के अनेक चक्रों से गुजरते हुए भी ध्रुव तारे की तरह स्थिर बना रहा है। यह स्थिरता वैश्विक परिदृश्य में भारत की रणनीतिक स्वायत्तता, रूसी विश्वास और दोनों देशों के साझा हितों का परिणाम है। नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में 5 दिसंबर को आयोजित 23वें वार्षिक भारत-रूस शिखर सम्मेलन ने इस ऐतिहासिक स्थिरता को पुनर्पुष्ट करते हुए भविष्य की दिशा स्पष्ट कर दी। यह रिश्ता अब अतीत का बोझ नहीं, भविष्य की वैश्विक व्यवस्था के निर्माण में एक सक्रिय और आवश्यक घटक है। जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत-रूस संबंधों को 'ध्रुव तारे की तरह स्थिर' कहा तो वह केवल एक कूटनीतिक प्रशंसा वाक्य नहीं था। ध्रुव तारा दिशा दिखाने वाला स्थायी प्रकाश-स्रोत है और भारत-रूस संबंध भी आज वैश्विक दक्षिण की आकांक्षाओं, ऊर्जा-भू-राजनीति, उभरती तकनीकों, व्यापारिक विविधीकरण और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की दिशा तय करते प्रतीत होते हैं। इस शिखर वार्ता ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत और रूस के बीच संबंध राष्ट्रीय हित, परस्पर सम्मान और साझा दृष्टिकोण की दृढ़ बुनियाद पर टिके हैं। ऐसे समय में, जब वैश्विक राजनीति अमेरिका-चीन प्रतिद्वंद्विता, यूरोपीय सुरक्षा संकट, पश्चिमी प्रतिबंधों, नाटो विस्तार और यूक्रेन युद्ध के दबावों से आकंठ भरी हुई है, भारत और रूस का संबंध संतुलन, स्वायत्तता और दीर्घकालिक नीति-दृष्टि का मॉडल बनकर उभर रहा है। दोनों देशों ने 'भारत-रूस आर्थिक सहयोग कार्यक्रम 2030' नामक नए रोडमैप को मूर्त रूप दिया, जो व्यापार, ऊर्जा, उर्वरक, तकनीकी नवाचार, समुद्री अवसंरचना, श्रम गतिशीलता और रणनीतिक उद्योगों में साझेदारी को एक व्यापक और भविष्यनिष्ठ आधार प्रदान करता है। यह समझौता दो देशों के व्यापारिक हितों का विस्तार नहीं बल्कि मौजूदा वैश्विक परिदृश्य में डॉलर वर्चस्व को चुनौती देने वाली और बहुध्रुवीय आर्थिक संरचना को स्थापित करने वाली एक साहसिक पहल भी है। भारत और रूस के बीच व्यापारिक संबंधों की प्रकृति अब मूल्य, तकनीक और रणनीतिक नियंत्रण पर आधारित होती जा रही है। 2024 में दोनों देशों का व्यापार 64 अरब डॉलर तक पहुंच चुका था और अब 2030 तक इसे 100 अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। यह लक्ष्य उस नई आर्थिक संरचना की घोषणा है, जिसके तहत दोनों देशों के बीच 96 प्रतिशत भुगतान रुपये और रूबल में होने लगा है। इस तथ्य का अर्थ वैश्विक आर्थिक विमर्श में अत्यधिक दूरगामी है, जो न केवल डॉलर की निर्भरता को चुनौती देता है बल्कि वैश्विक व्यापार को एक ऐसी राह पर ले जाता है, जहां मुद्रा-स्वायत्तता, आर्थिक आत्मनिर्भरता और बहु-मुद्रा व्यापार व्यवस्था भविष्य का आधार बन सकती है। शिखर सम्मेलन में कृषि-उद्योग क्षेत्र में उर्वरक

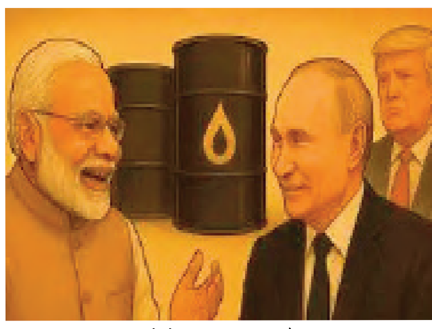

उत्पादन पर सहमति आने से भारत की खाद्य और कृषि सुरक्षा रणनीति को ऐतिहासिक मजबूती मिली है। आज जहां दुनिया संसाधन-संकट, कृषि लागत, उत्पादन सीमाएं और उर्वरक आपूर्ति से संबंधित अनिश्चितताओं का सामना कर रही है, वहीं भारत और रूस का संयुक्त यूरिया उत्पादन कार्यक्रम भारत को केवल खरीदार देश नहीं, वैश्विक कृषि-आपूर्ति श्रृंखला में सक्रिय उत्पादक राष्ट्र के रूप में स्थापित करेगा। यह भारत की आत्मनिर्भर कृषि नीति, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और खाद्य सुरक्षा के दीर्घकालिक ढांचे को सुदृढ़ करेगा। फार्मास्यूटिकल क्षेत्र में रूस में भारतीय तकनीक से फार्मा फैक्टरी की स्थापना स्वास्थ्य-क्षेत्र में भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा का संकेत है। भारत आज दुनिया के लिए 'फार्मेसी ऑफ द ग्लोब' बन चुका है। कोविड काल में दुनिया ने यह देखा कि दवा निर्माण केवल उद्योग नहीं बल्कि सामरिक शक्ति भी है। रूस में दवा निर्माण भारत को न केवल बाजार देगा बल्कि ऐसे समय में तकनीकी और कच्चे माल की आपूर्ति श्रृंखला का हिस्सा बनाएगा, जब पश्चिमी दवाईयों की आपूर्ति-राजनीति वैश्विक स्वास्थ्य प्रणाली पर नियंत्रण का उपकरण बन चुकी है। भारत-रूस संबंधों का सबसे ठोस और दीर्घकालिक आयाम ऊर्जा क्षेत्र है। रूस भारत का सबसे बड़ा ऊर्जा-आपूर्तिकर्ता बन चुका है और उसने विश्व के ऊर्जा-संकट के मध्य भारत को अबाध आपूर्ति देकर यह साबित किया कि यह संबंध परिस्थितियों से संचालित नहीं बल्कि विश्वास पर आधारित है। सम्मेलन में परमाणु ऊर्जा पर हुई चर्चा और कुडनकुलम प्लांट के विस्तार की पुनर्पुष्टि भारत की स्वच्छ और विश्वसनीय ऊर्जा रणनीति को एक नई दिशा देती है। रूस द्वारा छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर उपलब्ध कराने का प्रस्ताव उस परिवर्तन की पूर्वपीठिका है, जहां भारत विकेन्द्रीकृत ऊर्जा प्रणालियों के माध्यम से हर क्षेत्र को स्वच्छ ऊर्जा से जोड़ सकेगा। यह भारत के नेट-जीरो संकल्प की व्यवहारिक यात्रा का महत्वपूर्ण चरण है। क्रिटिकल मिनरल्स का मुद्दा आने वाली औद्योगिक क्रांति की रीढ़ है। एआई, इलैक्ट्रिक वाहन, एयरोस्पेस, बैटरी निर्माण और रोबोटिक्स, इन सभी उद्योगों का अस्तित्व लिथियम, निकेल, कोबाल्ट और रेयर-अर्थ मेटल्स पर निर्भर है। पश्चिमी देशों ने इन खनिजों पर एकाधिकारवादी नियंत्रण बनाने का प्रयास किया है जबकि भारत-रूस इस समीकरण को बदल रहे हैं। रूस के पास विशाल खनिज संसाधन हैं और भारत के पास विकासशील तकनीक, अनुसंधान क्षमता और उत्पादन की औद्योगिक शक्ति। दोनों का मिलन वैश्विक तकनीकी प्रतिस्पर्धा को नया आयाम प्रदान करेगा। भारत द्वारा रूसी नागरिकों के लिए 30 दिन तक मुफ्त ई-टूरिस्ट वीजा की घोषणा कूटनीति को लोगों की चेतना में स्थापित करती है। यह सांस्कृतिक जुड़ाव की पुनर्पुष्टि है, जिसमें बौद्ध परंपरा, योग, भारत-रूस सांस्कृतिक आकर्षण और ऐतिहासिक धारा की निरंतरता उपस्थित है। यह पहल वैश्विक सूचना-राजनीति के युग में 'नैरेटिव स्वायत्तता' के निर्माण की ओर भी संकेत करती है, जिसे रूस के 'आरटी इंडिया' ब्यूरो की स्थापना आगे बढ़ाएगी। इस शिखर वार्ता में यूक्रेन संकट पर भारत की स्थिति ने अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में भारत की नई भूमिका को स्पष्ट किया। भारत न तो किसी ध्रुव में समाहित है, न ही किसी वैश्विक सुरक्षा-प्रतिस्पर्धा का हिस्सा बल्कि वह शांतिवादी और वैचारिक नेतृत्व के नए मॉडल के रूप में उभरा है। ब्रिक्स, जी-20 और शंघाई सहयोग संगठन जैसे मंचों पर भारत और रूस का समन्वय बहुध्रुवीय व्यवस्था के निर्माण में निर्णायक भूमिका निभा रहा है। यह संबंध केवल सुरक्षा और सामरिक हितों से परे है, यह एक सभ्यतामूलक विमर्श है, जहां भारत और रूस अमेरिकी-यूरोपीय प्रभाव-क्षेत्र की एकध्रुवीयता को चुनौती देते हुए वैश्विक संतुलन स्थापित करने का प्रयास कर रहे हैं। रक्षा क्षेत्र में ब्रह्मोस मिसाइल, सुखोई विमान, एस-400 सिस्टम और नई तकनीकों पर साझेदारी यह स्पष्ट करती है कि दोनों देशों का सुरक्षा बंधन साझा रणनीतिक विश्वास का परिणाम है। पहलगाम और मॉस्को हमलों के संदर्भ में आतंकवाद विरोधी एकजुटता की घोषणा यह सिद्ध करती है कि भारत और रूस नए खतरों की प्रकृति को समझते हैं और समाधान तलाशने में भी एकमत हैं। इन सभी आयामों का संकलन बताता है कि भारत-रूस संबंध न तो बीते युग की स्मृति हैं, न ही समीपस्थ हितों की आकस्मिक आवश्यकता। यह रिश्ते का वह मॉडल है, जो विश्वास, समय, भू-राजनीति, तकनीकी क्षमता और साझा दृष्टि के संयोग से निर्मित हुआ है। यह केवल दो राष्ट्रों का गठजोड़ नहीं, दो सभ्यताओं का मार्गदर्शन है। ध्रुव तारे की उपमा इसीलिए सार्थक है क्योंकि ध्रुव तारा केवल चमकता नहीं, दिशा भी देता है। भारत और रूस का संबंध भी दिशा-निर्देशक है, नई विश्व व्यवस्था की दिशा तय करने वाला, वैश्विक दक्षिण की आकांक्षाओं को पहचान देने वाला और शक्ति-संतुलन को न्यायपूर्ण बनाने वाला। 2030 का रोडमैप इस संबंध को केवल नई मंजिल की ओर नहीं ले जाता बल्कि दुनिया को संकेत देता है कि भारत अब उस युग में प्रवेश कर रहा है, जहां वह ध्रुवों की संरचना में योगदान देने वाली शक्ति है।

भारत और रूस का रिश्ता ऐसे ही संबंध का उदाहरण है, जो युद्धों, तकनीकी क्रांतियों, आर्थिक परिवर्तन और वैश्विक संरेखणों के अनेक चक्रों से गुजरते हुए भी ध्रुव तारे की तरह स्थिर बना रहा है। यह स्थिरता वैश्विक परिदृश्य में भारत की रणनीतिक स्वायत्तता, रूसी विश्वास और दोनों देशों के साझा हितों का परिणाम है। नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में 5 दिसंबर को आयोजित 23वें वार्षिक भारत-रूस शिखर सम्मेलन ने इस ऐतिहासिक स्थिरता को पुनर्पुष्ट करते हुए भविष्य की दिशा स्पष्ट कर दी। यह रिश्ता अब अतीत का बोझ नहीं, भविष्य की वैश्विक व्यवस्था के निर्माण में एक सक्रिय और आवश्यक घटक है। जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत-रूस संबंधों को 'ध्रुव तारे की तरह स्थिर' कहा तो वह केवल एक कूटनीतिक प्रशंसा वाक्य नहीं था। ध्रुव तारा दिशा दिखाने वाला स्थायी प्रकाश-स्रोत है और भारत-रूस संबंध भी आज वैश्विक दक्षिण की आकांक्षाओं, ऊर्जा-भू-राजनीति, उभरती तकनीकों, व्यापारिक विविधीकरण और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की दिशा तय करते प्रतीत होते हैं।

कुछ अलग

लगन से कामयाबी

एक बार एक युवक ने आइंस्टीन से कहा, 'लोग आपको महान कहते हैं और आपकी पूरी दुनिया में प्रसिद्धि है। कृपा कर बताइए, महान बनने का मंत्र क्या है?' आइंस्टीन ने संक्षेप में कहा, 'लगन।' युवक ने पूछा, 'कैसे?' आइंस्टीन मुस्कुराए और बोले, 'गणित से मुझे बहुत भय लगता था। मैं अक्सर इस विषय में अनुत्तीर्ण हो जाता था और सहपाठी मेरा उपहास करते थे। एक दिन मैंने आत्ममंथन किया और लगन के साथ गणित के सवाल हल करने शुरू किए। धीरे-धीरे सभी सवाल सरल होने लगे और मेरा डर दूर हो गया। लगन का ही परिणाम है कि मेरे सिद्धांत आज भी दुनिया में उपयोग हो रहे हैं, और विज्ञान के क्षेत्र में मैंने सफलता प्राप्त की। इसलिए, लगन ही महानता का सबसे बड़ा मंत्र है।' यह सुनकर वह युवक आइंस्टीन का आभार व्यक्त कर वहां से चला गया।

देश दुनिया से

जटिल दस्तावेजी प्रक्रिया से मुक्त हो एसआईआर

ऐसा लगता है कि चुनाव आयोग जिस ढंग से मतदाता सूचियों के विशेष सघन पुनरीक्षण करवा रहा है, उसमें जरूरी नहीं सब कुछ ठीक हो। असल में, जैसा कि पश्चिम बंगाल से आई खबरों से पता चलता है, इससे आम लोगों के साथ-साथ बूथ लेवल ऑफिसर्स (बीएलओ) में भी बहुत तनाव और चिंता पैदा हो रही है। काम के अत्यधिक दबाव की वजह से चार बीएलओ द्वारा आत्महत्या कर लेना सच में चिंता की बात है, लेकिन यह भी उतना ही ज़रूरी है कि आम नागरिक या शांति से रहने वाले लोग इस बात को लेकर बहुत परेशान हैं कि उन्हें किस तरह के दस्तावेज़ दिखाने होंगे ताकि उनका नाम संशोधित सूची से कटने न पाए। जैसा कि विरोधी पार्टियां आरोप लगा रही हैं, इस डर से अब तक 40 लोगों की मौत हो चुकी है। क्या ऐसा है कि विशेष सघन पुनरीक्षण कानून के ज़रिए सरकार हमसे यह साबित करने के लिए कह रही है कि हम भारतीय हैं, हमारे माता-पिता भारतीय हैं, और हम गैर-कानूनी अप्रवासी नहीं हैं? और खासकर पश्चिम बंगाल जैसे सीमावर्ती राज्यों में, यह अभियान एक नया रूप धर चुका है। सोचिए यह मानसिक व्यग्रता कितनी संक्रामक है। हालांकि मैं दिल्ली में रहता हूं, फिर भी मैंने अपने सारे दस्तावेज़ सही क्रम से रखने शुरू कर दिए हैं: वो दस्तावेज जो यह साबित कर सकें कि मैं भारत में ही पैदा हुआ हूं, मेरे माता-पिता भारतीय थे, और मेरा नाम 2002 की वोटर लिस्ट में था। मेरे पिता एक सरकारी ऑफिसर थे। तीन दशक से ज़्यादा समय तक, मैंने एक सेंट्रल यूनिवर्सिटी में पढ़ाया। मुझे आज भी वह दिन याद है जब मैं आधार कार्ड बनवाने के लिए तमाम प्रमाणपत्रों से (जैसे कि अपने घर का पता, जन्म तिथि और पिता के नाम) संबंधित अधिकारियों को संतुष्ट करने के बाद अपना आधार कार्ड बनवाने के लिए लंबी पंक्ति में खड़ा हुआ था। मेरा पैन कार्ड और आधार लिंक हैं। मैं नियमित रूप से आयकर भरता हूं। मेरे पास मेरा पासपोर्ट है। फिर भी, मैं गहरी चिंता से मुक्त नहीं हूं। कौन जानता है कि कल को सरकार मुझसे भी कह दे कि ये दस्तावेज़ काफी नहीं हैं? कल्पना कीजिये आधार की नियति के बारे में। यह हर जगह जरूरी है - बैंकों में, हवाई अड्डे में, स्कूलों में, अस्पतालों में और यहां तक कि श्मशान घाटों में भी। लेकिन अब हमें बताया गया कि आधार कार्ड नागरिकता का सुबूत नहीं है। और हमें यह भी बताया जाता

है कि अगर आपके पास मतदाता फोटो पहचान पत्र तो है, लेकिन किसी अनजान वजह से आपका नाम 2002 की वोटर सूची में नहीं है, तब आप मुश्किल में पड़ जाएंगे। सच में, मैं परेशान हूं। अगर मेरे जैसा सर्व सुविधा संपन्न व्यक्ति इस चिंता और असुरक्षा की भावना से बच नहीं सका, तो सोचिए कि एक प्रवासी मज़दूर, कोई ट्रांसजेंडर व्यक्ति, झुग्गी में रहने वाला, या एक आम किसान किस विकट स्थिति से गुज़र रहा होगा। हालांकि, यह सिर्फ़ मेरी, या आपकी चिंता की बात नहीं है। असल में, यदि हम और गहराई में उतरना गवारा करें तो, हमें आधुनिक राष्ट्र की प्रवृत्ति को समझना होगा, जो आज़ादी और मानवाधिकारों की ललित कथाओं के बावजूद, अपने नागरिकों पर निगरानी रखने का सामान्यीकरण करते हुए, रोज़मर्रा की ज़िंदगी में निरंतर दस्तावेजों की मांग के ज़रिए पूर्ण नियंत्रण बनाना चाहती है। कोई हैरानी नहीं कि आम नागरिक होने के नाते, हम लगातार डर के कभी न खत्म होने वाले चक्र में फंसे रहते हैं। 'कागज' पूरे करने को हमें एक दफ्तर से दूसरे दफ्तर भागने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। कल तक, यह आधार था; जो लगभग आपके शरीर के एक ज़रूरी अंग जैसा था; और इसके बिना, आप कुछ भी नहीं थे! इसके अलावा, तकनीक के विकास के साथ, आपका ईमेल एड्रेस या आपका मोबाइल फ़ोन नंबर आपकी पहचान बन चुका है। इसे आपके आधार, पैन और बैंक अकाउंट से लिंक होना चाहिए। कल्पना करें आपने अपना स्मार्ट फ़ोन खो दिया है और तब आपको तीव्र चिंता सताने लगती है। यह महज आपका फ़ोन खोना नहीं है; यह आपकी पहचान गुम होने जैसा है; वह अनुभव दुनिया से कट जाने की तरह है। इसके अलावा, ऐसा लगता है कि अब कुछ भी निजीपन या निजता नहीं रही। डेटा साइंस के इस ज़माने में आपका ईमेल एड्रेस या आपका मोबाइल फ़ोन नंबर हर जगह पहुंच चुका है। आपकी हर हरकत पर लगातार नज़र रखी जा रही है और उसे देखा जा रहा है। इसलिए, क्या यह हैरानी की बात नहीं कि आपको और मुझे हर दिन प्रॉपर्टी डीलरों से लेकर फ़ाइनेंशियल एक्सपर्ट्स और यहां तक कि प्रधानमंत्री के दफ़्तर से भी तरह-तरह के मैसेज मिलते रहते हैं? इस निगरानी मशीनरी का हिस्सा बनना कोई अच्छा अहसास नहीं है। यह डर, तनाव और चिंता को बढ़ाता है। यह आपके निजी दायरे में दखलअंदाजी है। असल में, यह काम आपकी इंसानी रूह को एक बायोमेट्रिक्स में परिवर्तित कर देने, या आपकी पहचान के प्रमाण को, चाहे वह आपका राशन कार्ड हो, आपका पासपोर्ट या फिर आपके घर का पता साबित करने वाला कोई यूटिलिटी बिल हो- हर उस चीज़ को बहुत नुकसान पहुंचाता है जो हमें इंसान बनाती है- खुद को भरोसे योग्य समझे जाने से बनता अहसास। यह एक सिविल सोसाइटी की भावना को ही खत्म कर देता है। कल्पना करें, मैं पश्चिम बंगाल में अपने गृहनगर में एक अल्पसंख्यक पड़ोसी को जानता हूं। मुझे पता है कि उसके माता-पिता/दादा-दादी यहीं पैदा हुए थे। लेकिन फिर, पता नहीं किन्हीं कारणों से, 2002 की वोटर लिस्ट में वह अपना नाम नहीं पाता। सरकार को उस पर शक होने लगता है; और जो लोग साम्प्रदायिक राजनीति के कीटाणु को ज़िंदा रखना चाहते हैं, वे आरोप लगाने लगेंगे कि वह बांग्लादेश से आया एक अवैध प्रवासी है। एक ऐसी सरकार के लिए जो सिविल सोसाइटी के फैसले से ज़्यादा तथाकथित वैध 'कागजों' पर विश्वास करती हो, वहां आपके और मेरे विचार शायद ही मायने रखते हैं। टेक्नो-अथॉरिटेरियनिज़्म और क्या होता है- इंसानी अनुभव की हकीकत पर 'कागजों' का हावी होना? कदाचित्, हमें एक किस्म की आज़ादी-दायक राजनीतिक संस्कृति और शिक्षा की ज़रूरत है ताकि हम निगरानी और दस्तावेजों का सामान्यीकरण करने, या इंसानी पहचान को 'आधिकारिक रूप से मान्य' पहचान प्रमाण में तब्दील किए जाने का विरोध कर सकें। हमें सामाजिक जीवन की जीवनदायिनी शक्ति, सिविल सोसायटी की जीवंतता, और संवाद में तार्किकता के जादुई अहसास को वापस लाना और उसका मोल समझना होगा।

आप का नजरिया

भारत के मानवाधिकार सवाल

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और लोकतंत्र की आत्मा मानवाधिकारों में ही छिपी होती है। हमारा संविधान मनुष्य की गरिमा, समानता, स्वतंत्रता और सुरक्षा को सर्वोच्च मानता है। फिर भी भारत जैसा विशाल, विविध और जटिल देश कई ऐसी चुनौतियों से जूझता है जो समय-समय पर विश्व मानवाधिकार आयोग (संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद) के सामने आती हैं। इन मुद्दों को समझना इसलिए जरूरी है क्योंकि यह देश के लिए आलोचना नहीं, बल्कि आत्ममंथन और सुधार का अवसर है। भारत की ताकत इस बात में रही है कि उसने हर चुनौती को स्वीकार किया और सुधार की दिशा में निरंतर कदम बढ़ाए। विश्व मानवाधिकार आयोग के समक्ष भारत से संबंधित पहला बड़ा प्रश्न अकसर महिलाओं की सुरक्षा से जुड़ा होता है। वर्षों से घरेलू हिंसा, दहेज से होने वाली मौतें, यौन शोषण, मानव तस्करी और बाल विवाह जैसी समस्याएं सामने आती रही हैं। निर्भया कांड ने देश की आत्मा को झकझोरा और इसके बाद भारत में कानूनी सुधार हुए, समाज में जागरूकता बढ़ी और महिलाओं की सुरक्षा को राष्ट्रीय मुद्दा बनाया गया। इसके बावजूद अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं कई बार यह सवाल उठाती हैं कि क्या महिलाएं पूरी तरह सुरक्षित हैं। समाज में बदलती मानसिकता और बढ़ती जागरूकता के बावजूद यह चुनौती अभी भी पूरी तरह समाप्त नहीं हुई। दूसरा मुद्दा बच्चों के अधिकारों से संबंधित है। संयुक्त राष्ट्र बाल अधिकार समिति ने कई बार भारत में बाल श्रम, कुपोषण, स्कूल छोडऩे की समस्या और बाल तस्करी पर चिंता जताई। भारत ने इस दिशा में व्यापक कदम उठाए हैं, फिर भी गरीबी और सामाजिक असमानता के कारण कुछ क्षेत्रों में बच्चे अभी भी मजदूरी और शोषण का शिकार बनते हैं। स्कूलों में शिक्षा के अधिकार का कानून लागू है, मध्याह्न भोजन योजना है और पोषण अभियान भी है, परंतु चुनौती देश की विशाल जनसंख्या और सामाजिक विविधता के कारण अधिक जटिल बनी रहती है। तीसरी बड़ी चुनौती जातिगत भेदभाव और दलित/आदिवासी समुदायों के प्रति होने वाले अत्याचारों से जुड़ी है। संविधान ने अस्पृश्यता को अवैध घोषित किया, परंतु वास्तविकता यह है कि समाज में जातिगत हिंसा की घटनाएं अभी भी सामने आती हैं। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इन घटनाओं को लेकर सवाल किए जाते हैं। भारत का जवाब हमेशा यही रहा है कि न्याय प्रणाली स्वतंत्र है और अत्याचारों के मामलों में कठोर दंड का प्रावधान है। फिर भी सामाजिक परिवर्तन एक धीमी प्रक्रिया है और अभी भी बहुत आगे जाना बाकी है। धार्मिक स्वतंत्रता और सांप्रदायिक तनाव भी भारत के मानवाधिकार विमर्श का हिस्सा हैं। भारत धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत पर आधारित है और सभी धर्मों को समान सम्मान दिया गया है। इसके बावजूद कुछ सांप्रदायिक घटनाएं या भीड़ हिंसा जैसी घटनाएं अंतरराष्ट्रीय चिंता का कारण बनती हैं। भारत ने हमेशा अपनी स्थिति स्पष्ट रखते हुए कहा है कि अपराधियों पर कार्रवाई होती है और कानून सबके लिए बराबर है। व्यक्तिगत निजता और तकनीकी निगरानी से जुड़े मुद्दे आधुनिक युग में वैश्विक चिंता बन गए हैं। भारत में डिजिटल ढांचा तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन इसी के साथ नागरिकों के निजी डेटा की सुरक्षा भी महत्त्वपूर्ण बन गई है। कुछ तकनीकी निगरानी कार्यक्रमों को लेकर संयुक्त राष्ट्र ने सवाल पूछे थे कि क्या नागरिकों की निजता सुरक्षित है। भारत ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा और कानून के अनुसार ही तकनीक का उपयोग होता है। फिर भी यह क्षेत्र निरंतर बदल रहा है और इसकी चुनौतियां भी बढ़ रही हैं। कश्मीर का मुद्दा भी कई बार अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार रिपोर्टों में शामिल रहा है। अनुच्छेद 370 हटने के बाद इंटरनेट प्रतिबंध, गिरफ्तारियों और आवाजाही पर कुछ सीमाओं को लेकर चर्चा हुई। भारत ने साफ कहा कि ये कदम सुरक्षा कारणों से उठाए गए थे और यह पूरी तरह भारत का आंतरिक मामला है। धीरे-धीरे क्षेत्र में स्थितियां सामान्य हुईं, लेकिन यह विषय वैश्विक राजनीति के कारण संवेदनशील बना रहता है। आदिवासी समुदायों से जुड़े मुद्दे भी महत्त्वपूर्ण हैं। खनन, भूमि अधिग्रहण और बड़े विकास परियोजनाओं के कारण आदिवासी क्षेत्रों में विस्थापन, आजीविका और सांस्कृतिक पहचान पर प्रभाव पड़ता है। संयुक्त राष्ट्र ने कई रिपोर्टों में सुझाव दिया कि विकास परियोजनाओं में आदिवासियों की सहमति और उनके पुनर्वास को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। भारत ने इस दिशा में कदम बढ़ाए हैं, लेकिन चुनौतियां अब भी सामने आती रहती हैं। मानवाधिकार कार्यकर्ताओं, पत्रकारों और सामाजिक कार्यकर्ताओं की सुरक्षा का प्रश्न भी कई बार विश्व मानवाधिकार आयोग में उठाया गया है।

हमारा संविधान मनुष्य की गरिमा, समानता, स्वतंत्रता और सुरक्षा को सर्वोच्च मानता है। फिर भी भारत जैसा विशाल, विविध और जटिल देश कई ऐसी चुनौतियों से जूझता है जो समय-समय पर विश्व मानवाधिकार आयोग (संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद) के सामने आती हैं। इन मुद्दों को समझना इसलिए जरूरी है क्योंकि यह देश के लिए आलोचना नहीं, बल्कि आत्ममंथन और सुधार का अवसर है। भारत की ताकत इस बात में रही है कि उसने हर चुनौती को स्वीकार किया और सुधार की दिशा में निरंतर कदम बढ़ाए। विश्व मानवाधिकार आयोग के समक्ष भारत से संबंधित पहला बड़ा प्रश्न अकसर महिलाओं की सुरक्षा से जुड़ा होता है। वर्षों से घरेलू हिंसा, दहेज से होने वाली मौतें, यौन शोषण, मानव तस्करी और बाल विवाह जैसी समस्याएं सामने आती रही हैं। निर्भया कांड ने देश की आत्मा को झकझोरा और इसके बाद भारत में कानूनी सुधार हुए, समाज में जागरूकता बढ़ी और महिलाओं की सुरक्षा को राष्ट्रीय मुद्दा बनाया गया। इसके बावजूद अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं कई बार यह सवाल उठाती हैं कि क्या महिलाएं पूरी तरह सुरक्षित हैं।

दृष्टि कोण

चुनौतियों के बीच अधिक विकास दर

हाल ही में 28 नवंबर को सरकार की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष 2025-26 में जुलाई-सितंबर की तिमाही में 8.2 प्रतिशत बढ़ी है। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 5.6 प्रतिशत थी। खास बात यह है कि भारतीय अर्थव्यवस्था ने विकास दर के मामले में दुनिया की सभी प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं को पीछे छोड़ दिया है। स्थिति यह है कि चालू वित्त वर्ष में चुनौतियों के बावजूद जीडीपी की वृद्धि दर उम्मीद से अधिक रहने की संभावना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत की 8.2 प्रतिशत की विकास दर वृद्धि समर्थक नीतियों और सुधारों के प्रभाव को बताती है, वहीं वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि सरकार के द्वारा कारोबारी सुगमता और उत्पादकता बढ़ाने जैसे कदमों से जीडीपी बढ़ी है। गौरतलब है कि इन दिनों भारत की अर्थव्यवस्था पर प्रकाशित हो रही विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय आर्थिक व वित्तीय संगठनों की रिपोर्टों में कहा जा रहा है कि भारत में महंगाई घटने और वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) दर में कटौती से उपभोग और घरेलू खपत में जोरदार इजाफा होने से विकास दर बढ़ी है। जहां भारत की अर्थव्यवस्था ट्रंप के टैरिफ का प्रतिकूल असर झेल गई, वहीं निर्यात, पूंजीगत निवेश और निवेश रुझान पर प्रतिकूल असर की चुनौतियों के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूती के साथ आगे बढ़ी है। साथ ही भारत की अर्थव्यवस्था वैश्विक अनिश्चितताओं से निर्मित हो रही चुनौतियों से निपटने की स्थिति में है। निश्चित रूप से जब दुनिया के अधिकांश देशों में महंगाई तेजी से बढ़ रही है, वहीं भारत में महंगाई में तेज कमी भारत की एक बड़ी आर्थिक ताकत बन गई है। हाल ही में राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) की ओर से जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि जहां अक्टूबर 2025 में खुदरा महंगाई घटकर पिछले 10 साल के न्यूनतम स्तर 0.25 प्रतिशत पर आ गई, वहीं थोक महंगाई 27 महीने के निचले स्तर शून्य से 1.21 प्रतिशत नीचे रही

है। महंगाई में यह ऐतिहासिक कमी प्रमुखतया सब्जियां, फल, अंडे, फुटवियर, अनाज व उससे बने उत्पाद, बिजली, परिवहन और संचार आदि मदों की महंगाई में गिरावट के कारण हुई है। महंगाई में आई गिरावट के पीछे विगत 22 सितंबर से लागू वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधार की भी अहम भूमिका है। जीएसटी दरों में की गई कमी से खाने-पीने की सभी वस्तुएं सस्ती हुई हैं। क्रिसिल की एक रिपोर्ट के अनुसार अक्टूबर 2025 में शाकाहारी थाली सालाना आधार पर 17 फीसदी सस्ती होकर 27.8 रुपए और मांसाहारी थाली 12 फीसदी सस्ती होकर 54.4 रुपए के मूल्य स्तर पर पाई गई। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि इस समय विभिन्न शोध रिपोर्टों में यह भी कहा जा रहा है कि खाद्यान्न के रिकॉर्ड उत्पादन और अच्छे मानसून के बाद कृषि और औद्योगिक क्षेत्रों को मिली अनुकूलताओं के कारण आगामी महीनों में भी महंगाई में और कमी आने की उम्मीद है। अनुमान है कि इस वित्त वर्ष 2025-26 में औसतन खुदरा महंगाई दर 2.5 प्रतिशत रह सकती है, जो पिछले वर्ष के 4.6 प्रतिशत के मुकाबले काफी कम होगी। निःसंदेह भारत की अर्थव्यवस्था की मजबूती के मद्देनजर महंगाई घटने और जीएसटी सुधार के साथ-साथ कुछ और आर्थिक अनुकूलताएं उभरकर दिखाई दे रही हैं। यह कोई छोटी बात नहीं है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाए जाने के बाद भारत ने रूस और चीन के साथ आर्थिक-वैश्विक कूटनीति और नए निर्यात बाजारों में आगे बढऩे की जो रणनीति अपनाई, वह कारगर दिखाई दे रही है। इस नीति से ट्रंप के टैरिफ के बीच पिछले अगस्त से अक्टूबर माह में अमेरिका को छोडक़र अन्य देशों में भारत के निर्यात बढ़े हैं। यह भी कोई छोटी बात नहीं है कि वैश्विक चुनौतियों के बीच रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने शिखर वार्ता के लिए भारत आना सुनिश्चित किया है। इस मौके पर भारत व रूस के बीच कारोबार सहित कई समझौते हुए। इन सबके साथ-साथ विभिन्न देशों के साथ तेजी से आकार लेते हुए दिखाई दे रहे भारत के मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) भारत के निर्यात के मद्देनजर मील का पत्थर बनते हुए दिखाई दे रहे हैं। इतना ही नहीं 21 नवंबर से देश में लागू नए श्रम कानून देश के आर्थिक विकास में नई प्रभावी भूमिका निभाएंगे। उल्लेखनीय है कि हाल ही में एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की अर्थव्यवस्था के 6.5 प्रतिशत और अगले वित्त वर्ष 2026-27 में 6.7 प्रतिशत की दर से बढऩे का अनुमान व्यक्त किया है।

हमास-इजराइल संघर्ष विराम : शवों की अदला-बदली पर टिका दूसरे चरण का रास्ता

तेल अवीव, 08 दिसंबर (एजेंसियां)।

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि इजराइल और हमास बहुत जल्द संघर्ष विराम समझौते के दूसरे चरण में प्रवेश करेंगे। उन्होंने बताया कि यह चरण तब शुरू होगा जब हमास गाजा में मौजूद अंतिम इजराइली बंधक के अवशेषों को इजराइल को सौंप देगा।

जर्मन चांसलर फ्रेड्रिक मर्ज के साथ संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में नेतन्याहू ने कहा कि संघर्ष विराम का अगला चरण, जिसमें गाजा का निरस्त्रीकरण और हमास की सैन्य क्षमता समाप्त करना शामिल है, महीने के अंत तक शुरू हो सकता है।

हमास के पास अब भी इजराइली पुलिसकर्मी रान ग्विली (24) के अवशेष हैं, जो 07 अक्टूबर 2023 के हमले में मारे गए थे। उनके अवशेषों की वापसी और इसके बदले इजराइल द्वारा 15 फिलिस्तीनियों के शवों की वापसी के साथ संघर्ष विराम योजना के पहले चरण का समापन माना जाएगा।

हालांकि हमास का दावा है कि दो वर्ष की इजराइली सैन्य कार्रवाई के बाद मलबे में दबे शवों तक पहुंचना मुश्किल हो रहा है। इजराइल ने संगठन पर जानबूझकर देरी करने का आरोप लगाते हुए चेतावनी दी है कि यदि सभी अवशेष जल्द नहीं लौटाए गए, तो वह सैन्य अभियान दोबारा शुरू कर सकता है या मानवीय सहायता सीमित कर सकता है।

बंधक परिवारों के एक समूह ने भी बयान जारी कर कहा कि 'जब तक रान ग्विली के अवशेष नहीं लौटते, अगला चरण शुरू नहीं हो सकता।'

संघर्ष विराम के दूसरे चरण के तहत गाजा में अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा बल की तैनाती और एक अस्थायी फिलिस्तीनी प्रशासन का गठन शामिल है, जिसे अमेरिका के नेतृत्व में अंतरराष्ट्रीय बोर्ड देखरेख करेगा।

नेतन्याहू ने स्वीकार किया कि यह चरण कठिन होगा, और आगे बताया कि तीसरे चरण में गाजा को चरमपंथ से मुक्त करने की योजना है। 'जर्मनी, जापान और खाड़ी देशों में यह संभव हुआ था, गाजा में भी हो सकता है—बशर्ते हमास को पूरी तरह समाप्त किया जाए,' उन्होंने कहा।

चांसलर मर्ज ने बताया कि जर्मनी, इजराइल के सबसे करीबी साझेदारों में से एक होने के नाते, दूसरे चरण को लागू करने में सहयोग कर रहा है और दक्षिणी इजराइल में अमेरिकी नेतृत्व वाले समन्वय केंद्र में अपने अधिकारी भेज चुका है, साथ ही ग़ज़ा को मानवीय सहायता भी उपलब्ध करा रहा है।

न्यूज ब्रीफ

पुतिन को प्लेन, हेलीकॉप्टर से ज्यादा ट्रेन पर भरोसा, यह शाही कोठी के साथ रहस्य से भरी

मास्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन दुनिया के सबसे सुरक्षित और सबसे छिपे हुए नेता माने जाते हैं।

प्लेन, हेलीकॉप्टर इन सबसे बचते हुए पुतिन जिस चीज पर भरोसा करते हैं, वह है उनकी मशहूर 'घोस्ट ट्रेन'। यह 22 डिब्बों वाली बख्तरबंद ट्रेन ऐसी है जो दिखे भी तो रहस्य जैसी और चले तो किसी को भनक तक ना लगे। 2023 में आए लीक दस्तावेजों ने पहली बार इसकी अंदरूनी दुनिया की खोल दी थी जिसमें लक्जरी भी है, सुरक्षा भी और पुतिन की निजी पसंद और डर भी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह ट्रेन रूस की विशाल रेलवे लाइनों पर ऐसे चलती है जैसे कोई अदृश्य साया। यह न किसी ऐप में दिखती है, न किसी टाइमटेबल में दर्ज होती है। इसकी रफ्तार भी ऐसी कि कोई उसकी लोकेशन का अंदाजा न लगा सके। पुतिन का हवाई सफर से डर अब कोई नई बात नहीं है। सैटेलाइट निगरानी और मिसाइल हमलों के दौर में उन्हें आसमान सबसे ज्यादा असुरक्षित लगता है। रूस की सुरक्षा एजेंसी से दलबदल कर चुके ग्लेब कराकुलोव ने 2022 में कहा था कि प्लेन जैसे ही उड़ता है, वह तुरंत रडार में आ जाता है। ट्रेन मूवमेंट छुपाती है। इस ट्रेन का नाम घोस्ट ट्रेन रूसी ट्रेनस्पॉटर्स ने दिया था, जब उन्होंने साइबेरिया के इलाके में चलती इस रहस्यमय ट्रेन के सफेद एंटीना डोम देखे। यह ट्रेन आम लोगों से पूरी तरह छिपाई जाती है। इसे दो इंजन खींचते हैं और इसका रूट केवल चुनिंदा क्रेमलिन अधिकारियों को ही पता होता है। क्रेमलिन की ओर से कभी-कभी सिर्फ बोर्डरूम वाले डिब्बे की तस्वीरें सामने आती थीं, पर असली राज 2023 में खुला। जिरकोन सर्विस, जो राष्ट्रपति के लिए खास डिब्बे बनाती है, उसके ही एक कर्मचारी ने ब्लूप्रिंट, ब्रोशर और मेमो द डॉसियर सेंटर को लीक कर दिए। रिपोर्ट से पता चला कि बाकी डिब्बे किसी चलती-फिरती शाही कोठी से कम नहीं हैं। एक ऐसी ट्रेन जो सफर के दौरान ही जिम, स्पा, हम्माम और मेडिकल सुविधा जैसी चीजें मुहैया कराती है।

गाजा की सुरंगों में अभी तक सैकड़ों हमास लड़ाके फंसे, चौंका रहे हैं इजरायल के दावे

यरुशलम। गाजा को तबाह कर देने वाली लड़ाई में हमास के कई खूंखार लीडर्स मौत के घाट उतारे गए। यही नहीं गाजा की सुरंगों में अभी तक सैकड़ों हमास लड़ाके फंसे हैं। दम घोंट देने वाली इन सुरंगों के भीतर ना कोई जानकारी पहुंचती है और ना ही बाहर आती है। इन लड़कों को शांति समझौते के बारे में कुछ पता भी नहीं है और वो डर के मारे यहां से निकल ही नहीं रहे हैं। इस बीच इजरायल ने 40 लड़ाकों को लेकर चौंकाने वाला दावा कर डाला है। इजरायल तक पहुंचने के लिए गाजा में बनाई गई इन अंधेरी गुफाओं में युद्ध के दौरान करीब 200 हमास लड़ाके घुस गए थे। यहां ना ठीक से ऑक्सीजन पहुंचती थी और ना ही सूरज की एक भी किरण दिखती थी फिर भी लड़ाकों को लग रहा था कि ये सबसे सुरक्षित जगह है लेकिन अब इजरायल ने दावा किया है कि 200 में से 40 लड़ाकों को मौत के घाट उतार दिया गया है।

हीरा-जड़ा 'अंडा' निगल गया चोर, पेट पर लगा पुलिस का पहरा, 6 दिन बाद निकला

लंदन। दुनिया में चोरी की अलग-अलग तरह की वारदातें हुई हैं जो काफी चर्चित भी रही हैं। वही

न्यूजीलैंड का एक ऐसा मामला सामने आया जो फिल्मी जैसा है। यहां एक चोर ने महंगा फैबर्ज अंडा जैसा हीरा-जड़ा लॉकेट चुराने के लिए उसे निगल लिया जिसकी कीमत 17 लाख रुपए से भी ज्यादा है। इसके बाद पुलिस ने जेम्स बॉन्ड फिल्म की तरह काम किया। करीब 6 दिनों तक पुलिस आरोपी के पेट पर नजर रखती रही और आखिरकार लॉकेट 'प्राकृतिक तरीके' से बाहर आ गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह घटना सेंट्रल ऑकलैंड के पैट्रिज ज्वैलर्स में हुई। यहां 32 साल का शख्स ने दुकान से अंडे के आकार वाला हीरा-जड़ा लॉकेट चुरा लिया है और भागने से पहले ही उसे निगल लिया लेकिन कुछ ही मिनटों में पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बयान में कहा कि पेंडेंट को बाद में बरामद किया और वह अब पुलिस की कस्टडी में है। पुलिस के मुताबिक आरोपी का मेडिकल भी कराया गया और उसकी निगरानी की गई। कारण साफ था कि लॉकेट पेट में था और महंगा भी था। रिपोर्ट में पुलिस के हवाले से बताया गया है कि लॉकेट को निकालने के लिए डॉक्टर को नहीं बुलाना पड़ा। इसे पुलिस ने 'प्राकृतिक' तरीके से बरामद किया। इसलिए एक पुलिस अधिकारी को लगातार 6 दिन तक आरोपी पर नजर रखने की जिम्मेदारी सौंपी गई।

ट्रंप का दावा : जेलेंस्की शांति प्रस्ताव पर हस्ताक्षर को तैयार नहीं, यूक्रेन पर रूसी हमले हुए तेज

वाशिंगटन, 08 दिसंबर (एजेंसियां)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सनसनीखेज दावा किया कि यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की उनके प्रशासन द्वारा तैयार किए गए रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्ति के शांति प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करने को तैयार नहीं हैं। ट्रंप ने कहा कि जेलेंस्की ने अभी तक प्रस्ताव को ठीक से पढ़ा तक नहीं है, जबकि उनकी टीम इसे पसंद कर रही है। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से कहा, मुझे थोड़ी निराशा है। कुछ घंटे पहले तक राष्ट्रपति जेलेंस्की ने प्रस्ताव नहीं पढ़ा था। उनकी टीम को यह पसंद है, लेकिन वह खुद तैयार नहीं हैं। उन्होंने संकेत दिया कि रूस को इस प्रस्ताव से खास दिक्कत नहीं है, लेकिन जेलेंस्की ही वार्ता में बाधा बन रहे हैं। फरवरी 2022 से चल रहे इस विनाशकारी युद्ध को खत्म करने के लिए अमेरिका पिछले तीन दिनों से फ्लोरिडा में यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडल के साथ गहन वार्ता कर रहा था।

हालांकि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी इस अमेरिकी प्रस्ताव को सार्वजनिक रूप से समर्थन नहीं दिया है। पिछले सप्ताह पुतिन ने कहा था कि ट्रंप का प्लान कई मायनों में अव्यावहारिक है, भले ही मसौदा मूल रूप से मॉस्को के पक्ष में अधिक झुका हुआ माना जा रहा है। दूसरी ओर, राष्ट्रपति जेलेंस्की ने शनिवार को सोशल मीडिया पर लिखा कि उन्होंने फ्लोरिडा में चल रही वार्ता में शामिल अमेरिकी अधिकारियों से फोन पर विस्तृत बातचीत की है। उन्होंने जोर दिया, यूक्रेन अमेरिका के साथ पूरी ईमानदारी से काम कर रहा है ताकि वास्तविक और स्थायी शांति हासिल की जा सके। जेलेंस्की ने वार्ता की प्रगति पर संतोष जताते हुए कहा कि कीव शांति के लिए दृढ़ संकल्पित है।

इसी बीच ट्रंप प्रशासन के यूक्रेन मामलों के विशेष दूत कीथ केलॉग ने बताया कि वार्ता अब अंतिम चरण में है। समझौते का सबसे बड़ा रोड़ा क्षेत्रीय मुद्दे हैं, खासकर डोनबास क्षेत्र और जापोरिज्जिया परमाणु संयंत्र का नियंत्रण। केलॉग के मुताबिक, इन्हीं दो बिंदुओं पर अंतिम फैसला बाकी है।

रविवार रात को रूसी सेना ने यूक्रेन के कई इलाकों पर बड़े पैमाने पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए। उत्तरी चेर्निहिव क्षेत्र में ड्रोन हमले से एक नागरिक की मौत हो गई, जबकि मध्य यूक्रेन के महत्वपूर्ण औद्योगिक शहर क्रेमेन्चुक में बिजली और पानी की सप्लाई पूरी तरह ठप हो गई। कीव का आरोप है कि रूस लगातार चौथी सर्दी में जानबूझकर ऊर्जा ढांचे को निशाना बना रहा है ताकि आम नागरिकों को ठंड, अंधेरे और पानी की कमी का सामना करना पड़े। यूक्रेनी अधिकारियों ने इसे ठंड को हथियार बनाने की रणनीति करार दिया है।

सोमवार को ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी के नेता लंदन में जेलेंस्की से मुलाकात करेंगे। यूरोपीय देश अमेरिकी शांति प्रयासों से अलग अपनी कूटनीतिक कोशिशें तेज करने की तैयारी में हैं।तीन साल से ज्यादा समय से चल रहे इस युद्ध में अब तक लाखों लोग मारे जा चुके हैं और करोड़ों विस्थापित हुए हैं। ट्रंप प्रशासन की यह पहल युद्ध समाप्ति की दिशा में सबसे गंभीर अमेरिकी कवायद मानी जा रही है, लेकिन जेलेंस्की पर दबाव और रूसी हमलों के बीच शांति की राह अभी लंबी और अनिश्चित दिख रही है।

भारतीय वैज्ञानिकों ने अंतरिक्ष में खोजी अलकनंदा.....दुनिया के वैज्ञानिकों की सारी सोच बदल दी

लंदन, 08 दिसंबर (एजेंसियां)।

भारत के दो वैज्ञानिकों ने अंतरिक्ष में इतिहास बना दिया है। जब ब्रह्मांड सिर्फ 1.5 अरब साल का था (यानी आज से 12 अरब साल पहले), तब भी हमारी आकाशगंगा जैसी एक सुंदर, पूरी तरह बनी-बनाई स्पाइरल गैलेक्सी मौजूद थी। यह खोज दुनिया के सबसे ताकतवर जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप से हुई है। दरअसल वैज्ञानिकों का पहले मानना था कि बिग बैंग के कुछ सौ मिलियन साल बाद सिर्फ छोटी, अनियमित और उलझी हुई गैलेक्सी ही बन सकी थीं। बड़ी और सुंदर स्पाइरल गैलेक्सी बनने में अरबों साल लगते थे। लेकिन पूणे की राशि जैन और प्रोफेसर योगेश वडाडेकर ने जो गैलेक्सी देखी, पूरी दुनिया के वैज्ञानिकों की सारी सोच बदल दी। इस गैलेक्सी को भारतीय वैज्ञानिकों ने हिमालय की पवित्र नदी के नाम पर अलकनंदा नाम दिया है। आकार में करीब 30,000 प्रकाश-वर्ष चौड़ी (हमारी मिल्की वे का एक-तिहाई) और तारों की संख्या 1,000 करोड़ (10 बिलियन सूर्य जितने तारे!) जबकि नई तारों की बनने की रफ्तार हमारी आकाशगंगा से 20-30 गुना तेज!

कैसे मिली यह गैलेक्सी

राशि जैन (एनसीआरए-टीआईएफआर में पीएचडी कर रही हैं) जेम्स वेब के डेटा में 70000 ऑब्जेक्ट्स देख रही थीं। अचानक एक तस्वीर पर नजर पड़ी-बिल्कुल साफ, सुंदर सर्पिल गैलेक्सी। राशि कहती हैं कि मैं चिल्ला पड़ी। 70000 में सिर्फ एक ही थी जो इतनी परफेक्ट स्पाइरल थी।

इसके बाद अपने गुरु प्रो. वडाडेकर को दिखाया तब पहले वे भी यकीन ही नहीं कर सके। प्रो.वडाडेकर ने बताया कि यह नामुमकिन लग रहा था। इतनी जल्दी इतनी बड़ी और सुंदर गैलेक्सी कैसे बन गई कुछ सौ मिलियन साल में 1,000 करोड़ तारे और सर्पिल भुजाएं बना लेना-ब्रह्मांड के हिसाब से रॉकेट की स्पीड है।

ब्रह्मांड की उम्र अभी 13.8 अरब साल है। यह गैलेक्सी हमें उस समय की दिख रही है जब ब्रह्मांड सिर्फ 10 प्रतिशत उम्र का था। पहले मिली पुरानी गैलेक्सी या छोटी थीं या लाल धब्बे जैसी दिखती थीं। अलकनंदा पहली गैलेक्सी है जो साबित करती है कि शुरुआती ब्रह्मांड इतना बच्चा नहीं था, जितना हम सोचते थे।

असामान्य मौसम परिवर्तन के पीछे बड़ा कारण है क्यूबीओ : विशेषज्ञ

लंदन। मौसम परिवर्तन का प्रभाव विश्वव्यापी है और भारत भी इस संकट से बच नहीं सकता। इस साल देश ने कई चरम मौसमीय आपदाओं का सामना किया। विशेषज्ञ की माने तो आने वाला साल और भी चुनौतीपूर्ण हो सकता है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक इस असामान्य मौसम परिवर्तन के पीछे बड़ा कारण है क्यूबीओ यानी क्वासी-बायेनियल ऑसिलेशन का अचानक टूटना। क्यूबीओ दरअसल पृथ्वी की सतह से 20 से 30 किलोमीटर ऊपर बहने वाली हवा की वह धारा है, जो हर 28 से 30 महीने में अपनी दिशा बदलती है। सामान्य रूप से यह बदलाव जनवरी-फरवरी में होता है, लेकिन इस बार यह धारा नवंबर में ही पलट गई, जो पूरी जलवायु प्रणाली के लिए झटका साबित हुआ। वैज्ञानिक बताते हैं कि यह मौसम की मशीन का अचानक रिवर्स गियर लग जाने जैसा है एक ऐसी स्थिति जहां नियंत्रण लगभग असंभव हो जाता है। अमेरिकी मौसम विभाग एनओएए के आंकड़े दिखाते हैं कि ऊपरी हवाएं पश्चिम से पूर्व की ओर असामान्य तेजी से मुड़ रही हैं, जो सामान्य समय से 2 से 3 महीने पहले की घटना है।

अब सऊदी के रियाद में राजनयिक ही नहीं, अमीरों के लिए उपलब्ध रहेगी शराब

यह बदलाव 2034 में पुरुषों फुटबॉल विश्व कप की मेजबानी को लेकर किए जा रहे

रियाद, 08 दिसंबर (एजेंसियां)।

सऊदी अरब सख्त कानूनों के लिए जाना जाता है। देश में शराब हराम हैं और उसे बैन किया गया है। हालांकि बीते कुछ समय में सऊदी की शराब नीति में बदलाव का संकेत मिला है। हाल ही में रियाद में एक स्टोर के अमीर ने विदेशी लोगों को व्हिस्की और शैंपेन बेचने की बात सामने आई। शराब की दुकानें पहले सिर्फ डिप्लोमैट के लिए खुली थी, उन्हें अब छूट मिली हैं। खासतौर से अमीर विदेशियों के लिए सऊदी में शराब का विकल्प अब खुलता दिख रहा है। रियाद में अब गैर-मुस्लिम विदेशियों को शराब बेच रहे हैं, बशर्ते उनके पास महंगा प्रीमियम रेजिडेंसी परमिट हो। यह बदलाव क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के मिशन-2030 के तहत किए जा रहे सामाजिक-आर्थिक सुधारों का हिस्सा है। हालांकि इस बदलाव को लेकर आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। यह बिना शोर-शराबे के किया जा रहा है ताकि विरोध ना हो। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रियाद के शराब के स्टोर से खरीदारी करने वाले कुछ ग्राहकों ने बताया कि यहां पहले सिर्फ राजनयिकों यानी दूसरे देश के राजदूतों को शराब मिलती थी। अब उन गैर-मुस्लिम विदेशियों को भी शराब बेची जा रही है, जिनके पास प्रीमियम रेजिडेंसी परमिट है। प्रीमियम रेजिडेंसी बहुत अमीर या बहुत पढ़े-लिखे विदेशियों को दिया जाता है, जो सरकारी संस्थानों में काम करते हैं। पिछले एक दशक में क्राउन प्रिंस मोहम्मद ने देश को पूरी तरह से बदल दिया है। धार्मिक पुलिस, ड्रेस कोड और महिलाओं को गाड़ी चलाने पर पाबंदी जैसे मामलों में सऊदी में अब कई तरह की छूट दी जा रही है। सऊदी में शराब नीति की बात की जाए तो सरकार ने आधिकारिक तौर पर 1950 के दशक में शराब पर बैन लगा दिया था। यह प्रतिबंध तब लगा था, जब सऊदी अरब के संस्थापक राजा के बेटे ने शराब के नशे में हुए विवाद में एक ब्रिटिश राजनयिक की हत्या कर दी थी। इस बैन की वजह सऊदी धर्म पर आधारित बताता है क्योंकि कुरआन में मुसलमानों के लिए शराब हराम कही गई है।

यूरोपीय संघ ने एक्स पर लगाया 140 मिलियन डॉलर का जुर्माना, मस्क का गुस्सा फूटा

वाशिंगटन, 08 दिसंबर (एजेंसियां)।

यूरोपीय संघ ने अरबपति एलन मस्क के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर डिजिटल सर्विसेज एक्ट (डीएसए) के उल्लंघन के लिए 120 मिलियन यूरो (लगभग 140 मिलियन डॉलर) का भारी जुर्माना लगाया है। यह जुर्माना यूरोपीय आयोग द्वारा एक्स के खिलाफ पारदर्शिता और कंटेंट मॉडरेशन संबंधी नियमों के पालन न करने के कारण लगाया गया है। इस कदम से अमेरिका और यूरोपीय संघ के बीच तनाव बढ़ गया है, जहां ट्रंप प्रशासन ने इसे अमेरिकी फ्री स्पीच पर हमला करार दिया है।

आयोग की दो साल की जांच में पाया गया कि एक्स ने ब्लू टिक वेरिफिकेशन सिस्टम को भ्रामक तरीके से डिजाइन किया, जिससे उपयोगकर्ताओं को गुमराह किया गया। पहले ट्विटर पर ब्लू टिक केवल प्रभावशाली व्यक्तियों जैसे सेलेब्रिटी, राजनेता और पॉप फिगर के लिए आरक्षित था, लेकिन मस्क के अधिग्रहण के बाद इसे सब्सक्रिप्शन मॉडल से जोड़ दिया गया, जो यूरोपीय नियमों का उल्लंघन था। इसके अलावा, प्लेटफॉर्म ने विज्ञापनों की जानकारी पर्याप्त पारदर्शी तरीके से नहीं साझा की और शोधकर्ताओं को पब्लिक डेटा तक पहुंच प्रदान करने में विफल रहा। आयोग ने कहा, उपभोक्ताओं को धोखा देना, विज्ञापनों की जानकारी छिपाना और शोधकर्ताओं को रोकना यूरोपीय संघ में स्वीकार्य नहीं है। जुर्माने के ऐलान के तुरंत बाद मस्क ने एक्स पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने आयोग के पोस्ट पर जवाब देते हुए इसे बुलशिट कहा। मस्क ने अपने 230 मिलियन फॉलोअर्स से कहा, ईयू को खत्म देना चाहिए और संप्रभुता अलग-अलग देशों को वापस मिलनी चाहिए, ताकि सरकारें अपने लोगों का बेहतर प्रतिनिधित्व कर सकें। जब एक यूजर ने उनके बयान को रीपोस्ट किया, तो मस्क ने स्पष्ट किया, मैं सच कह रहा हूं। मजाक नहीं कर रहा। एक अन्य पोस्ट में उन्होंने लिखा, मुझे यूरोप पसंद है, लेकिन ईयू जैसा नौकरशाही वाला राक्षस नहीं। मस्क ने आगे कहा कि यह जुर्माना न केवल एक्स पर, बल्कि उन पर व्यक्तिगत रूप से लगाया गया है, इसलिए प्रतिक्रिया व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार अधिकारियों पर भी होनी चाहिए। ट्रंप प्रशासन ने भी इसकी कड़ी निंदा की। विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने एक्स पर पोस्ट किया, यह जुर्माना न केवल एक्स पर, बल्कि सभी अमेरिकी टेक प्लेटफॉर्म्स और अमेरिकी लोगों पर विदेशी सरकारों का हमला है। अमेरिकियों को ऑनलाइन सेंसर करने के दिन खत्म हो गए। मस्क ने रुबियो के बयान को रीपोस्ट करते हुए पूर्णतः सहमत कहा। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने इसे अमेरिकी कंपनियों पर हमला बताया, जबकि वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक और एफसीसी चेयर ब्रेंडन कार ने यूरोपीय संघ की दमनकारी नीतियों की आलोचना की। सीनेटर टेड क्रूज ने इसे अमेरिकी नौकरियों और फ्री स्पीच पर हमला करार देते हुए ट्रंप से प्रतिबंध लगाने की मांग की। यह जुर्माना डीएसए के तहत एक्स के खिलाफ पहला आर्थिक दंड है, जो 2022 में लागू हुआ कानून है। एक्स को 60 दिनों में ब्लू टिक मुद्दे का समाधान बताना होगा, जबकि विज्ञापन और डेटा एक्सेस के लिए 90 दिन का समय दिया गया है। अनुपालन न करने पर और जुर्माना लग सकता है। मस्क को फैसले के खिलाफ अपील का अधिकार है, जो लंबी कानूनी लड़ाई का रूप ले सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह मामला यूरोपीय संघ की टेक कंपनियों पर सख्ती का परीक्षण बनेगा, खासकर अमेरिकी फ्री स्पीच बहस के बीच।

अभिषेक एक साल में 100 छक्के लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बने

नई दिल्ली, 08 दिसंबर (एजेंसियां) ।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज से पहले आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने एक अहम रिकार्ड बनाया है जिससे अंदाजा होता है कि वह कितने अच्छे फार्म में हैं। अभिषेक ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में ही पंजाब की कप्तानी करते हुए 250 के स्ट्राइक रेट से रन बनाये हैं। इस बल्लेबाज ने 6 मुकाबलों में 300 से अधिक रन बनाये हैं। सर्विसेज के खिलाफ हुए मुकाबले में उन्होंने तीन छक्के लगाकर अर्धशतक बनाया था।

अभिषेक इसी के साथ ही एक एक कैलेंडर ईयर में 100 छक्के लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज भी बने हैं। अभिषेक ने सर्विसेज के खिलाफ एलीट ग्रुप सी मैच में 34 गेंदों में 8 चौकों और 3 छक्कों की सहायता से 62 रन की आक्रामक खेली। इस मैच में दूसरा छक्का लगाते ही अभिषेक एक साल में 100 टी20 छक्के लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बने हैं।

अभिषेक ने इस साल भारतीय टीम की ओर से 17 टी20 मैचों में 47 छक्के लगाए हैं। आईपीएल 2025 में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए 14 मैचों में 28 छक्के लगाये हैं। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के 2025 सत्र में अभिषेक ने अब तक 6 मैचों में 26 छक्के लगाए हैं। कुल मिलाकर इस साल अब तक खेले गए 37 टी20 मैचों में उनके नाम 101 छक्के हैं। अभिषेक ने पिछले साल भी 39 मैच में सबसे अधिक 39 87 छक्के लगाए थे। वहीं साल 2022 में सूर्यकुमार यादव ने 41 टी20 मैचों में 85 छक्के लगाए थे ।टी20 में एक साल में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान निकोलस पूरन के नाम है। साल 2024 में पूरन ने 76 मैच में 170 छक्के लगाए थे। इस साल उन्होंने डरबन सुपर जायंट्स, लखनऊ सुपर जायंट्स, एमआई अमीरात, एमआई न्यूयॉर्क, नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स (पुरुष), रंगपुर राइडर्स, ट्रिनबागो नाइट राइडर्स और वेस्टइंडीज की ओर से खेला था। वेस्टइंडीज के पूर्व बल्लेबाज क्रिस गेल विश्व के पहले खिलाड़ी थे, जिन्होंने टी20 में एक कैलेंडर ईयर में 100 छक्के लगाए थे।

भारतीय टीम के भुवनेश्वर पहुंचने का वीडियो सामने आया, अभिषेक के साथ बात करते नजर आये शुभमन

भुवनेश्वर। भारत और दक्षिण अफ्रीका की टीमें दोनो ही टीमों के बीच कटक में 9 दिसंबर को होने वाले पहले टी20 मैच को देखते हुए भुवनेश्वर पहुंच गयी हैं। दोनो टीमों के बीच पहला मैच कटक के बाराबती स्टेडियम में होगा। भारतीय टीम एकदिवसीय सीरीज में जीत से उत्साहित है और उसका लक्ष्य इस सीरीज में भी जीत हासिल करना रहेगा। ओडिशा क्रिकेट संघ के अध्यक्ष पंकज मोहंती ने कहा है कि टीमों की सुरक्षा के लिए पूरे इंतजाम किये गये हैं। साथ ही कहा कि बाराबती स्टेडियम मैच के लिए पूरी तरह तैयार है। इस सीरीज से सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल भी वापसी करेंगे। जिससे भी भारतीय टीम को लाभ होगा। भारतीय टीम का एक वीडियो सामने आ रहा है, जहां शुभमन गुलामी टी शर्ट पहने हुए है और वह अभिषेक शर्मा के साथ बातचीत कर रहे हैं। भारतीय टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप के कारण झटका लगा था पर एकदिवसीय सीरीज जीतकर टीम ने अच्छी वापसी की।

न्यूज ब्रीफ

दूसरे वनडे में स्लो ओवर रेट के चलते भारतीय टीम पर 10 प्रतिशत जुर्माना

नई दिल्ली। रायपुर में 3 दिसंबर को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले गए दूसरे वनडे मैच में स्लो ओवर-रेट बनाए रखने के कारण भारतीय टीम पर जुर्माना लगाया गया है। आईसीसी ने टीम इंडिया पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया है। एमिरेट्स आईसीसी एलीट पैनल के मैच रेफरी रिची रिचर्डसन ने यह सजा सुनाई, जब केएल राहुल की अगुवाई वाली भारतीय टीम समय भत्तों को ध्यान में रखने के बाद तय लक्ष्य से दो ओवर पीछे पाई गई। आईसीसी खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के अनुसार न्यूनतम ओवर-रेट उल्लंघन के मामले में तय समय में प्रत्येक ओवर पूरा न कर पाने पर टीम के खिलाड़ियों पर उनकी मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है। इसी आधार पर दो ओवर कम रहने पर कुल 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया। भारतीय कप्तान केएल राहुल ने इस आरोप को स्वीकार कर लिया और प्रस्तावित सजा मान ली, जिसके चलते औपचारिक सुनवाई की आवश्यकता नहीं पड़ी। यह आरोप ऑन-फील्ड अंपायर रॉड टकर और रोहन पंडित, तीसरे अंपायर सैम नोगाजस्की तथा चौथे अंपायर जयरामन मदनगोपाल द्वारा लगाया गया।

यशस्वी को आराम के नाम पर बाहर किया जा रहा, टीम प्रबंधन पर बरसे बचपन के कोच

नई दिल्ली। बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल के कोच ज्वाला सिंह ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय में शतक लगाने के बाद भी टी20 सीरीज के लिए टीम में शामिल नहीं किये जाने के लिए टीम प्रबंधन और कोच गौतम गंभीर पर निशाना साधा है। कोच ने कहा कि लगातार अच्छे प्रदर्शन के बाद भी यशस्वी की उपेक्षा हो रही है। उसे आराम देने के नाम पर टीम से बाहर कर दिया जाता है। कोच के अनुसार यशस्वी तीनों की प्रारुपों में खेलने के काबित है पर अब तक उसकी जगह टेस्ट में ही पक्की नजर आती है। कोच का कहना है कि उन्होंने यशस्वी को बचपन से निखारकर क्रिकेटर बनाया है पर आज उसके साथ अन्याय हो रहा है। अभी तक उसकी एकदिवसीय में भी जगह पक्की नहीं हुई है जबकि उसने हर बार अवसर मिलने परा अच्छी बल्लेबाजी की है। ज्वाला ने कहा कि बार-बार उसे बाहर किया जा रहा है। ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज खेलने के बाद जब उसे आराम के नाम पर बाहर किया गया। उसके बाद एशिया कप के लिए चयनित टीम से ही बाहर कर दिया गया। यशस्वी साल 2024 टी20 विश्वपक कप विजेता टीम में भी शामिल थे।

यशस्वी के भाई तेजस्वी की मुश्ताक अली ट्रॉफी में धमाकेदार बल्लेबाजी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम की ओर से जहां यशस्वी जायसवाल ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय में भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। वहीं उनके बड़े भाई तेजस्वी ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से सभी का ध्यान खींचा है। यशस्वी के भाई ने त्रिपुरा की ओर से नंबर तीन पर बल्लेबाजी करते हुए आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए अर्धशतक लगाया। अहमदाबाद में उत्तराखंड के खिलाफ खेलते हुए तेजस्वी ने 37 गेंदों में ही 51 रन बना दिये। उनकी पारी की सहायता से त्रिपुरा ने 6 विकेट पर 163 रन बनाए हालांकि वह अपनी टीम को हार से नहीं बचा पाये। उत्तराखंड की ओर से कप्तान कुनाल चंडेला ने 37 गेंद में 51 रन जबकि जगदीशा सुचित ने सात गेंदों में तीन चौके और एक छक्का लगाकर 21 रन बनकार अपनी टीम को चार विकेट से जीत दिला दी। तेजस्वी भी यशस्वी के साथ ही क्रिकेटर बनने मुम्बई आये थे पर आर्थिक संकटों के कारण वह अपना करियर देर से शुरु कर पाये। इस दौरान वह यशस्वी को आगे बढ़ाने में लगे रहे।

एफआईएच जूनियर महिला हॉकी वर्ल्ड कप : भारत ने वेल्स को 3-1 से हराया

सैंटियागो (चिली), 08 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने एफआईएच जूनियर महिला हॉकी वर्ल्ड कप 2025 के 9/16वें स्थान के क्वालिफिकेशन मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए वेल्स को 3-1 से मात दी। यह मुकाबला सोमवार को सैंटियागो स्थित सेंट्रो डेपोर्टिवो डे हॉकी सेस्पेड, एस्टेडियो नासिओनल में खेला गया।

भारत की ओर से हिना बानो (14वां मिनट), सुनेलिता टोप्पो (24वां मिनट) और इशिका (31वां मिनट) ने गोल दागे, जबकि वेल्स के लिए एलोइस मोएट (52वां मिनट) ने एकमात्र गोल किया।

मैच की शुरुआत से ही भारतीय टीम आक्रामक नजर आई और पहले 30 सेकेंड के भीतर ही पेनल्टी कॉर्नर हासिल कर लिया। भारतीय खिलाड़ियों ने लगातार दबाव बनाए रखा और मौके बनाती रहीं, हालांकि शुरुआती मिनटों में गोल नहीं मिल सका। इस बीच वेल्स को पेनल्टी स्ट्रोक का मौका मिला, लेकिन भारतीय गोलकीपर निधि ने शानदार बचाव करते हुए स्कोर बराबर रखा। पहले क्वार्टर के अंतिम क्षणों में साक्षी राणा की बेहतरीन मूव के बाद हिना बानो ने आसान टैप-इन से भारत को बढ़त दिलाई। दूसरे क्वार्टर में भी भारत का दबदबा जारी रहा और एक बार फिर साक्षी राणा के शॉट के रिबाउंड पर सुनेलिता टोप्पो ने नजदीक से गोल कर बढ़त को 2-0 कर दिया। पहले हाफ में 14 सर्कल एंट्री के साथ भारत मजबूत स्थिति में रहा। दूसरे हाफ की शुरुआत में ही भारत ने तीसरा गोल दाग दिया। वेल्श गोलकीपर के रिबाउंड पर इशिका ने गेंद को गोलपोस्ट में भेज दिया। इसके बाद कोच ज्योति सिंह की टीम ने खेल की रफ्तार पर पूरी तरह नियंत्रण बनाए रखा और ऊंची प्रेस के साथ वेल्स की रक्षा पंक्ति को लगातार पीछे धकेलती रही। आखिरी क्वार्टर में वेल्स की ओर से एलोइस मोएट ने एक गोल जरूर किया, लेकिन यह केवल सांत्वना गोल साबित हुआ। भारतीय टीम ने मजबूती से मैच समाप्त करते हुए 3-1 से जीत दर्ज की।

आईएलटी20 क्रिकेट टूर्नामेंट : पॉवेल की आक्रामक बल्लेबाजी से दुबई कैपिटल्स ने अबूधाबी नाइटराइडर्स को हराया

दुबई। वेस्टइंडीज के आक्रामक बल्लेबाज रोवमैन पॉवेल के तेजी से बनाये अर्धशतक से दुबई कैपिटल्स ने आईएलटी20 क्रिकेट टूर्नामेंट में अबूधाबी नाइटराइडर्स को 83 रन से हरा दिया। इस मैच में पॉवेल ने 52 गेंदों पर आठ चौके और चार छक्के लगाकर नाबाद 96 रन बनाए। पॉवेल की पारी से दुबई कैपिटल्स ने नाइराइडर्स को जीत के लिए 186 रनों का लक्ष्य दिया। जिसका पीछा करते हुए नाइराइडर्स की टीम 15.3 ओवर में 103 रनों पर ही आउट हो गयी। दुबई कैपिटल्स की जीत में पॉवेल की अहम भूमिका नहीं। पॉवेल ने जॉर्डन कॉक्स के साथ मिलकर चौथे विकेट के लिए 119 रन की साझेदारी बनाकर अपनी टीम को एक अच्छे स्कोर तक पहुंचाया। कॉक्स ने 32 गेंदों पर 52 रन बनाये। नाइटराइडर्स की ओर से अंतिम ओवर रसेल ने किया। पॉवेल ने उनकी शुरुआती तीन गेंदों पर 19 रन बना दिये। वहीं पूरे ओवर में 24 रन बने। लक्ष्य का पीछ करते हुए नाइटराइडर्स के केवल चार बल्लेबाज ही दो अंकों तक पहुंचे। सलामी बल्लेबाज फिल सॉल्ट ने सबसे अधिक 27 रन बनाए।

पहले टी20 में अभिषेक के साथ पारी शुरु करेंगे शुभमन, सैमसन की जगह पर जितेश को मिलेगा अवसर

कटक, 08 दिसंबर (एजेंसियां) ।

भारतीय टीम अब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच टी20 मैचों की सीरीज खेलेगी। इसका पहला मुकाबला 9 दिसंबर को कटक में शुरु होगा। अगले साल होने वाले टी20 विश्वकप को देखते हुए ये सीरीज बेहद अहम मानी जा रही है। इस सीरीज में आक्रामक बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के साथ शुभमन गिल पारी की शुरुआत करेंगे। ऐसे में विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को इस सीरीज में अवसर मिलने की संभावना नहीं है। उनकी जगह युवा विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा को शामिल किया जा सकता है। सैमसन सहित कई ऐसे खिलाड़ी भी इस सीरीज से बाहर होंगे जो एकदिवसीय सीरीज में शामिल थे। इसमें यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल सहित कुछ अन्य खिलाड़ी हैं। भारतीय टीम के लिए राहत की बात ये है कि इस मैच से सलामी बल्लेबाज शुभमन और ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या वापसी कर रहे हैं। पंड्या एशिया कप में चोटिल होने के बाद से ही टीम से बाहर थे। वहीं शुभमन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट में गर्दन में आई अकड़न के बाद से ही टीम से बाहर चल रहे थे। इस सीरीज में कप्तान सूर्यकुमार यादव तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए अधिक से अधिक रन बनाना चाहेंगे। उनके अलावा बल्लेबाज तिलक वर्मा पर भी प्रशंसकों की नजरें होंगी। . ऑलराउंडर शिवम दुबे और अक्षर पटेल को भी टीम में लगह मिल सकती है पर स्पिन ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर को शायद ही जगह मिले। सैमसन को एक बार फिर बाहर रहना पड़ सकता है। वहीं स्पिनर के तौर पर कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती को जगह मिल सकती है। ऐसे में टीम में एक ही तेज गेंदबाज को अवसर मिलेगा। बाएं हाथे तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को शायद ही अवसर मिले। मुख्य तेज गेंदबाज के तौर पर जसप्रीत बुमराह टीम में रहेगी। भारत की संभावित अंतिम ग्यारह : शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा, सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, जितेश शर्मा, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती।

रूट के नाम दर्ज हुआ अनचाहा रिकार्ड, ऑस्ट्रेलिया में लगातार 16 वां टेस्ट हारे

ब्रिस्बेन। इंग्लैंड की यहां एशेज के दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार के साथ ही अनुभवी बल्लेबाज जो रूट के नाम एक ऐसा रिकार्ड दर्ज हो गया है जिसे वह भूलना चाहेंगे। अब रूट के नाम ऑस्ट्रेलिया में लगातार 16 टेस्ट में हार का शर्मनाक रिकॉर्ड दर्ज हो गया है। इससे पहले पाकिस्तान में लगातार 15 हार का रिकार्ड भारतीय टीम के महान ऑलराउंडर कपिल देव के नाम था। इनके अलावा किसी भी अन्य क्रिकेटर के नाम किसी देश में बिना किसी जीत के इतने मुकाबले हारने का रिकॉर्ड नहीं है। जिस प्राकर रूट का ऑस्ट्रेलिया में रिकॉर्ड कमजोर रहा, वैसे ही कपिल देव का पाकिस्तान में व्यक्तिगत रिकॉर्ड खराब रहा है। कपिल ने पाक में 22 पारियों में 548 रन बनाए, औसत 26.10 रहा, और 44 विकेट लिए, औसत 40.02 रहा। ये उनके करियर का दूसरे सबसे खराब औसत रहा है। . रूट ने हालांकि इस बार अच्छा प्रदर्शन किया था पर वह अपनी टीम को हार से नहीं बचा पाये। इंग्लैंड टीम के बल्लेबाज ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पाये जिससे टीम हार गयी। उसके बल्लेबाज दोनों पारियों में रन बनाने में विफल रहे। रूट ने हालांकि पहली पारी में शतक लगाया था पर उन्हें किसी से साथ नहीं मिला।

रोहित और कोहली की जगह को लेकर अब सवाल नहीं उठाने चाहिये : बांगर

विशाखापट्टनम, 08 दिसंबर (एजेंसियां) ।

भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाजी कोच संजय बांगर ने कहा है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा बढ़ती उम्र के बाद भी शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। ऐसे में टीम में इनकी जगह को लेकर किसी भी प्रकार के सवाल नहीं उठाये जाने चाहिये। बांगर ने कहा कि पिछले कुछ समय के अंदर दोनो ने अपने प्रदर्शन से दिखा दिय है कि वे अभी भी विश्व के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से हैं। इसलिए इन दोनो के साथ अलग तरह से व्यवहार होना चाहिये। इसके अलावा इसकी टीम में जगह को लेकर किसी प्रकार प्रकार की आशंकाएं नहीं लगायी जानी चाहिये। इन किन ने पिछले छह एकदिवसीय मैचों में अपने को साबित किया है। ऑस्ट्रेलिय और दक्षिय अफ्रीका के खिलाफ देखा जाये तो इन दोनो ने जो खेल दिखाया वह कोई और नहीं दिखा पाया।

बांगर ने कहा, ''मुझे नहीं लगता कि अबटीम में इनकी की जगह को लेकर सवाल उठाए जाने चाहिए। उनके इतने वर्षों में टीम को दिए गए योगदान पर ध्यान देना चाहिए।'' कोहली और रोहित अब केवल एकदिवसीय प्रारूप में ही खेलते हैं। भारतीय टीम ने पिछले कुछ समय में इस प्रारूप में बहुत कम मैच खेले हैं। बांगर का मानना है कि उन्हें लय हासिल करने में कुछ समय लग सकता है। उन्होंने कहा, ''वे दो प्रारूपों से संन्यास ले चुके हैं, इसलिए ज़ाहिर है कि उन्हें लय हासिल करने में कुछ समय लग सकता है पर वे ऐसा कई बार कर चुके हैं। उन्हें किसी युवा खिलाड़ी जितने मैच खेलने की जरूरत नहीं है। एक बार वे जब अपनी लय हासिल कर लेते हैं तो उन्हें रन बनासे से रोकना संभव नहीं होता। ऐस में अगर आप इस तरह के खिलाड़ियों को टीम में चाहते हैं। आपको उनके साथ अलग तरह से व्यवहार करना होगा और उन्हें अपना स्वाभाविक खेल खेलने की आजादी देनी होगी।''उन्होंने कहा, '''जब वे लय में होते हैं तो आपको अंतर साफ नजर आता है। उनके रहने से ही से ड्रेसिंग रूम का माहौल बदल जाता है।

नवनियुक्त केएससीए अध्यक्ष वेंकटेश प्रसाद ने चिन्नास्वामी में आईपीएल व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की वापसी का किया वादा

नई दिल्ली, 08 दिसंबर (एजेंसियां) ।

नवनिर्वाचित कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) के अध्यक्ष और भारत के पूर्व तेज गेंदबाज वेंकटेश प्रसाद ने एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में एक बार फिर आईपीएल और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की वापसी सुनिश्चित करने के साथ-साथ कर्नाटक क्रिकेट के समग्र विकास को प्राथमिकता देने का संकल्प जताया है।

प्रसाद का यह चयन केएससीए के लिए एक नए अध्याय की शुरुआत माना जा रहा है। उल्लेखनीय है कि 4 जून को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की आईपीएल 2025 जीत पर निकाली गई विजय यात्रा के दौरान चिन्नास्वामी स्टेडियम में भगदड़ मच गई थी, जिसमें 11 लोगों की जान चली गई थी। इस घटना के बाद केएससीए सवालों के घेरे में आ गया था। पूर्व में 2010 से 2013 तक केएससीए के उपाध्यक्ष रह चुके प्रसाद ने भारत के लिए 33 टेस्ट और 161 एकदिवसीय मैच खेले हैं। उन्होंने कहा कि चुनावों में क्लीन स्वीप करने वाले उनके 'टीम गेम चेंजर्स' पैनल का उद्देश्य संगठन का फोकस फिर से क्रिकेट पर लाना और चिन्नास्वामी स्टेडियम की प्रतिष्ठा को एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय स्थल के रूप में बहाल करना है।

प्रसाद ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'केएससीए अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभालकर खुद को गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। चिन्नास्वामी में आईपीएल और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की वापसी और कर्नाटक क्रिकेट के हर स्तर पर विकास के लिए प्रतिबद्ध हूं। टीमवर्क, पारदर्शिता और समर्पण के साथ हम अपने लक्ष्य तक जरूर पहुंचेंगे। मुझ पर विश्वास जताने वाले हर सदस्य का धन्यवाद।' पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुजित सोमसुंदर को रविवार को केएससीए का उपाध्यक्ष चुना गया है, जबकि संतोष मेनन सचिव पद पर लौटे हैं। मेनन इससे पहले 2019 से 2022 तक भी इस पद पर रह चुके हैं। बी.एन. मधुकर को कोषाध्यक्ष चुना गया है, वहीं प्रतिद्वंद्वी के.एन. शांत कुमार पैनल के बीके रवि ने संयुक्त सचिव का पद हासिल किया। केएससीए चुनावों में कड़ा मुकाबला देखने को मिला। कई नामांकन पत्र खारिज हुए और एक हाईकोर्ट केस ने चुनावी माहौल को और गरमाया। रविवार को 1,307 वोट डाले गए, जो 2013 के रिकॉर्ड 1,351 मतों से कुछ कम थे। वेंकटेश प्रसाद को 749 वोट मिले, जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी के.एन. शांत कुमार को 588 वोट प्राप्त हुए। प्रसाद पैनल को पूर्व भारतीय दिग्गज अनिल कुंबले और जवागल श्रीनाथ का भी समर्थन हासिल था, जो 2010 से 2013 के बीच क्रमशः केएससीए अध्यक्ष और सचिव रह चुके हैं। उपाध्यक्ष पद पर सोमसुंदर ने 719 वोट हासिल कर डी. विनोद शिवप्पा (588) को हराया। सचिव पद पर संतोष मेनन ने 672 वोट पाकर ई.एस. जयराम (632) को मात दी। कोषाध्यक्ष पद पर मधुकर ने 736 वोट के साथ एम.एस. विनय (571) को पराजित किया। संयुक्त सचिव पद पर बीके रवि ने 669 वोट के साथ ए.वी. शशिधर (638) को हराया। प्रबंध समिति के दो आजीवन सदस्य पदों पर वी.एम. मंजुनाथ (690 वोट) और सैलेश एन. पोल (618 वोट) चुने गए। बेंगलुरु ज़ोन से पूर्व क्रिकेटर कल्पना वेंकटाचर (764 वोट), अविनाश वैद्य (691) और आशीष अमरलाल (703) ने तीनों उपलब्ध सीटें अपने नाम कीं।

घरेलू बाजार में इंडिगो की 65.6 फीसदी हिस्सेदारी

नई दिल्ली, 08 दिसंबर (एजेंसियां)।

भारतीय घरेलू विमानन बाजार में इंडिगो का दबदबा अब वैश्विक स्तर पर दुर्लभ माना जा रहा है। अक्टूबर तक इंडिगो की बाजार हिस्सेदारी 65.6 प्रतिशत रही, जो दुनिया के अन्य बड़े विमानन बाजारों में किसी एक कंपनी के पास नहीं है। एयर इंडिया के साथ मिलकर इंडिगो और एयर इंडिया की हिस्सेदारी 91.3 प्रतिशत तक पहुंच गई है। इसका सीधा असर यह है कि नई और छोटी कंपनियों के लिए भारतीय बाजार में प्रवेश करना और विस्तार करना मुश्किल हो गया है। अमेरिका में शीर्ष तीन कंपनियों की संयुक्त हिस्सेदारी केवल 58 प्रतिशत है। अमेरिकी सबसे बड़ी एयरलाइन, अमेरिकन एयरलाइंस की हिस्सेदारी केवल 21 प्रतिशत है, जिससे अन्य कंपनियों को

भारत का बाजार केवल इंडिगो और एयर इंडिया के हाथों में

बाजार में फलने-फूलने का अवसर मिलता है। चीन में सरकार नियंत्रित विमानन कंपनियों की हिस्सेदारी भी भारत से काफी कम है। चाइना सदर्न के पास 16 प्रतिशत, चाइना ईस्टर्न के पास 14 प्रतिशत और शीर्ष तीन कंपनियों की संयुक्त हिस्सेदारी केवल 58 प्रतिशत है। केवल ऑस्ट्रेलिया में कैंटास और वर्जिन का 98 प्रतिशत बाजार नियंत्रण भारत जैसा केंद्रीकरण दिखाता है। भारत में दो कंपनियों का प्रभुत्व बाजार को असंतुलित बना रहा है। इससे न केवल नई कंपनियों के लिए अवसर सीमित हो जाते हैं, बल्कि प्रतिस्पर्धा कम होने और कीमतों पर नियंत्रण की संभावनाएं भी बढ़ जाती हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि इस स्थिति में नियामक हस्तक्षेप और प्रतिस्पर्धा को बढ़ाने वाली नीतियों की आवश्यकता है।

एयर इंडिया ने इकोनॉमी टिकटों पर फेयर कैप लागू किया

नई दिल्ली। एयर इंडिया ने अपनी इकोनॉमी क्लास के हवाई टिकटों पर अधिकतम किराए की सीमा (फेयर कैप) लागू कर दी है। यह निर्णय सरकार के निर्देश के बाद लिया गया, खासकर इंडिगो की उड़ानों के बड़े पैमाने पर रद्द होने और टिकटों की कीमतों में अचानक वृद्धि के कारण। एयर इंडिया ने स्पष्ट किया है कि जिन यात्रियों ने हाल ही में तय सीमा से ज्यादा कीमत पर टिकट खरीदी है, उन्हें अंतर की राशि लौटाई जाएगी। इसका मतलब है कि अतिरिक्त पैसे अपने आप यात्रियों के खाते में वापस कर दिए जाएंगे। बुकिंग सिस्टम में नए नियम लागू करना शुरू कर दिया गया है। एयर इंडिया एक्सप्रेस में यह प्रक्रिया पूरी हो चुकी है, जबकि बाकी एयर इंडिया फ्लाइट्स में यह बदलाव चरणबद्ध तरीके से लागू किया जा रहा है। जल्द ही सभी प्लेटफॉर्म पर नए और नियंत्रित किराए दिखाई देंगे। इस कदम से आम यात्रियों को सीधा फायदा होगा। अंतिम समय में टिकट बुक करने पर अचानक महंगे दाम नहीं चुकाने पड़ेंगे। त्योहारों, छुट्टियों या आपातकालीन परिस्थितियों में यात्रा करने वाले लोग इससे बड़ी राहत महसूस करेंगे।

न्यूज ब्रीफ

पुराने नामों से नई पहचानः ऑटो कंपनियों की रणनीति रंग ला रही

नई दिल्ली। भारतीय ऑटोमोबाइल कंपनियां पुराने और प्रसिद्ध ब्रांड नामों का इस्तेमाल करके ग्राहकों का ध्यान खींच रही हैं। नए मॉडल्स की भीड़ में यह रणनीति कंपनियों को अलग पहचान बनाने और पुराने ग्राहकों की भावनाओं से जुड़ने में मदद करती है। आईसीआरए के एक व :रिष्ठ अ :धिकारी के अनुसार, पुराने ब्रांड्स में पहले से भरोसा और पहचान मौजूद होती है, इसलिए नए मॉडल जल्दी अपनाए जाते हैं और मार्केटिंग खर्च भी कम होता है। टाटा मोटर्स ने लगभग तीन दशक बाद सिएरा को वापस लाया और 2021 में सफारी को रिवाइवल किया। मारुति सुजुकी ने 2015 में बालेनो को प्रीमियम हैचबैक के रूप में लॉन्च किया। हुंडे ने 2018 में सेंट्रो को पुन: पेश किया, जबकि महिंद्रा ने 2022 में स्कॉर्पियो-एन और स्कॉर्पियो क्लासिक लॉन्च किया। अन्य उदाहरणों में मारुति ग्रैंड विटारा और महिंद्रा बोलेरो नियो शामिल हैं। विशेषज्ञों के अनुसार पुराने नाम में भरोसा और पहचान होती है, लेकिन डिज़ाइन और फीचर्स सही न हों तो सफलता नहीं मिलती। पुराने नाम के साथ आधुनिक इंजीनियरिंग जोड़कर कंपनियां पुराने और नए दोनों ग्राहकों को आकर्षित कर रही हैं।

कॉरपोरेट बॉन्ड मार्केट नीतिगत दर में कटौती से उत्साहित

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति ने रेपो दर में 25 आधार अंक की कटौती की है। इससे बैंकों के लिए उधार सस्ता हुआ और बाजार में नकदी की उपलब्धता बढ़ी। विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम कॉरपोरेट बॉन्ड मार्केट को मजबूती देने के लिए सकारात्मक संकेत है। सरकारी वित्तीय संस्थाएं, पीएफसी और :सिडबी मंगलवार को बॉन्ड मार्केट से कुल 11,500 करोड़ रुपये जुटाने की तैयारी कर रही हैं। इससे निवेशकों के बीच दीर्घकालिक बॉन्ड में रुचि बढ़ने की संभावना है। हालांकि, पहले उच्च यील्ड के कारण पीएफसी ने 25 नवंबर को 3 वर्षीय बॉन्ड जारी करने का निर्णय वापस ले लिया था। नीतिगत घोषणाओं के बाद बाजार की धारणा में सुधार आया है। आरबीआई की ओपन मार्केट ऑपरेशन (ओएमओ) और रुपये-अमेरिकी डॉलर स्वैप से निवेशकों का विश्वास बढ़ा है कि नकदी की स्थिति अनुकूल रहेगी। कई फंड और संस्थाएं तत्काल निवेश नहीं कर रही हैं। उनका ध्यान लंबी अवधि के निर्गमों पर है, ताकि भविष्य निधि और पेंशन फंड से राशि आकर्षित की जा सके। बड़े फंड पहले से पूंजी लगाने को प्राथमिकता देते हैं ताकि नियामक और परिसंपत्ति आवंटन आवश्यकताएं पूरी हों। अक्टूबर में कंपनियों ने कॉरपोरेट बॉन्ड के जरिए 17,500 करोड़ रुपये जुटाए थे। भारती टेलीकॉम ने दो खंडों में 10,500 करोड़ रुपये जुटाए। यह दिखाता है कि बॉन्ड बाजार में निवेशकों की रुचि लगातार बनी हुई है।

क्रैश टेस्ट में फेल, फिर भी खूब बिक रही ह्यूदै ग्रांड आई10

नई दिल्ली। ह्यूदै ग्रांड आई10 कार क्रैश टेस्ट में फेल होने के बावजूद जमकर बिक रही है। ग्लोबल एनकैप टेस्ट में कार ने एडल्ट सुरक्षा में 0 स्टार और चाइल्ड सुरक्षा में 3 स्टार हासिल किए। यह टेस्ट सफर कार्स फार अफ्रिका अभियान के तहत किया गया था। रिपोर्ट्स के अनुसार, इस वाहन में गंभीर दुर्घटना की स्थिति में जानलेवा चोटों का जोखिम अधिक है। टेस्ट मॉडल में ड्राइवर और पैसेंजर एयरबैग, सीट बेल्ट रिमाइंडर, प्री-टेंशनर, लोड लिमिटर और इसोफिक्स माउंट्स जैसे फीचर्स मौजूद थे। बावजूद इसके, ग्लोबल एनकैप ने इसे निराशाजनक बताया। संगठन ने साफ किया कि यह रेटिंग केवल दक्षिण अफ्रीकी वैरिएंट पर लागू होती है, लेकिन यह सवाल उठता है कि एक ही प्लेटफॉर्म पर बनी गाड़ियों की सुरक्षा विभिन्न बाजारों में इतनी अलग क्यों होती है। एडल्ट सुरक्षा के आंकड़ों में ग्रांडआई10 ने 34 में से 0 अंक हासिल किए। फ्रंटल ऑफसेट टेस्ट में सिर और गर्दन की सुरक्षा तो संतोषजनक रही, लेकिन ड्राइवर की चेस्ट प्रोटेक्शन 'पूअर' पाई गई। पैसेंजर की चेस्ट सुरक्षा 'एडक्वेट' रही।

सप्ताह की शुरुआत में सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट, सोना 122 रुपए : गिरकर 1,30,340, चांदी कि 1508 रुपए लुढ़की

नई दिल्ली, 08 दिसंबर (एजेंसियां)।

सप्ताह के पहले दिन सोमवार को सोना और चांदी के भाव में गिरावट देखने को मिली है। घरेलू बाजार एमसीएक्स से लेकर अंतरराष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स तक दोनों कीमती धातुओं में नरमी का रुख बना हुआ है। ऊंचे स्तरों से प्रॉफिट बुकिंग और वैश्विक संकेतों के बीच यह कमजोरी दर्ज की गई। घरेलू बाजार में मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने के फरवरी वायदा की शुरुआत 31 रुपये की गिरावट के साथ 1,30,431 रुपए प्रति 10 ग्राम पर हुई, जबकि पिछला बंद भाव 1,30,462 रुपए था। इस समय यह और फिसलकर 1,30,340 रुपए पर कारोबार कर रहा था, जो 122 रुपये की गिरावट को दर्शाता है।

दिन के दौरान सोने ने 1,30,509 रुपए का उच्च और 1,30,233 रुपए का निम्न स्तर छुआ। इस वर्ष सोने के वायदा भाव ने अब तक 1,31,699 रुपए का उच्चतम स्तर बनाया है। चांदी के मार्च वायदा की शुरुआत भी नरमी के साथ 1,81,900 रुपए पर हुई, जो पिछले बंद स्तर 1,83,408 रुपए की तुलना में 1,508 रुपये कम है। कारोबार के दौरान चांदी और टूटकर 1,81,386 रुपए प्रति किलो पर आ गई, जिसमें 2,022 रुपये की गिरावट शामिल है। इस दौरान इसका उच्च स्तर 1,81,900 रुपए और निम्न स्तर 1,80,974 रुपए रहा। साल के दौरान चांदी ने 1,84,743 रुपए प्रति किलो का उच्च स्तर दर्ज किया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स पर भी सोने और चांदी में कमजोरी बनी रही। सोना :विदेशी बाजार में 4,228.10 प्रति औंस पर खुला, जो पिछले बंद भाव 4,243 डॉलर से कम रहा। इस समय यह 4,239.30 डॉलर पर ट्रेड कर रहा था। इस साल सोने का उच्चतम स्तर 4,398 डॉलर रहा है। दूसरी ओर, चांदी 58.76 डॉलर प्रति औंस पर खुली और गिरकर 58.38 डॉल्र पर पहुंच गई, जबकि इसका वार्षिक उच्च स्तर 59.61 डॉलर है।

नया स्पेशल एडिशन मोटोरोला एज 70 पेश

नई दिल्ली। स्मार्टफोन निर्माता कंपनी मोटोरोला ने अपनी स्मार्टफोन रेंज में एक नया स्पेशल एडिशन मोटोरोला एग्ज 70 पेश किया है। फोन का बैक पैनल विगन-लेदर से बनाया गया है और उस पर 14 असली स्वारोवस्की क्रिस्टल जड़े गए हैं, जिससे यह दिखने में बेहद प्रीमियम और स्टाइलिश बन जाता है। इस संस्करण को पैनटोन और स्वारोवस्की के सहयोग से तैयार किया गया है। पैनटोन के कलर ऑफ द ईयर 2026 - क्लाउड डांसर को भी इस मॉडल में शामिल किया गया है, जो इसे अनोखा लुक देता है। मोटोरोला एग्ज 70 स्पेशल एडिशन में हार्डवेयर वही है जो मूल संस्करण में था। फोन में 6.67 इंच का पीओलेड डिस्प्ले है, जिसका रिज़ॉल्यूशन 1220गुणा2712 पिक्सल है। यह 120 एचझेड रिफ्रेश रेट, एचडीआर प्लस सपोर्ट और 4500 निट्स पीक ब्राइटनेस के साथ आता है। सुरक्षा के लिए गोरिल्ला ग्लास 7आई का उपयोग किया गया है। फोन में स्नैपड्रेगन 7 जेन 4 प्रोसेसर, 12जीबी रैम और 512जीबी स्टोरेज है। यह एंड्रॉयड 16 आधारित हेलो यूआई पर चलता है और इसमें मोटो एआई फीचर्स शामिल हैं। कैमरा सेटअप में ओआईएस के साथ 50 एमपी मुख्य कैमरा, 50एमपी अल्ट्रावाइड और 50एमपी फ्रंट कैमरा शामिल हैं। डिवाइस में डुअल स्टीरियो स्पीकर के साथ डॉल्बी एटमॉस सपोर्ट है। सुरक्षा के लिहाज से फोन को एमआईएल-एसटीडी-810एच ड्यूरेबिलिटी सर्टिफिकेशन मिला है और यह आईपी68/आईपी69 रेटिंग के साथ धूल और पानी से सुरक्षित है। बैटरी क्षमता 4800एमएएच है, जो 68डब्ल्यू वायर्ड और 15डब्ल्यू वायरलेस चार्जिंग सपोर्ट करती है। यूके में इसकी कीमत 700 पाउंड (लगभग 80,000 रुपये) और यूरोप में 799 यूरो (लगभग 81,000 रुपये) रखी गई है।

स्वास्थ्य उद्योग ने पान मसाला उत्पादन पर उपकर का किया स्वागत

नई दिल्ली, 08 दिसंबर (एजेंसियां)।

नई संसद में पारित स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर विधेयक 2025 का लक्ष्य सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणालियों और राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करना है। इस विधेयक के तहत विशेष रूप से पान मसाला जैसे अस्वास्थ्यकर उत्पादों के विनिर्माण या उत्पादन पर उपकर लगाया जाएगा।

उद्योग विशेषज्ञों ने इसे प्रगतिशील कदम करार दिया है, क्योंकि इससे अस्वास्थ्यकर उत्पादों से होने वाले लाभ को सार्वजनिक स्वास्थ्य में निवेश के लिए इस्तेमाल किया जा सकेगा। विशेष बात यह है कि यह उपकर उत्पाद की वास्तविक मात्रा पर नहीं, बल्कि उत्पादन क्षमता पर आधारित होगा। इसमें मशीनों की प्रकार, गति, भार उठाने की क्षमता और मैनुअल प्रक्रियाओं की प्रकृति शामिल होगी। इसका मतलब यह है कि चाहे उत्पादन मशीनों या हाथों से हो, दोनों पर उपकर लागू होगा।

विधेयक का लक्ष्य सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणालियों और राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करना

विनिर्माताओं को मासिक रिटर्न दाखिल करना होगा और हर महीने की 7 तारीख तक उपकर का भुगतान करना अनिवार्य होगा। उद्योग को अपनी मशीनरी और मैनुअल प्रक्रियाओं की पूरी घोषणा करनी होगी।

उद्योग और विशेषज्ञों ने कहा कि यह कदम अस्वस्थ उत्पादों से होने वाले लाभ को स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे में निवेश करने की दिशा में समय की आवश्यकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह नीतिगत बदलाव राष्ट्रीय सुरक्षा के बराबर सार्वजनिक स्वास्थ्य पर ध्यान देने का संकेत देता है। इस विधेयक से भारत को गैर-संचारी रोगों, संक्रामक रोगों और मातृ-शिशु स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटने के लिए वित्तीय संसाधन सुनिश्चित होंगे। विशेषज्ञ इसे स्वास्थ्य और सुरक्षा को जोड़ने वाले क्रांतिकारी कदम मान रहे हैं।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने भी होम एवं कार लोन किए सस्ते

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती के बाद इसका असर बैंकिंग सेक्टर में तुरंत दिखने लगा है। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ महाराष्ट्र (बीओएम) ने भी अपने सभी आरएलएलआर लिंक्ड उत्पादों—जिनमें घर, कार, शिक्षा और अन्य ऋण शामिल हैं, पर ब्याज दरों में 0.25 फीसदी की कमी कर दी है। बैंक ऑफ महाराष्ट्र के अनुसार दरों में कटौती के बाद होम लोन की ब्याज दर अब 7.10 फीसदी से शुरू होगी, जबकि कार लोन की ब्याज दर 7.45 फीसदी रहेगी। बैंक का कहना है कि ये दरें मौजूदा समय में बैंकिंग उद्योग की सबसे प्रतिस्पर्धी दरों में शामिल हैं। ब्याज दरों में कमी से ग्राहकों की ईएमआई घटेगी, जिससे उन्हें लोन लेने में आसानी होगी और मांग बढ़ने की संभावना है।

वोडाफोन आइडिया ने एजीआर बकाया में छूट और पुनर्गणना का प्रस्ताव दिया

कंपनी अपने वित्त से ब्याज का भुगतान करने में सक्षम होगी

नई दिल्ली, 08 दिसंबर (एजेंसियां)।

पिछले कई वर्षों से वित्तीय संकट झेल रही निजी दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया (वीआई) ने दूरसंचार विभाग को प्रस्ताव सौंपा है। कंपनी ने एजीआर (एडजस्टड ग्रास रेवेन्यू) बकाया की पुनर्गणना करने और जुर्माने तथा ब्याज पर एकमुश्त छूट देने का अनुरोध किया है। प्रस्ताव में बकाया राशि की गणना में मौजूद अंकगणितीय त्रुटियों और दोहराव को हटाकर इसे समायोजित करने का प्रस्ताव है।

सूत्रों के अनुसार इससे बकाया राशि करीब आधी हो सकती है, जिससे कंपनी अपने वित्त से ब्याज का भुगतान करने में सक्षम होगी। वित्त वर्ष 2017 तक वीआई की एजीआर देनदारी 58,254 करोड़ रुपये थी। इसमें मूल राशि 12,797 करोड़, ब्याज 28,294 करोड़, जुर्माना 6,012 करोड़ और जुर्माने पर ब्याज 11,151 करोड़ शामिल थे। मार्च 2025 तक कुल देनदारी बढ़कर 83,400 करोड़ रुपये हो गई है, जिसमें वित्त वर्ष 2019 तक के लाइसेंस शुल्क के 9,450 करोड़ रुपये भी शामिल हैं। कंपनी की 25,000 करोड़ रुपये की फंडिंग प्रक्रिया, 50,000-55,000 करोड़ रुपये की पूंजीगत व्यय योजना का हिस्सा है। यह निवेश वीआई को 5जी सेवाओं के लिए प्रतिस्पर्धी बने रहने में मदद करेगा। सूत्रों ने बताया कि सर्कल स्तर पर एजीआर की पुनर्गणना प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। यह प्रस्ताव सितंबर में सर्वोच्च न्यायालय में पेश संशोधित याचिका के अनुरूप है, जिसमें वीआई ने कहा था कि बकाया राशि के कई घटक अंतिम रूप नहीं दिए गए थे। कंपनी ने वित्त वर्ष 2017 तक अपने एजीआर बकाया की व्यापक पुनर्गणना और देनदारियों की पुनर्मूल्यांकन की मांग की है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

रोमियो लेन के मुख्य...

इस बीच, पुलिस ने दिल्ली से भारत कोहली को हिरासत में लेकर ट्रांजिट रिमांड हासिल कर लिया है। उसे आगे की पूछताछ के लिए गोवा लाया जा रहा है। सभी मृतकों का पोस्टमार्टम पूरा कर लिया गया है और शव उनके परिजनों को सौंप दिए गए हैं।फिलहाल गोवा पुलिस दिल्ली में मौजूद है। गोवा पुलिस अजय गुप्ता नाम के शख्स की तलाशी कर रही है। सूत्रों के मुताबिक, गोवा के जिस क्लब में आग लगी उस क्लब में सौरभ और गौरव के साथ अजय गुप्ता भी पार्टनर हैं। अजय गुप्ता को गोवा पुलिस गिरफ्तार कर सकती है।सूत्रों के मुताबिक सौरभ और गौरव दोनों भाइयों ने दिल्ली एयरपोर्ट से फ्लाइट पकड़ी थी। हादसे के वक्त दोनों दिल्ली में थे। जैसे ही गोवा के क्लब में आग लगी दोनों भाइयों ने फुकेट भागने की प्लानिंग की। दोनों दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचे और फरार हो गए।

हुमायूं कबीर के साथ...

उन्होंने कहा कि मुस्लिम समुदाय उकसावे से प्रेरित राजनीति का समर्थन नहीं करता। एआईएमआईएम नेता ने कहा,मुस्लिम समुदाय राष्ट्र निर्माण में विश्वास रखता है, उसे तोड़ने में नहीं। वह देश को मजबूत करने वाली ताकतों के साथ खड़ा है और अशांति और विभाजन पैदा करने वालों को नकारता है।पार्टी प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी का उल्लेख करते हुए वकार ने कहा, ओवैसी साहब की राजनीति संवैधानिक मूल्यों, शांति और सामाजिक सद्भाव पर आधारित है। वह ऐसे किसी भी व्यक्ति से नहीं जुड़ सकते जिसके कार्य एकता को खतरे में डालते हों, सामाजिक मतभेदों को गहरा करते हों या विनाश की राजनीति को बढ़ावा देते हों।उन्होंने यह भी दावा किया कि पश्चिम बंगाल के मुसलमान कबीर के हालिया कदमों के पीछे की राजनीतिक मजबूरियों से पूरी तरह वाकिफ हैं। वकार ने कहा, लोग साफ तौर पर समझते हैं कि वह किसके इशारे पर, किस हद तक और किस मकसद से काम कर रहे हैं।कबीर को पिछले सप्ताह पार्टी नेतृत्व के साथ बार-बार टकराव के बाद टीएमसी से निलंबित कर दिया गया था। उन्होंने 22 दिसंबर को एक नया राजनीतिक दल बनाने की योजना की घोषणा की है और दावा किया है कि वह एआईएमआईएम और अन्य दलों के साथ संभावित गठबंधन के लिए बातचीत कर रहे हैं।सोमवार का बयान एआईएमआईएम द्वारा इन दावों का पहला औपचारिक खंडन है।

खालिस्तानी आतंकी...

रेहल पर भारत में आतंकवाद से जुड़ी संस्थाओं से संबंध होने का संदेह है।इसी आतंकी समूह को बढ़ावा देने और समर्थन देने के आरोप में बब्बर अकाली लहर की संपत्ति भी फ्रीज कर दी गई है।ब्रिटेन के ट्रेजरी विभाग के अनुसार, रेहल और बब्बर अकाली लहर पर बब्बर खालसा की आतंकी गतिविधियों में शामिल होने, भर्ती करने और वित्तीय सेवाएं प्रदान करने का आरोप है।इन प्रतिबंधों के तहत इन व्यक्तियों और संस्थाओं से जुड़ी यूके की सभी संपत्ति और आर्थिक संसाधन अब फ्रीज कर दिए गए हैं।

संकट के पीछे बताए...

कंपनी का दावा है कि वह पहले से ही डीजीसीए से एफडीटीएल नियमों में छूट या स्थगन मांग रही थी, लेकिन जब दिसंबर की शुरुआत में ये सारे कारक एक साथ आए, तो क्रू की उपलब्धता अचानक कम हो गई, और नेटवर्क पर दबाव बढ़ गया।पांच दिसंबर को इंडिगो ने नेटवर्क रिबूट किया, यानी बड़ी संख्या में उड़ानें जानबूझकर रद्द कीं, ताकि फंसे यात्रियों को निकाला जा सके और क्रू तथा विमान को सही जगह पहुंचाया जा सके।कंपनी का कहना है कि इन कदमों की वजह से छह दिसंबर से सेवाएं धीरे-धीरे सामान्य होने लगी हैं।यात्रियों को होटल, भोजन, परिवहन और रिफंड की सुविधा जितना संभव था दी गई।हालांकि, यह दावा जमीनी स्थिति से मेल नहीं खाता, क्योंकि अधिकांश यात्रियों को कोई भी सुविधा नहीं दी गई है। इंडिगो ने अब तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि उसकी अपनी प्लानिंग और मैनेजमेंट में क्या बड़ी चूक हुई। ना ही सोमवार को राज्यसभा में नागरिक उड्डयन मंत्री की तरफ से जो दो सूचनाएं दी गई हैं, उनका भी जवाब दिया गया है।

बहरहाल, डीजीसीए ने कहा है कि इस जवाब का अध्ययन किया जा रहा है और जल्द ही उचित कार्रवाई करेगा। सूत्र बता रहे हैं कि नियामक एजेंसी इंडिगो के इस समय मांगने से संतुष्ट नहीं है और कड़ी सज़ा की तैयारी में है।

सफला एकादशी 15 को

जानें सही पूजा विधि और महत्व

पौष माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि को सफला एकादशी के नाम से जाना जाता है। हिंदू धर्म में एकादशी तिथि को बहुत उत्तम और पुण्यकारी माना जाता है। इस व्रत को करने से बेहद पुण्य फल प्राप्त होता है और जीवन के हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त हो सकती है। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा करने का महत्व होता है और साथ ही पवित्र नदी में स्नान भी किया जाता है। सफला एकादशी पर व्रत और विधि-विधान से पूजा करने से मनोकामनाएं पूर्ण हो सकती हैं। ऐसे में आइए जानते हैं सफला एकादशी की तिथि, पूजा विधि और इसका महत्व...

पौष माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि का आरंभ 14 दिसंबर, रविवार के दिन शाम को 6 बजकर 50 मिनट पर होगा। वहीं, अगले दिन 15 दिसंबर को रात के 9 बजकर 21 मिनट पर इसका समापन होगा। ऐसे में उदय तिथि के नियमानुसार सफला एकादशी का व्रत 15 दिसंबर, सोमवार को रखा जाएगा। इस दिन सुबह और शाम विधि-विधान से भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा करनी चाहिए।

सफला एकादशी पूजा विधि

एकादशी तिथि के दिन व्रत रखने वाले जातकों को सुबह ब्रह्म मुहूर्त में उठ जाना चाहिए। इसके बाद घर और मंदिर की साफ-सफाई करने के बाद स्नानादि करें व साफ वस्त्र धारण करें। फिर, विष्णुजी के मंत्र सहित ध्यान करके व्रत का संकल्प जरूर लेना चाहिए। अब अपने पूजा घर में एक चौकी पर लाल या पीले रंग का वस्त्र बिछाएं। इसके बाद, मंदिर में गंगाजल का छिड़काव करें और चौकी पर भगवान विष्णु व माता लक्ष्मी की मूर्ति स्थापित करें। अब पूजा के लिए घट स्थापना करने के बाद देसी घी का दीपक प्रज्वलित करें और भगवान को फूल-माला, तुलसी दल जरूर चढ़ाएं। फिर, धूप-दीप के साथ भगवान की आरती करें और विष्णु सहस्रनाम व कनक स्तोत्र का पाठ करें। साथ ही, दिन व्रत कथा का पाठ भी अवश्य करना चाहिए। पूजा के बाद माता लक्ष्मी और विष्णुजी को दूध से बनी चीजें जैसे खीर का भोग लगाएं। व्रती को सफला एकादशी के दिन शाम के समय भी विधि-विधान से पूजा-आरती करनी चाहिए। इसके बाद तुलसी की पूजा करें और जरूरतमंदों को अपने सामर्थ्य अनुसार दान करें।

सफला एकादशी का महत्व

ऐसी मान्यता है कि साल की इस एकादशी का व्रत करने से व्रती को हर काम में सफलता प्राप्त होती है। सफला एकादशी के दिन विधि-विधान से पूजा और व्रत करने से जीवन में सभी प्रकार के सुखों की प्राप्ति हो सकती है। साथ ही, इससे जातक को मोक्ष मिल सकता है। धार्मिक मान्यताओं और शास्त्रों के अनुसार सभी व्रतों में एकादशी के व्रत को सबसे उत्तम और पुण्यकारी माना गया है। कहा जाता है कि पांच हजार वर्ष तक तप करने के समान फल सफला एकादशी का व्रत करने से प्राप्त होता है। साथ ही, व्रती को भगवान विष्णु की विशेष कृपा प्राप्त हो सकती है।

सपने में इन चीजों का दिखना होता है बेहद शुभ

सपनों का हमारे जीवन में खास महत्व होता है। अकसर लोग रात को सोते समय कई तरह की चीजें देखते है। कुछ सपने अच्छे होते है तो कुछ डरावने भी होते है। कई बार ऐसा होता है कि एक ही सपना आपको बार-बार आपको दिखता है। नींद में दिखाई देने वाले सपने सिर्फ कल्पना नहीं होते । स्वप्न शास्त्र में इन सपनों को भविष्य में होने वाली घटनाओं का संकेत माना जाता है। कई बार ये सपने अच्छे भविष्य की तरफ इशारा करते हैं, जबकि कुछ आने वाली मुसीबतों का संकेत देते हैं।

सपने में पानी, नदी देखना

सपने में पानी, नदी या झरना देखना शुभ माना जाता है। अगर सपने में साफ और बहता हुआ पानी दिखाई दे तो यह धन मिलने का संकेत माना जाता है। ये सपना बताता है कि आपके जीवन की परेशानियां कब खत्म होने वाली है। जबकि सपने में गंदा पानी जीवन में आने वाली चुनौतियों की तरफ इशारा करता है।

सपने में फूल दिखाई देना

स्वप्न शास्त्र के अनुसार, सपने में फूल या फूलों का बगीचा दिखाई देना बहुत शुभ माना जाता है। ये आने वाले अच्छे भविष्य का संकेत देता है। ऐसा माना जाता है कि इस प्रकार का सपना जीवन में किसी बड़ी खुशखबरी की ओर इशारा करता है। सपने में कमल का फूल देखना धन लाभ का संकेत होता है।

सपने में सोना-चांदी देखना

सपने में सोने या चांदी के आभूषण दिखना भी बेहद शुभ माना जाता है। स्वप्न शास्त्र के अनुसार, यह भविष्य में आने वाले आर्थिक लाभ का संकेत माना जाता है। सपने में सोना खरीदते हुए नजर आना बताता है कि आपको जल्द ही धन प्राप्ति, नई नौकरी या प्रमोशन मिलने की संभावना है।

सपने में मंदिर, भगवान के दर्शन करना

कई बार सपनों में मंदिर या भगवान के दर्शन होते हैं। स्वप्न शास्त्र में इसे बेहद आध्यात्मिक माना जाता है। यह जीवन में चल रही परेशानियों के खत्म होने का संकेत देता है। माना जाता है कि ऐसे सपनों के बाद जीवन में परेशानियां धीरे-धीरे कम होने लगती हैं। ऐसा सपना आने वाले समय में इच्छाओं की पूर्ति का प्रतीक भी माना जाता

सपने में सांप को देखना

सपने में सांप को देखना शुभ और अशुभ दोनों हो सकता है। ज्योतिष के अनुसार यह सपना धन वृद्धि का सूचक होता है। सपने में सफेद सांप का दिखना बड़े आर्थिक अवसर की ओर इशारा करता है। इसके अलावा, सांप का पीछा करना समस्याओं का प्रतीक माना जाता है।

सूर्य-बुध-शुक्र की युति से बन रहा त्रिग्रह योग में निम्न राशियों को होगा धन लाभ

सूर्य, बुध और शुक्र की युति 9 दिसंबर 2025, मंगलवार को होने जा रही है। इस शुभ संयोग से त्रिग्रह योग बन रहा है। वैदिक ज्योतिष में तीन ग्रहों के एक ही राशि में आने को बेहद शक्तिशाली और शुभ योग माना जाता है। इन तीनों ग्रहों की स्थिति व्यक्ति को मान-सम्मान, प्रतिष्ठा और धन लाभ के अवसर देती है। इस योग का सीधा प्रभाव सभी राशि के लोगों के करियर और व्यापार पड़ता है। हालांकि कुछ राशियों को इससे अत्यधिक लाभ मिलेगा, जबकि कुछ को सावधानी बरतने की जरूरत है।

मेष –मेष राशि के लोगों को आज के दिन दूसरों की भावनाओं का ध्यान रखना होगा। अपने करीबी लोगों की भावनाओं का सम्मान करें और उनके अनुसार चलने का प्रयास करें। ऐसा करने से आपको आत्म संतोष होगा। कभी-कभी दूसरों की बात सुनना फायदेमंद रह सकता है। दुकान या कार्यक्षेत्र में कोई समस्या हो सकती है। टीमवर्क के जरिए समस्या का हल निकालेंगे तो सफलता मिलेगी।

वृष –आपकी राशि का स्वामी शुक्र षष्ठम घर में है। चतुर्थ भाव में केतु पराक्रम भाव को शुभ दृष्टि से देख रहा है। शुक्र सांसारिक सुख भोगों का प्रतिनिधि है। इससे आवश्यक सामान की खरीदारी में शाम तक का समय व्यतीत हो सकता है। घर परिवार के वृद्धजनों से बहसबाजी में न उलझें। उनकी राय आपके लिए उपयोगी सिद्ध होगी।

मिथुन –द्वितीय भाव में चंद्रमा और राशि से द्वितीय भाव में कर्क राशि का बृहस्पति आज आपके लिए शुभ रहने वाले हैं। राज्य से मान-सम्मान प्राप्त होगा। व्यापार के भागीदारों के साथ से लाभ मिलेगा। पत्नी पक्ष से भी पूर्ण सहयोग मिलेगा। इस दौरान भाग्य का साथ मिलेगा और कर्ज में कमी आएगी।

कर्क –आपकी राशि पर कर्क का बृहस्पति तथा कर्क का ही भाव में चन्द्रमा उत्तम संपत्ति और बहुत दिनों से रुके धन की प्राप्ति कराएगा। नए संबंधों में स्थिरता आएगी। राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में भी अच्छी सफलता मिल सकती है। रात्रि का समय मंगलमय उत्सव में प्रियजनों के साथ हर्षोल्लास में बीतेगा।

सिंह –आज आपकी राशि पर द्वादश प्रमुख पराक्रम भाव में चन्द्रमा तथा अष्टम भाव में शनि आ जाएंगे। इसके फलस्वरूप आज आपको आपके कार्यक्षेत्र या दफ्तर में कुछ नए अधिकार दिए जा सकते हैं। रचनात्मक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी। पुत्र अथवा पुत्री के विवाह का प्रसंग प्रबल होकर फाइनल हो सकता है।

कन्या –आपकी राशि से एकादश भाव चंद्रमा संचार कर रहा है। शनि आज सप्तम भाव में है इससे इष्ट मित्रों से बेवजह का विवाद हो सकता है। अपने आसपास खुशनुमा माहौल बनाने का प्रयास करें। कार्यालय में भी अकस्मात् कोई नया परिवर्तन आपको आश्चर्य में डाल सकता है। महिला सहकर्मी व अधिकारी आपका सहयोग कर सकते हैं।

तुला –आज का दिन आपके लिए महापुरुषों से मुलाकात का रहने वाला है। अचानक आपको लाभ मिल सकता है। नए कार्य में वैधानिक और तकनीकी पहलुओं पर गंभीरता पूर्वक विचार करने के उपरान्त ही कुछ निर्णय लें। घर के पुराने लटके हुए कार्यों को बना लेने का मौका भी मिलेगा।

वृश्चिक –आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहेगा। बिजनेस के सिलसिले में किसी की सलाह लेने की आवश्यकता पड़ सकती है। दिन के दूसरे भाग में महिला मित्रों के साथ समय व्यतीत होगा। मामला कार्यक्षेत्र का हो या आप अपने सभी उत्तरदायित्वों को सफलतापूर्वक निभा लेंगे।

धनु –आज का दिन मिश्रित रहने वाला है। आप अपनी पुरानी देनदारियों से मुक्त हो सकते हैं। कार्यक्षेत्र में भी आपके सुझावों का स्वागत होगा। कुछ आवश्यक घरेलू सामान की खरीदारी करनी पड़ सकती है। अपनी जेब का खास ख्याल रखें। सायंकाल का समय घरवालों के साथ व्यतीत करें।

मकर –आज आपकी राशि से सप्तम का चंद्रमा पास व दूर की यात्रा का कारक है। बहन-भाई के विवाह इत्यादि मांगलिक समारोह में शामिल होने का अवसर मिलेगा। कोई पुराना मित्र या रिश्तेदार अचानक आपके सामने आकर खड़ा हो सकता है। यदि कोई आपसे उधार मांगे तो कदापि न दें।

कुंभ –राशि का स्वामी शनि द्वितीय मीन राशि में राजनीतिक क्षेत्र में सफलता कारक है, सक्रिय राजनीति में भाग लेने का योग बन रहा है। प्रतिस्पर्धा में प्रतिद्वंदी आपसे पीछे रह जाएंगे। दिन का उत्तरार्ध भी शुभ व्यय कीर्ति की वृद्धि कारक है। पुण्य कार्यों पर भी व्यय हो सकता है।

मीन –आज आपकी अपनी संपत्ति में वृद्धि होगी। आपको ननिहाल से भी मान सम्मान मिलेगा। आपको पत्नी पक्ष एवं पत्नी की ओर से पूर्ण सहयोग मिलेगा। नौकरी में गुप्त शत्रु चुगली करेंगे, जिससे सायंकाल के समय परेशानी हो सकती है। आपकी राशि का स्वामी बृहस्पति मार्गी चल रहा है। ऐसे में अपने गुरु के प्रति निष्ठा व भक्ति भाव पूर्ण रखें।

सूर्य गोचर धनु राशि में, मेष, सिंह सहित अन्य राशियों की बदलेंगी किस्मत

सूर्य का गोचर धनु राशि में 16 दिसंबर, मंगलवार को होगा। सूर्य ग्रह को सुख, ऐश्वर्य, आत्मविश्वास, सामाजिक प्रतिष्ठा और अधिकार का प्रतीक माना जाता है। ऐसे में इस गोचर से कई राशियों के सुखों और सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि हो सकती है। इस अवधि के दौरान मेष, सिंह सहित 5 राशियों को भरपूर लाभ मिलेगा। व्यवसाय में लाभ के सुनहरे अवसर मिलेंगे। आय में वृद्धि होगी और प्रमोशन होने के भी शुभ योग बनते जाएंगे। वहीं, इस गोचर के दौरान धनु राशि में मंगल और सूर्य की युति से आदित्य मंगल योग का अनुपम संयोग भी बन रहा है। जिससे कुछ राशियों की किस्मत पलट सकती है और उनका जीवन धन, ऐश्वर्य और प्रसन्नता से भर सकता है।

मेष राशि : आर्थिक लाभ मिलेगा

सूर्य गोचर मेष राशि के जातकों के नौवें भाव में होगा। इस अवधि के दौरान आपके जीवन में सुख-समृद्धि आएगी और दांपत्य जीवन भी मधुर रहेगा। व्यवसाय के क्षेत्र में सभी जरूरी काम समय पर पूरे होंगे। रचनात्मक विचारों और कल्पनाओं से भविष्य में लाभ कमा सकते हैं। इस गोचर से आपकी आध्यात्मिक रुचि में वृद्धि होने के संकेत हैं। आर्थिक मामलों में लाभ होगा और आपकी आर्थिक स्थिति स्थिर बनी रहेगी। जीवनसाथी के साथ चल रहा तनाव समाप्त होगा और दोनों के बीच प्रेम और तालमेल में वृद्धि होगी।

सिंह राशि : कमाएंगे भरपूर लाभ

सूर्य का गोचर सिंह राशि के पंचम भाव में होगा। यह गोचर आपके लिए लाभदायक रहने वाला है। आपके नेतृत्व की क्षमता में वृद्धि होगी और अपनी सूझबूझ से हर परेशानी का आसानी से हल ढूंढ लेंगे। व्यवसाय के क्षेत्र में रचनात्मक कार्यों से लाभ कमाएंगे और आर्थिक मामलों में भी धन लाभ के योग बनेंगे। पुराने समय में किए निवेशों से भी आपको मुनाफा होगा और शिक्षा के क्षेत्र में सफलता के मार्ग पर आगे बढ़ेंगे। परिवार का माहौल सुखद बना रहेगा और संतान की ओर से भी आपको सुख की प्राप्ति हो सकती है।

कन्या राशि : सुखों में होगी वृद्धि

सूर्य गोचर कन्या राशि के चौथे भाव में होगा। इस गोचर के दौरान आपके सुखों में वृद्धि होगी और किस्मत पलटी मार सकती है। रोजगार के क्षेत्र में उन्नति के मार्ग पर आगे बढ़ते जाएंगे और खूब लाभ कमाएंगे। नौकरी करने वालों को अपने सहकर्मियों से लाभ प्राप्त होगा। विदेश संबंधों से लाभ होगा और इस क्षेत्र में काम करने वालों को भरपूर फायदा मिलने के संकेत हैं। जिससे मानसिक शांति महसूस करेंगे और परिवार में माता की ओर से आपको पूरा सहयोग व स्नेह प्राप्त होगा। प्रिजयनों के साथ अच्छा वक्त बिताएंगे। वाहन खरीदने का विचार भी बना सकते हैं।

धनु राशि : प्रमोशन मिलने के योग

सूर्य का गोचर धनु राशि के प्रथम भाव में होगा। इससे आपको अपने कार्य कौशल से भरपूर लाभ मिलेगा और व्यवसाय के क्षेत्र में उन्नति के मार्ग पर आगे बढ़ते जाएंगे। नेतृत्व की क्षमा में वृद्धि होगी और कार्यक्षेत्र में आपका प्रभाव बढ़ेगा। नौकरी करने वालों को प्रमोशन मिल सकता है और आय में वृद्धि होने के भी संयोग हैं जिससे बैंक बैलेंस बढ़ेगा। व्यापार करने वालों को नई योजनाओं और कार्यों से अच्छा लाभ मिलेगा और आप सफलता के मार्ग पर आगे बढ़ेंगे। आर्थिक स्थिति बेहतर बनी रहेगी।

कुंभ राशि : रोजगार के क्षेत्र में मिलेगी तरक्की

सूर्य गोचर कुंभ राशि के ग्यारहवें में भाव में होगा। इस अवधि के दौरान रोजगार के क्षेत्र में भरपूर लाभ कमाएंगे। नौकरी करने वालों की सराहना की जाएगी और आप अपने कार्य कौशल से भी लाभ प्राप्त करेंगे। आपकी मेहनत रंग लाएगी और प्रयासों से तरक्की मिलने के संकेत हैं। आय में वृद्धि होने की संभावना है और व्यापार के क्षेत्र में नए संपर्कों से लाभ होगा। पारिवारिक माहौल खुशनुमा बना रहेगा और भाई-बहन के साथ आपके रिश्ते मजबूत होंगे।

जब आप यात्रा करते हैं, तो जानें कैसे आपकी किस्मत भी उस रेल, हवाईजहाज या वाहन से जुड़ जाती है

कल्पना कीजिए कि आप किसी तेज गति से चलने वाली रेलगाड़ी में यात्रा कर रहे हैं। जिस डिब्बे में आप बैठे हैं, उसी के साथ-साथ आपका भाग्य भी उसी ट्रेन से जुड़ जाता है। ट्रेन का हर झटका, हर मोड़, अचानक रुकना या तेज होना, उसके प्रभाव से आप बच नहीं सकते। यदि ट्रेन को किसी घटना का आघात सहना पड़े, तो उस प्रभाव को आप भी अवश्य झेलेंगे। स्पष्ट है कि यात्रियों का भाग्य उस रेलगाड़ी से अभिन्न रूप से जुड़ा होता है।

इसी प्रकार आप पृथ्वी पर हैं, पृथ्वी का जो भाग्य है, वह निश्चित है। पृथ्वी पर पड़ने वाली सर्दी, गर्मी, धूप, लू, तूफान, वर्षा, मौसम परिवर्तन, ज्वालामुखी, भूकम्प, आप इन सबमें से किसी से अपना भाग्य नहीं छुड़ा सकते। पृथ्वी जिस-जिस परिस्थिति से गुजरती है, उन्हीं परिस्थितियों का प्रभाव उसके प्रत्येक जीव पर पड़ता है। प्राकृतिक घटनाओं से कोई भी जीव स्वयं को अलग नहीं कर सकता। तो यह कहा जा सकता है कि इसके प्रत्येक भाग्य क्षण का प्रभाव आपसे जुड़ा हुआ है।

अब यदि आप किसी रॉकेट पर बैठकर मंगल पर चले जाएें, तो आपका भाग्य मंगल ग्रह से जुड़ जाएगा और मंगल ग्रह की सभी स्थितियों को आपको सहना होगा। भारतीय ज्योतिष इसी ब्रह्मांडीय व्यवस्था को समझने का विज्ञान है, जहां सौरमंडल में स्थित प्रत्येक जीव की अवस्था को ग्रहों, कक्षाओं, गति, ऊर्जा, तरंगों और चुम्बकीय धाराओं के संदर्भ में गणना करके देखा जाता है।

मान लीजिए समुद्र की उठती-गिरती लहरों में जीव-जन्तु बह रहे हों। जिस लहर पर वे स्थित हैं, उनका भाग्य उसी लहर से बंधा है। लहर उठेगी तो वे ऊपर उठेंगे, लहर गिरेगी तो वे गिरेंगे और यदि वह लहर किसी चट्टान से टकराएगी तो उसका प्रभाव उन जीव-जन्तुओं पर भी पड़ेगा। हम भी इसी प्रकार सौर मंडल नामक 'ब्रह्मांडीय समुद्र' की एक लहर पर बह रहे हैं, यानी हम इस सौर-मंडल में समुद्र की लहरों में फंसे जीव की भाँति हैं। ग्रहों की गतियों से उत्पन्न होने वाली चुम्बकीय एवं विद्युत् तरंगें, सूर्य की ऊर्जा, नक्षत्रों का प्रभाव, इन सभी से हम पूरी तरह मुक्त नहीं हो सकते। उनकी सूक्ष्म धाराएं अनजाने में हमारे शरीर, मन और जीवन, परिस्थितियों में परिवर्तन लाती रहती हैं।

प्रेम और विवाह की सफलता का रहस्य, हथेली का शुक्र पर्वत और जन्म कुंडली का शुक्र ग्रह

अंगूठे के दूसरे पौरुए के नीचे तथा आयु-रेखा से जो घिरा हुआ स्थान होता है उसे हस्तरेखा विशेषज्ञ शुक्र पर्वत कहते हैं। यूनान में शुक्र को सुन्दरता की देवी कहा गया है। शुक्र पर्वत का उभार व्यक्ति को तेजस्वी और लावण्यमान बना देता है। इसके चेहरे में कुछ ऐसा आकर्षण होता है, जिसकी वजह से लोग उसकी ओर आकृष्ट रहते हैं। शुक्र प्रधान व्यक्तियों का सुन्दर एवं कलात्मक वस्तुओं के प्रति रुझान स्वाभाविक ही होता है।

जिसके हाथ में शुक्र पर्वत श्रेष्ठ स्तर का होता है वह व्यक्ति सुन्दर और सम्पन्न होता है।

यदि किसी व्यक्ति के हाथ में शुक्र पर्वत कम विकसित हो तो उसमें आकर्षण आदि की कमी होती है।

हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार जिन लोगों के हाथों में शुक्र पर्वत जरूरत से ज्यादा विकसित होता है, वे व्यक्ति भोग-विलास के प्रति आकर्षित जल्दी हो जाते हैं। ज्योतिष शास्त्र में भी शुक्र ग्रह को ऐश्वर्य, भोग-विलास, सम्पन्नता का प्रतीक माना गया है।

यदि किसी के हाथ में शुक्र पर्वत का अभाव होता है, तो वह व्यक्ति साधु-सन्यासी की तरह जीवन-यापन करता है, गृहस्थ जीवन में उसकी रुचि नहीं के बराबर होती है।

यदि शुक्र पर्वत का विकास पूरी तरह से हुआ हो, लेकिन व्यक्ति की मस्तिष्क रेखा सन्तुलित न हो, तो वह व्यक्ति प्रायः प्रेम के क्षेत्र में असफलता और बदनामी प्राप्त करता है।

यदि हथेली चिकनी एवं मुलायम हो तथा उस पर शुक्र पर्वत पूर्णतः विकसित हो तो ऐसे व्यक्ति एक सफल प्रेमी तथा उत्कृष्ट कोटि के कवि होते हैं।

शुक्र पर्वत की अनुपस्थिति व्यक्ति के जीवन में दुख तथा परेशानियां भर देती है, निर्बल शुक्र जन्मपत्री में भी होने पर ऐसे लोगों का दांपत्य जीवन अपूर्ण एवं कष्टमय होता है। यदि शुक्र पर्वत सामान्य रूप से विकसित हो तो वह व्यक्ति सुन्दर एवं संवेदनशील होता है।

यदि शुक्र पर्वत मंगल की ओर झुका हुआ हो तो वह प्रेम के क्षेत्र में कठोर प्रवृत्ति का हो जाता है।

शुक्र प्रधान व्यक्तियों के जीवन में मित्रों की संख्या बहुत अधिक होती है तथा ये अपने जीवन में प्रेम और सौन्दर्य को महत्वपूर्ण स्थान देते हैं।

गौरव खन्ना ने बिग बॉस 19 का खिताब जीता

बताया शो करने का कारण, प्रणीत मोरे के बारे में कही बड़ी बात

गौरव खन्ना ने प्रणीत मोरे, फरहाना भट्ट, तान्या मित्तल और अरमान मलिक को पछाड़कर बिग बॉस 19 का खिताब जीत लिया है। अभिनेता टॉफी के साथ 50 लाख की प्राइज मनी भी अपने साथ लेकर गए हैं, लेकिन अब शो जीतने के बाद उन्होंने शो से जुड़े अनुभव और बाकी चारों कंटेस्टेंट को लेकर खुलकर बात की है। बिग बॉस की ट्रॉफी जीतने के बाद गौरव खन्ना काफी खुश दिखाई दिए। उन्होंने बताया कि क्यों उन्होंने बिग बॉस 19 में आने का फैसला लिया है।

गौरव ने कहा कि बिग बॉस 19 में आने के दो कारण थे। पहली वजह सलमान सर से मिलना था। मुझे उनसे पहले कभी मिलने का मौका नहीं मिला था, और मैं सचमुच उनसे मिलना चाहता था। दूसरी वजह मेरे फैन थे। वे अक्सर मुझसे कहते थे कि मैं उनसे कभी व्यक्तिगत रूप से जुड़ नहीं पाता हूं। वे मुझे सिर्फ शोज में ही देखते हैं। मैं चाहता था कि वे असली गौरव खन्ना को देखें, यह जानें कि असल जिंदगी में मैं कैसा हूं और कैसा मेरा व्यवहार है।

बिग बॉस 19 की जर्नी पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि बिग बॉस शो नहीं, मैराथन है। मैराथन में जैसे कई उतार-चढ़ाव आते हैं, कब स्पीड कम करनी है और कब ज्यादा, और आखिर में मंजिल सिर्फ क्रासिंग लाइन होती है। बिग बॉस भी मेरे लिए ऐसा ही रहा। मैंने कई टास्क किए और जीता भी, उस वक्त मेरी मेहनत को ज्यादा सराहा नहीं गया, लेकिन आखिर में ट्रॉफी मेरे नाम ही हुई। मैं खुद अपने काम का हल्ला नहीं करता हूं, मेरे काम का शोर खुद-बा-खुद हो जाता है।

फरहाना भट्ट शो की फर्स्ट रनरअप रहीं और उन्होंने टॉप टू में गौरव को बराबर की टक्कर दी। फरहाना को लेकर गौरव ने कहा कि वे अच्छा खेलीं और सबका खेलने का अपना तरीका होता है। कोई तेज गाड़ी चलाता है, तो कोई धीरे। हालांकि गौरव को प्रणीत मोरे के लिए काफी बुरा लगा, क्योंकि दोनों की दोस्ती शो में देखने को मिली थी। गौरव ने कहा कि उन्हें बुरा लगा कि प्रणीत टॉप टू में शामिल नहीं हो पाए।

गौरव ने कहा, हमने एक-दूसरे से वादा किया था कि दोनों सलमान सर के सामने खड़े होंगे, लेकिन जब उसे टॉप फाइव से निकाला गया, मेरी आंखों में आंसू थे।

फरहाना भट्ट ने बिग बॉस19 को बताया सबसे बड़ा जैकपॉट, कहा

लोग मुझे प्यार और सपोर्ट कर रहे हैं

कलर्स रियलिटी शो 'बिग-बॉस-19' ग्रैंड फिनाले की ट्रॉफी अभिनेता गौरव खन्ना ने अपने नाम कर ली है और जम्मू कश्मीर के श्रीनगर की रहने वाली फरहाना भट्ट दूसरे नंबर पर रही हैं। शो के दौरान फराहाना को कई मुद्दों पर अपनी राय रखते हुए देखा गया। वहीं, घर के दूसरे कंटेस्टेंट से लड़ाई और अपशब्द कहने पर सलमान से डांट भी पड़ी थी, लेकिन इतनी सारी लड़ाई और एक बार बिग बॉस से निकलने के बावजूद फराहाना दूसरे पायदान पर पहुंचीं। हालांकि, ट्रॉफी उनके नाम नहीं आई। बिग बॉस से बाहर निकलते ही उन्होंने बातचीत की। फरहाना ने शो को अपनी जिंदगी का सबसे बड़ा जैकपॉट बताया।

उन्होने कहा, बिग-बॉस मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा जैकपॉट है। इसने मेरी जिंदगी बदल दी। पहले कश्मीर में मैं एक आम सी लड़की थी, और मुझे कोई भी नहीं जानता था। आज लाखों लोग मुझे प्यार और सपोर्ट करते हैं। ये आसमान-जमीन का फर्क है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि ऐसा होगा।

फरहाना ने शो को लेकर भी कुछ बातें की। उन्होंने कहा, शो की शुरुआत में लोग मुझे विलेन बना रहे थे और एक वक्त ऐसा आया, जब मुझे खुद लगने लगा कि शायद मैं सच में बुरी हूं, लेकिन जब पता चला कि बाहर लोग मुझे बहुत प्यार और सपोर्ट कर रहे हैं, तो समझ में आया कि हमारी जनता सब देखती है। वो सही-गलत की पहचान करती है। जब उनसे पूछा कि वे बाहर निकलने के बाद सबसे पहले क्या करेंगी, इस सवाल का जवाब देते हुए फरहाना ने कहा, सबसे पहले तो मैं अपनी मां के साथ समय बिताऊंगी क्योंकि मैं उन्हें बहुत मिस कर रही हूं।श्रीनगर की रहने वाली फरहाना को भले ही आज कई लोग जानते हैं, लेकिन यहां तक आने के लिए उन्होंने काफी संघर्ष किया है। अभिनेत्री ने इम्तियाज अली की फिल्म 'लैला मजनू' में एक छोटा सा रोल किया था। इसके बाद वे अजय देवगन की फिल्म 'सिंघम अगेन' में भी साइड रोल में नजर आई थीं। इसके बाद भी वे फिल्म 'नोटबुक' में भी नजर आई थीं।

सोशल मीडिया रोस्टिंग को तान्या मित्तल ने बताया अपनी ताकत, सलमान खान का जताया आभार

सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर तान्या मित्तल बिग बॉस 19 की थर्ड रनरअप रहीं। शो में उनकी बातों ने फैंस को काफी एंटरटेन किया और किसी को उम्मीद नहीं थी कि तान्या मित्तल शो के टॉप फाइव कंटेस्टेंट में शामिल हो पाएंगी। अब शो से बाहर आने के बाद उन्होंने उन्हें 'फेक' कहने वालों और ट्रोल करने वालों को दो टूक जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि उन्हें लोगों की बातों से कोई फर्क नहीं पड़ता है। शो के फिनाले के बाद तान्या मित्तल ने अपनी बिग बॉस जर्नी पर बात करते हुए कहा, घर के अंदर मेरी खूब रोस्टिंग हुई और मीडिया ने मुझ पर खूब प्यार बरसाया। मैं उस दौर का अनुभव करने के लिए उत्सुक हूं जहां मुझे दर्शकों का प्यार देखने को मिले, क्योंकि हम अभी-अभी घर से बाहर आए हैं। मुझे यह समझने के लिए थोड़ा समय दीजिए कि मुझे कितना प्यार मिला है। मैं इस सफर को एक सीखने का दौर कहूंगी। बिग बॉस वाकई आपको एक बेहतर इंसान बनाता है।

उन्होंने कहा कि जब मैं बिग बॉस के घर का हिस्सा बनी थी, तब मैं बहुत सीधी-साधी और चुपचाप रहने वाली संस्कारी लड़की थी और मुझे छोटी-छोटी बात पर रोना आ जाता था, लेकिन बिग बॉस में चिल्लम-चिल्ली और गाली देने वाले लोगों के बीच रही। पहले मुझे उन सब बातों से फर्क पड़ता था, लेकिन धीरे-धीरे मैंने इन बातों को नजरअंदाज करना शुरू कर दिया। मैंने शो में लड़ाई भी की और कुछ लोगों से दोस्ती भी की, ये सब मुझे बिग बॉस ने सिखाया है।

बिग बॉस के बाकी कंटेस्टेंट पर बात करते हुए तान्या ने कहा कि मुझे नहीं लगता है कि कोई मेरा दोस्त बना है क्योंकि हर किसी ने मेरा दिल दुखाया है। मुझे फेक कहा है, लेकिन मैं सिर्फ यही कहूंगी कि आप लोग फेक समझकर मुझ पर हंसते रहें और मैं उसे सच समझकर जीती रहूंगी।

टीवी प्रोड्यूसर एकता कपूर को लेकर तान्या ने कहा कि एकता ने कहा कि मेरा राहू बहुत अच्छा चल रहा है और जो भी फिल्में और प्रोजेक्ट मिलने वाले हैं, उन्हें मैं जरूर करूंगी। मुझे लगता है कि मेरा करियर अच्छा होने वाला है। सलमान खान को लेकर तान्या ने कहा कि अगर वे उन्हें रोस्ट नहीं करते, तो वे शो में सर्वाइव नहीं कर पाती हैं। उन्होंने मुझे नई ताकत दी। अगर ऐसा नहीं होता, तो आज भी मैं रो ही रही होती।

फिल्म धुरंधर में रहमान डकैत बनकर छाए अक्षय खन्ना, फराह खान ने की ऑस्कर की बात

5 दिसंबर को रिलीज हुई फिल्म 'धुरंधर' की हर तरफ तारीफ हो रही है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कलेक्शन तो कर ही रही है, लेकिन साथ ही इसका हर किरदार फैंस का दिल जीतने में कामयाब रहा है। इस मल्टीस्टारर फिल्म में सबसे ज्यादा चर्चा अक्षय खन्ना के रहमान डकैत के किरदार की हो रही है। अपने किरदार में जान डालने के लिए एक्टर ने एक्सप्रेशन से लेकर शानदार डायलॉग डिलीवरी की है। फिल्म निर्माता और कोरियोग्राफर फराह खान भी अभिनेता की एक्टिंग देखकर हैरान हैं। फिल्म निर्माता और कोरियोग्राफर फराह खान ने अक्षय खन्ना की एक्टिंग की तारीफ की है और उन्हें ऑस्कर से सम्मानित करने की बात कही है। फराह खान ने इंस्टास्टोरी पर वीडियो पोस्ट की, जिसमें एक तरफ अक्षय खन्ना रहमान डकैत बने दिख रहे हैं और दूसरी तरफ अक्षय कुमार के साथ कॉमेडी करते दिख रहे हैं। यह सीन फिल्म 'तीस मार खान' का है। वीडियो को पोस्ट कर फराह खान ने लिखा, अक्षय खन्ना, आप सच में ऑस्कर डिजर्व करते हैं।

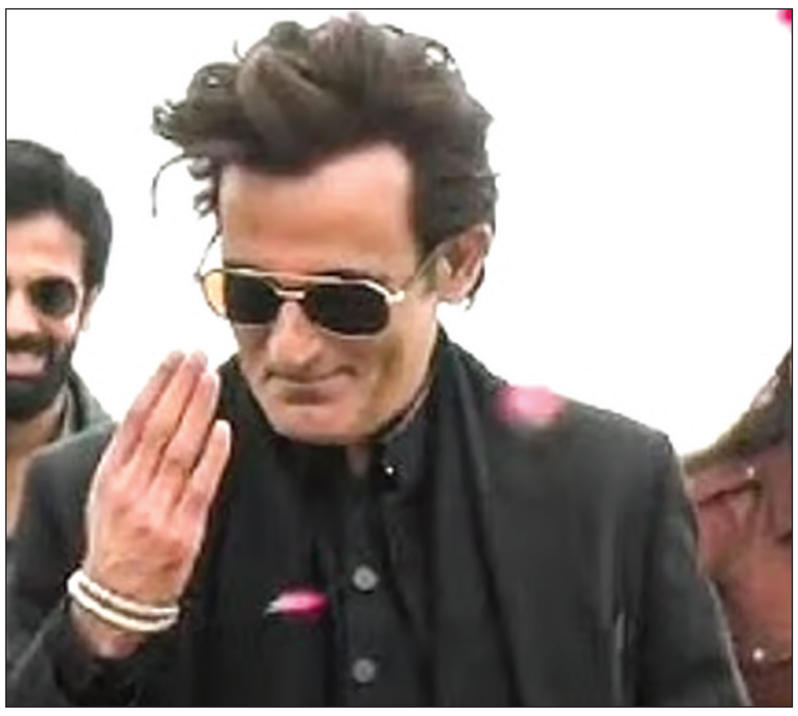

सोशल मीडिया पर भी अक्षय खन्ना की एक्टिंग की तारीफ हो रही है। उनके आंखों के एक्सप्रेशन बेचैनी पैदा करते हैं और हत्या के जिस सीन को उन्होंने किया है, उससे सिहरन पैदा होती है। अभिनेता ने किरदार में इतनी नेगेटिव ऊर्जा डाल दी कि मानो रहमान डकैत दहशत लेकर दोबारा पैदा हो गया हो।

दर्शकों को उनका किरदार इसलिए भी पसंद आया क्योंकि उन्हें अभी तक कॉमेडी के हल्के-फुल्के अंदाज में फिल्मों में देखा गया था, लेकिन फिल्म 'धुरंधर' में उनका नया ही रूप देखने को मिला है। इसी वजह से सोशल मीडिया पर उनकी तारीफ हो रही है।

फिल्म में उनके किरदार को दमदार बनाने के लिए एक अरबी गाना भी फिल्माया गया, जिसमें वे आंखों में दहशत लिए मस्ती भरे अंदाज में डांस कर रहे हैं। इस गाने की तुलना एनिमल के 'जमाल कुडू' सॉन्ग से की जा रही है। इन दोनों ही गानों ने विलेन की एंट्री को धांसू बनाया है।

फिल्म तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी के गीत में कार्तिक आर्यन ने श्रुति पाठक से की खास डिमांड

बॉलीवुड में रोमांटिक फिल्मों का दौर एक बार फिर लौटता दिख रहा है। इसी माहौल को फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' का नया गाना 'हम दोनों' और खास बनाने आ रहा है। इस गाने को प्लेबैक सिंगर श्रुति पाठक ने गाया है। उन्होंने गाने की रिकॉर्डिंग के दौरान अभिनेता कार्तिक आर्यन से हुई छोटी-सी मुलाकात को याद किया। श्रुति पाठक ने कहा, 'हम दोनों' एक ऐसा गाना है जो ताजगी से भरा है और युवाओं के दिल के करीब रहेगा। यह गाना कपल्स के लिए एकदम सही है। गाने की धुन और अंदाज दोनों मिलकर इसे खास बनाते हैं। इसकी सरलता और मॉडर्न टच इसे लंबे समय तक यादगार बनाएगी। गाने की रिकॉर्डिंग के दौरान कार्तिक आर्यन से मुलाकात के किस्से को साझा करते हुए श्रुति ने बताया कि कार्तिक रिकॉर्डिंग में काफी दिलचस्पी ले रहे थे और गीत को लेकर बेहद उत्साहित थे।

उन्होंने कहा, ''कार्तिक और अनन्या पांडे दोनों ही गाने और टीजर में शानदार लग रहे हैं। यह फिल्म और इसका संगीत बॉलीवुड में रोमांटिक फिल्मों का एक नया दौर शुरू कर सकता है।''श्रुति पाठक ने बताया कि कार्तिक ने उनसे अकॉस्टिक वर्जन की भी डिमांड की थी, इससे उनकी म्यूजिक में रुचि का अंदाजा लगता है।श्रुति पाठक ने गीतकार अनविता दत्त की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, ''अनविता ने इस गीत के बोल बेहद खूबसूरती से लिखे हैं। वह एक प्रतिभाशाली लेखिका और निर्देशक हैं। मैं उनके काम की हमेशा से प्रशंसक रही हूं। मुझे खुशी है कि आखिरकार मुझे उनके साथ काम करने का मौका मिला। उन्होंने इस गाने की भावनाओं और कहानी को सटीक तरीके से शब्दों में पिरोया है।'''हम दोनों' में संगीत विशाल-शेखर की जोड़ी ने दिया है। श्रुति ने कहा, ये जोड़ी बॉलीवुड में कूल और ट्रेंडी संगीत का चेहरा है और हर बार कलाकारों से बेहतरीन काम निकलवाते हैं।

सिंहावलोकन 2025 : टीवी और सिनेमा के वो स्टार जिन्हें निगल गया कैंसर, कुछ ने छोटी उम्र में कहा अलविदा

साल 2025 भारतीय मनोरंजन जगत को भावनात्मक रूप से झकझोर रख देने वाला रहा। इस साल कुछ ऐसे बड़े कलाकारों ने दुनिया को अलविदा कहा, जिनके खालीपन को भर पाना नामुमकिन है। साल 2025 के अंत में हम उन टीवी और सिनेमा के कलाकारों के बारे में बात करेंगे, जिनका निधन कैंसर जैसी गंभीर बीमारी की वजह से हुआ। तमिल के अनुभवी और बड़े कलाकारों में शामिल सुपर गुड सुब्रमणि की कैंसर की वजह से मौत हुई थी। अप्रैल 2025 में अभिनेता को कैंसर का पता चला और ठीक एक महीने बाद, 10 मई, 2025 को उनका निधन हो गया। उन्होंने 'सरपट्टा परंबराई', 'पेरीयेरुम पेरुमल', 'महाराज', और 'पिसासु' जैसी फिल्मों में काम किया।

टीवी के मशहूर एक्टर्स में शामिल विभु राघवे ने बहुत कम उम्र में दुनिया को अलविदा कह दिया। एक्टर का निधन 2 जून, 2025 को हुआ। वे स्टेज-4 कोलन कैंसर (बड़ी आंत का कैंसर) से जूझ रहे थे और काफी समय से अपना इलाज भी करा रहे थे, लेकिन इसी साल जून के महीने में उन्होंने आखिरी सांस ली। अभिनेता का निधन 37 साल की उम्र में हुआ था।

हिंदी और मराठी टीवी सीरियल की जान रहीं प्रिया मराठे भी कम उम्र में कैंसर से जंग हार गईं और 31 अगस्त, 2025 को उनका निधन हो गया। प्रिया 'पवित्र रिश्ता', 'बड़े अच्छे लगते हैं', 'कसम से', और 'उतरन' जैसे टीवी सीरियल में नजर आई थीं। उन्होंने कई मराठी सीरियल में भी काम किया। अभिनेत्री का निधन 38 साल की उम्र में हो गया था। रामानंद सागर के बेटे और प्रोड्यूसर प्रेम सागर का निधन भी कैंसर की वजह से ही हुआ था। वे कैंसर की वजह से ही लंबे समय से बीमार चल रहे थे और 81 साल की उम्र में निर्माता ने 31 अगस्त 2025 को दुनिया को अलविदा कह दिया है।

छोटे पर्दे पर महाभारत में कर्ण की भूमिका निभाने वाले अभिनेता पंकज धीर का निधन कैंसर की वजह से हुआ था। पहले उन्होंने कैंसर की बीमारी से निजात पा लिया था, लेकिन फिर बाद में दोबारा कैंसर के लक्षण दिखने के बाद वे बहुत बीमार हुए और 15 अक्टूबर, 2025 को उन्होंने आखिरी सांस ली। अभिनेता ने हिंदी सिनेमा की कई मशहूर फिल्मों में काम किया।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आप को धैर्य से काम लेने की आवश्यकता हैं संयम से काम करने से प्रगति होगी दिन उपलब्धियों वाला रहेगा ।आपकी समझदारी और प्रयास आपको कामयाबी ज़रूर दिलाएंगे। व्यवसाय में मुनाफा होने के योग बन रहे हैं। नई खुशखबरी आपके प्रसन्न रहेंगे। दोस्तों के साथ समय बिता सकतेहैं। छात्रों की दिक्कत दूर होगी। युवाओं को नई जानकारी मिलेगी। कैरियर से जुड़ी समस्या का समाधान होगा। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा।आज का डिनर बहुत ही संतुलित लें स्वास्थ्य एकदम तंदरुस्त रहेगा ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज शिवलिंग पर कच्चे दूध से अभिषेक करें आपको ऋण से मुक्ति मिलेगी। मित्रों का सहयोग भी मिलेगा किसी काम को लेकर काफी दिनों से हो रही परेशानी दूर होगी। परिवारिक कार्यक्रम के दौरान के किसी सदस्य के साथ मतभेद होने की संभावना है। बेहतर होगा कि तनाव न लें। धन लाभ होने की संभावना है। कार्यस्थल पर चुनौतियों का सामना कर सकते हैं। कारोबार में लाभ होगा। देर रात घर के किसी सदस्य की एकाएक तबीयत बिगड़ सकती हैं सचेत रहना होगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आप को अपनी सोच काफी सकारात्मक रखने की आवश्यकता हैं जिससे शुभ संकेत मिलेगें । पुरानी समस्या का समाधान होगा। पैतृक मामलों में तेजी आएगी। आपके प्रेम जीवन में ऊर्जा का संचार होगा । आपका साथी काफी सकारात्मक रवैया अपना सकता है। नई जगह घूमने जा सकते हैं। अविवाहितों के लिए रिश्ते की सूचना मिल सकती है। युवाओं को काम को लेकर दिक्कत होगी। पारिवारिक जिम्मेदारी बढ़ेगी। घर में नए सदस्य का आगमन हो सकता है ।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आप अगर नौकरी की तलाश मे हैं तो घर से निलते वक्त बच्चों को कुछ उपहार अथवा पैसे देकर निकले कार्य सिद्ध होगा । किसी भी तरह के मतभेद से दूर रहें। अगर आपको कोई दुखद खबर मिले तो चिंतित होने की आवश्यकता नही हैं शाम होते होते स्थिति सुधर जाएगी । अपने रिश्ते में ग़लतफ़हमी पैदा न होने दें। दफ्तर में सहयोगियों की मदद मिलेगी। किसी भी नया काम को शुरू करने से पहले बुजुर्गों का आशीर्वाद जरूर लें। विरोधी पक्ष आज बेहद सक्रिय रहेगा। आपको नुकसान होने की आशंका है। बोलचाल के दौरान सतर्क रहें। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। कामकाज से समय मिलने पर परिवार के साथ घूमने जाएंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज बच्चों के लिए दिन कामयाबी वाला होगा । आप फ्री महसूस करेंगे। कारोबार को लेकर नया प्लान कर सकते हैं। जोखिम वाले कार्य करते समय सावधान रहें। आपकी दिनचर्या में आज सुधार होगा। आप किसी के प्रति अपने मन में विद्वेष न रखें। सामाजिक रूप से आपकी सराहना होगी। नई जिम्मेदारी मिलेगी। शत्रु पक्ष पर आप हावी रहेंगे। धन लाभ होगा। किसी से विवाद न करें। गैरजरूरी कार्यों में खर्च करने से बचें। घर का खाना ही आपके स्वास्थ्य के लिए अच्छा रहेगा चिकने भोजन से परहेज करें।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज परिवार की जिम्मेदारी को निभाने मे ही समय व्यतीत होता हुआ नजर आ रहा हैं मित्रों का सहयोग जरूर लेते रहें। आपके कैरियर को नई दिशा मिलेगी। धनलाभ होगा। यात्रा करने करते समय सावधान रहें। किसी प्रकार की चोट लगने की संभावना रहेगी । बोलते हुए सावधान रहें ढ किसी की आपके शब्दों से ग़लतफ़हमी हो सकती है । कार्यस्थल पर स्थायित्व बना रहेगा। दाम्पत्य जीवन में खुशी रहेगी। आज अगर कार्यस्थल पर अवकाश है तो दिन का लाभ उठाए और बच्चों के साथ घूमने का प्लान बनाए।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज लक्ष्मी जी को कमल पुष्प अर्पित करें धनकोष मे वृद्धि होगी परिवार की जरूरतों को पूरा कर पाएंगे । रिश्तेदारों से मुलाकात कर सकते हैं। परेशानियों को छोड़ें और अपने साथी के साथ रोमांटिक समय बिताएँ। पुराने निवेश से अच्छा खासा लाभ होने की उम्मीद है। जो काम आपने किया है, उसका श्रेय किसी और को न ले जाने दें। आपकी तबियत ठीक रहेगी। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगी। किसी काम को लेकर आप दिक्कत में आ सकते हैं। अपनी सामर्थ्य अनुसार कुछ दान के रुप मे धन का सदुपयोग करें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज का दिन ध्यान और आरधना से आरंभ करें जिससे शरीर के अंदर नया उत्साह देखने को मिलेगा। सामाजिक कार्यों में हिस्सा लेंगे। आप दूसरों की मदद करने के लिए आगे आएंगे। बुजुर्गों की स्वास्थ्य पर ध्यान दे । आप अपनी नई जिम्मेदारियों को पूरा करेंगे। अपने आप को साबित करने के लिए आपको ज्यादा मेहनत करनी होगी। आप अपने कौशल से हर किसी को प्रभावित करेंगे। आप को सामाजिक कार्य करने मे रुचि बनेंगे राजनीति क्षेत्र मे पद प्रतिष्ठा बढेगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज सुबह उठते ही कोई खबर आप को चिंता मे डाल सकती है, हो सकता हैं परिवार मे किसी सदस्य का स्वास्थ्य खराब होवे । आज दिन भर थकान महसूस कर होगी । किसी को निजी बातें न बताए । अनजान लोगों से सावधान रहें है। परिवार के साथ घूमने जाएं, बच्चों से बातचीत करें। सुख–समृद्धि में बढ़ोतरी होगी। आज किसी रिश्तेदार के यहां जाने का दिन हो सकता हैं नये लोगों से मुलाकात होगी आपको अपने मुंह से अपनी बढाई नही करनी चाहिए।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज कुछ नया खरिदने का अवसर बन रहा हैं आप के सुख सुविधाओं मे बढोतरी होगी आप को बेहद खुशी होगी । आप अपनी अधिकांश जिम्मेदारियों को पूरा कर सकेंगे। किसी नए काम को लेकर यात्रा कर सकते हैं। कारोबारियों को अपने काम को आगे बढ़ाने के मौके मिलेंगे। शासकीय कार्य पूरे होंगे। कारोबार को आगे बढ़ाने के लिए लोन ले सकते हैं।दफ्तर में किसे से विवाद हो सकता है। आपको शांत रहना होगा। सेहत ठीक रहेगी। बटुक ब्राह्मणों को दूध जलेबी का भोजन कराए ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

अगर आज सम्भव हो तो एक सौ आठ बिल्वपत्र से शिव अर्चना करें। धन लाभ होने की संभावना बनेगी। सेहत को लेकर बेफिक्री रहेगी । जीवनसाथी की मदद मिलेगी। अपनी नौकरी और कैरियर के लिए अधिक प्रयास करेंगे। रिश्तेदारों से किसी बात को लेकर मतभेद होने की संभावना है। आज आप मानसिक रूप से मजबूत स्थिति में रहेंगे। यात्रा करते समय सतर्क रहें। आज नुकसान होने वाले निवेश से दूर रहे । धन की स्थिति सामान्य रहेगी। निवेश से जुड़े काम न करें। एक्सपर्ट से सलाहमशवरा जरूर करले।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज भगवान नारायण का विधिवत पूजन करके दिन का आरंभ करें आज का दिन दिक्कतों का हो सकता हैं । किसी के झगड़े मे जाने से बचें और शांत रहने का प्रयास करें। जीवनसाथी की बीमारी के चलते चिंतित रहेंगे। बच्चे खेल–कूद में हिस्सा ले सकते हैं। आर्थिक तंगी से बचने के लिए अपने खर्चों की लिमिट तय करें । अपनी पारिवारिक जिम्मेदारी को महत्व देना होगा । संतान पक्ष से मनमुटाव को हो सकता है। आवेश मे आकर मर्यादा का उल्लंघन न करें।

आज का पंचांग

दिनांक : 09 दिसंबर 2025, मंगलवार
विक्रम संवत : 2082
मास : पोष,कृष्ण पक्ष
तिथि : पंचमी दोपहर 02:31 तक
नक्षत्र : आश्लेषा रात्रि 02:23 तक
योग : ऐन्द्र दोपहर 02:32 तक
करण : तैतिल दोपहर 02:31 तक
चन्द्रराशि : कर्क रात्रि 02:23 तक
सूर्योदय : 06:34 , सूर्यास्त 05:42 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:30, सूर्यास्त 05:53 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:24 , सूर्यास्त 05:45 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:24 , सूर्यास्त 05:35 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : गण्डमूल चालू है

✲ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ✲
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

ओवरलोडेड वाहनों और अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई हो तेज : भजनलाल

जयपुर, 08 दिसंबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के चहुंमुखी विकास और सभी वर्गों के कल्याण के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। इस दिशा में विभिन्न विकास परियोजनाएं और जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही है। उन्होंने कहा कि विकास योजनाओं को मूर्त रूप देने और जनकल्याणकारी योजनाओं के निर्बाध संचालन में राजस्व अत्यधिक महत्वपूर्ण है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के राजस्व लक्ष्य की प्राप्ति के लिए संबंधित विभागों के अधिकारी समर्पित होकर कार्य करें। शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में आबकारी, परिवहन, कॉमर्शियल टैक्स

तथा पंजीयन एवं मुद्रांक विभाग की समीक्षा बैठक ले रहे थे। बैठक में बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में 1 लाख 69 हजार 627 करोड़ रुपये के राजस्व अर्जन का लक्ष्य रखा गया था। इसे हासिल करने के क्रम में नवम्बर माह तक कुल 84 हजार 746 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो चुका है। मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को आगामी तिमाही में राजस्व वृद्धि के लिए लक्ष्य आधारित कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। शर्मा ने कॉमर्शियल टैक्स विभाग की समीक्षा के दौरान कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा किए गए जीएसटी सुधारों से देश और प्रदेश के आमजन को काफी राहत मिली है। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि जीएसटी की दरों में की गई कमी का सीधा लाभ उपभोक्ता तक पहुंचे। मुख्यमंत्री ने फर्जी करदाताओं के खिलाफ विशेष अभियान चलाने के निर्देश देते हुए कहा कि कर चोरी रोकने और पारदर्शी कर व्यवस्था लागू करने के लिए सख्त निगरानी तंत्र विकसित किया जाए।

मुख्यमंत्री ने परिवहन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सार्वजनिक परिवहन हेतु नई बसों के अधिक से अधिक परमिट जारी किए जाएं जिससे आमजन को आवागमन में सुविधा होने के साथ ही, राज्य सरकार को भी राजस्व की प्राप्ति हो। शर्मा ने ओ-वरलोडिंग के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश देते हुए कहा कि ओवरलोडेड वाहन सुरक्षा की दृष्टि से उचित नहीं है। साथ ही, इनसे राज्य सरकार को राजस्व की भी हानि होती है। विभागीय अधिकारी इनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करें।मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान में अन्य राज्यों से अवैध शराब के परिवहन को रोकने के लिए आबकारी विभाग पुलिस के साथ समन्वय बनाते हुए सीमावर्ती क्षेत्रों में निगरानी कड़ी करें। उन्होंने राज्य में अवैध शराब की बिक्री पर भी प्रभावी अंकुश लगाने के निर्देश दिए। शर्मा ने पंजीयन एवं मुद्रांक विभाग को संपत्तियों के पंजीयन की प्रक्रिया सरल करने और आमजन को अधिक से अधिक राहत पहुंचाने के भी निर्देश दिए। बैठक में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

दौसा में शुरू हुई हेलिकॉप्टर सेवा

दिल्ली-जयपुर एयरपोर्ट से मेहंदीपुर बालाजी तक पहली उड़ान, चार श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

दौसा, 08 दिसंबर (एजेंसियां)।

जिला प्रशासन और पर्यटन मंत्रालय की पहल पर सोमवार से दिल्ली और जयपुर एयरपोर्ट से मेहंदीपुर बालाजी के लिए हेलिकॉप्टर सेवा की शुरुआत कर दी गई। पहले दिन चार श्रद्धालुओं ने उड़ान भरी, जिन्होंने मेहंदीपुर बालाजी के दर्शन किए और प्रसिद्ध आभानेरी पर्यटन स्थल का भी भ्रमण किया। कलेक्टर देवेन्द्र कुमार ने बताया कि मेहंदीपुर बालाजी पंच गौरव योजना में शामिल है, और यहां देशभर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं। उन्होंने कहा कि रेल और सड़क मार्ग के साथ अब हेलिकॉप्टर सेवा का जुड़ना जिले के धार्मिक पर्यटन के लिए बड़ा कदम है। कलेक्टर के अनुसार, इस सेवा से जहां स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी, वहीं स्थानीय निकायों के राजस्व में भी बढ़ोतरी होगी। उन्होंने कहा कि निकट भविष्य में दौसा जिले के अन्य प्रमुख पर्यटन स्थलों को भी हेलिकॉप्टर सेवा से जोड़ने की योजना है।

रबी सीजन में बिजली आपूर्ति की मेंटेन हो ब्लॉक ऑवर सप्लाई: ऊर्जा मंत्री

जयपुर, 08 दिसंबर (एजेंसियां)।

ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने निर्देश दिए हैं कि ब्लॉक ऑवर सप्लाई को मेंटेन कर रबी सीजन में कृषि एवं अन्य उपभोक्ताओं को व्यवधान रहित विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। साथ ही सप्लाई की प्रभावी मॉनीटरिंग के लिए मुख्यालय से निचले स्तर तक अधिकारी भेजे जाएं, जो कि ट्रिपिंग वाले ग्रिड सब स्टेशनों तथा फीडर को चिन्हित कर उनमें लोड प्रबंधन की बेहतर प्लानिंग करें। नागर रबी सीजन में निर्बाध

विद्युत आपूर्ति की व्यवस्थाओं की मंगलवार को विद्युत भवन में समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने इस दौरान निर्देश दिए कि पीक ऑवर्स की डिमांड को पूरा करने के लिए बैटरी स्टोरेज परियोजन-ाओं को समयबद्ध रूप से पूरा किया जाए। साथ ही प्रसारण निगम के स्तर पर भी बढ़े हुए लोड के अनुरूप पावर ट्रांसफार्मर्स की क्षमता वृद्धि के उपाय अभी से कर लिए जाएं। बैठक में प्रमुख शासन सचिव (ऊर्जा) अजिताभ शर्मा ने सौर ऊर्जा परियोजनाओं तथा आरडीएसएस के अन्तर्गत कृषि एवं गैर कृषि फीडर सेग्रीगेशन कार्य को गति देने के निर्देश दिए। चेयरमैन डिस्कॉम्स सुश्री आरती डोगरा ने मांग एवं इसके अनुरूप वितरण निगमों द्वारा की जा रही आपूर्ति की जानकारी दी। बैठक में ऊर्जा विकास निगम के प्रबंध निदेशक ओम कसेरा तथा उत्पादन निगम के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक देवेन्द्र श्रृंगी ने विद्युत उपलब्धता के बारे में बताया। जोधपुर एवं अजमेर विद्युत वितरण निगमों के प्रबंध निदेशक वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से जुड़े।

जिला कलक्टर ने साप्ताहिक समीक्षा बैठक में दिए आवश्यक निर्देश

श्रीगंगानगर, 08 दिसंबर (एजेंसियां)।

जिला स्तरीय अधिकारियों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक सोमवार को जिला कलक्टर डॉ. मंजू की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में हुई। इस दौरान जिला कलक्टर द्वारा बैठक मे वर्तमान सरकार के दो वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों को लेकर जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ चर्चा की गई। बैठक में दो वर्ष के कार्यकाल पूर्ण होने पर प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार सभी संबंधित अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिये गये। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी अपने विभाग से संबंधित आवश्यक तैयारियां कार्यक्रम से पूर्व कर लेवें। बजट घोषणा वर्ष 2024-25 में लम्बित कार्यों की विस्तार से चर्चा कर कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिये। वर्ष 2025-26 की बजट घोषणाओं को गहनता से समीक्षा की गई। सीएम प्रकरण एवं संपर्क पोर्टल प्रकरणों की समीक्षा करते हुए जिला कलक्टर ने आमजन की परिवेदनाओं के समुचित निस्तारण के निर्देश देते हुए कहा कि संपर्क पोर्टल पर आने वाले सभी प्रकरणों में संबंधित विभागीय अधिकारियों द्वारा गंभीरतापूर्वक नियमित कार्यवाही करते हुए परिवादी को राहत पहुंचाई जाये। राजकाज के कार्यों को ई-फाईल के माध्यम से किया जाये एवं समस्त प्रकरणों को समयबद्ध रूप से निस्तारित करते हुए परिवादियों को संतुष्टि और राहत मिल सके, ऐसी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जायें।

बैठक में जिला परिषद, उद्यान, स्वास्थ्य, नगर परिषद, पीडब्ल्यूडी, उद्योग, जलदाय विभाग, शिक्षा, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, कृषि विभाग सहित विभिन्न विभागों के कार्यों की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

नाबालिग छात्रा से छेड़छाड़ का आरोपी गिरफ्तार

झालावाड़, 08 दिसंबर (एजेंसियां)।

झालावाड़ पुलिस ने एक संवेदनशील मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए अकेली स्कूल जा रही एक 11 वर्षीय नाबालिग छात्रा का पीछा कर छेड़छाड़ का प्रयास करने वाले 37 वर्षीय आरोपी को घटना के 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी की पहचान रूट एनालिसिस और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर की, भले ही उसने अपना मुंह मफलर से ढका हुआ था। एसपी अमित कुमार ने बताया कि घटना 6 दिसंबर की सुबह उस समय हुई जब नाबालिग छात्रा अपने घर से स्कूल जा रही थी। पीछे से आए एक मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति ने लड़की को रोककर पहले 10 रुपये का लालच दिया और मोटरसाइकिल पर बैठने को कहा। लड़की के मना करने पर वह थोड़ी दूर जाकर वापस आया और इस बार 100 रुपये देने और 10 बजे वापस छोड़ने की बात कहकर फिर से मोटरसाइकिल पर चलने के लिए दबाव बनाया।डर के मारे बच्ची वहाँ से भागकर पास की चाय की दुकान पर चली गई और रोने लगी।

नाहरगढ़ लायन सफारी में बड़ा हादसा टला

चलती बस में लगी आग, शेरों के बीच फंसे 15 सैलानी,डेढ़ महीने में दूसरी लापरवाही

जयपुर, 08 दिसंबर (एजेंसियां)।

नाहरगढ़ बायोलॉजिकल पार्क की लायन सफारी में रविवार को बड़ा हादसा होते-होते बच गया। 15 सैलानियों को लेकर सफारी के लिए गई बस में अचानक धुआं उठने लगा। बस उसी हिस्से में थी, जहां आसपास शेर घूम रहे थे, जिसके चलते सैलानी न बस से उतर सकते थे और न ही मदद का इंतजार कर सकते थे। धुआं फैलते ही बस में अफरा-तफरी मच गई। ड्राइवर और स्टाफ ने तुरंत वायरलेस से कंट्रोल रूम को सूचना दी। कुछ ही देर में वन विभाग की टीम मौके पर पहुँची और दूसरी बस भेजकर सभी पर्यटकों को सुरक्षित बाहर निकाला। जैसे ही सैलानियों को बाहर निकाला गया, धुआं आग में बदल गया और देखते ही देखते बस पूरी तरह जल गई। विभाग की दमकल आग नहीं बुझा पाई, जिसके बाद आमेर से दमकल मंगवानी पड़ी। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। विभाग के अनुसार घटना में किसी भी पर्यटक या वन्यजीव को नुकसान नहीं हुआ है।

हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने खेल विश्वविद्यालय, राई के दीक्षांत समारोह में की शिरकत

सोनीपत, 08 दिसंबर (एजेंसियां)।

हरियाणा के राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. असीम कुमार घोष ने सोनीपत के राई में स्थित हरियाणा खेल विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। इस अवसर पर प्रथम महिला मित्रा घोष, विश्वविद्यालय के कुलपति अशोक कुमार, विधायक कृष्णा गहलावत, डीसी सुशील सारवान, पांचजन्य समाचार पत्र के संपादक हितेश शंकर, रजिस्ट्रार जसविन्दर सिंह सहित अनेक विशिष्ट अतिथि मौजूद रहे। राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने समारोह में छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय की प्रगति और विद्यार्थियों की उपलब्धियों की सराहना की। राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने कहा कि खेलों में उत्कृष्टता अब केवल शारीरिक क्षमता का परिणाम नहीं है, बल्कि विज्ञान आधारित प्रशिक्षण, मानसिक मजबूती, पोषण विज्ञान, मनोविज्ञान और आधुनिक तकनीक का समन्वय नितांत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ने प्रशिक्षण के इसी समग्र मॉडल को अपनाकर विद्यार्थियों के लिए एक सुदृढ़ खेल-पारिस्थितिकी तैयार की है।

स्कूलों में सुरक्षा तंत्र चरमराया, धरातल पर स्थिति बेहद भयावह : सैलजा

चंडीगढ़, 08 दिसंबर (एजेंसियां)।

सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि हरियाणा के विद्यालयों में बच्चों की सुरक्षा व्यवस्था में बेहद गंभीर खामियां उजागर हो रही है। राज्य के 60 प्रतिशत स्कूलों में शिकायत पेटियां तक नहीं लगी हुई है, जबकि 80 प्रतिशत विद्यालयों में शिकायत निवारण समितियां लंबे समय से निष्क्रिय पड़ी हैं। स्थिति यह है कि 65 प्रतिशत विद्यार्थियों को यह भी जानकारी नहीं कि किसी समस्या की शिकायत किससे करनी है। ये तथ्य बताते हैं कि स्कूलों में सुरक्षा के लिए बनाए गए नियम

न तो लागू हुए और न उनकी निगरानी की गई। यदि सरकार इस दिशा में तुरंत और ठोस कदम नहीं उठाती है, तो यह बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ माना जाएगा और जनता इसे कभी स्वीकार नहीं करेगी। मीडिया को जारी बयान में सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि एक समाचार पत्र ने विद्यालयों में बच्चों की सुरक्षा व्यवस्था में बेहद गंभीर खामियां उजागर किया है। कुमारी सैलजा ने इस स्थिति को अत्यंत गंभीर बताते हुए कहा कि भाजपा सरकार विद्यालय सुरक्षा के मामले में पूर्णतः विफल रही है। उन्होंने कहा कि बच्चों के उत्पीड़न की घटनाएं लगातार सामने आती रही हैं लेकिन सरकार ने न तो कोई ठोस नीति बनाई और न ही मौजूदा सुरक्षा तंत्र को प्रभावी ढंग से लागू किया।उनका कहना है कि सुरक्षा व्यवस्था केवल कागजों में दिखाई जाती है, जबकि धरातल पर स्थिति बेहद भयावह है।

संसदीय कार्यवाही देखने नई दिल्ली जाएंगे हरियाणा के सभी विधायक

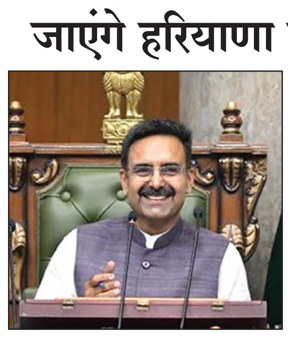

चंडीगढ़, 08 दिसंबर (एजेंसियां)।

हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने प्रदेश के सभी विधायकों को उनके आग्रह पर संसदीय कार्यवाही दिखाने की योजना बनाई है। 10 दिसंबर को विधायकों का दल विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण के नेतृत्व में नई दिल्ली जाएगा, जहां विधायक संसद की कार्यवाही देखने के साथ-साथ नए-पुराने संसद भवन का भी अवलोकन करेंगे। इस दौरान विधायकों को पुस्तकालय भवन का भी भ्रमण करवाया जाएगा। यहां वे संविधान की संरक्षित की गई मूल कॉपी का भी अवलोकन करेंगे। विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि संसद सर्वोच्च संसदीय संस्था है, जहां सदस्यों को संसदीय कार्यवाही की बारीकियों से अवगत करवाने के लिए लेकर जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस अनुभव के लिए वे खुद भी बहुत उत्सुक हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि सदस्यों को उनके काम-काज में इसका लाभ मिलेगा।

हरियाणा कैबिनेट का बड़ा फैसला

टूरिस्ट और अन्य परमिट वाहनों की चलने की अवधि में बदलाव

चंडीगढ़, 08 दिसंबर (एजेंसियां)।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में आज यहां हुई कैबिनेट की बैठक में हरियाणा मोटर व्हीकल्स रूल्स, 1993 के तहत टूरिस्ट परमिट के अनुसार चलने वाली टूरिस्ट गाड़ियों को चलाने की अवधि के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। इन नियमों को हरियाणा मोटर व्हीकल्स (संशोधित) नियम, 2025 माना जाएगा। संशोधित नियम अनुसार, एनसीआर में ऑल इंडिया टूरिस्ट परमिट पर पेट्रोल या सीए-नजी पर चलने वाली गाड़ियों को 12 साल तक चलाने की इजाजत होगी, जबकि इसी परमिट कैटेगरी की डीजल गाड़ियों को ज्यादा से ज्यादा 10 साल तक चलाने की इजाजत

होगी। नॉन-एनसीआर एरिया के लिए, पेट्रोल या सीएनजी और डीजल पर चलने वाली ऑल इंडिया टूरिस्ट परमिट गाड़ियों की भी ज्यादा से ज्यादा 12 साल तक चलाया जा सकेगा। एनसीआर इलाके में स्टेज कैरिज, कॉन्ट्रैक्ट कैरिज, गुड्स कैरिज और स्कूल बसों समेत शेष सभी गाड़ियों के परमिट के लिए, पेट्रोल, सीएनजी, इलेक्ट्रिक या दूसरे इंधन पर चलने वाली गाड़ियों की ज्यादा से ज्यादा अवधि 15 साल तय की गई है। हालांकि, केवल एनसीआर इलाके में इस टाइप के परमिट के तहत चलने वाली डीजल गाड़ियों के लिए ज्यादा से ज्यादा 10 साल तक चलाया जा सकेगा।

राजगीर आयुध निर्माणी को बम से उड़ाने की धमकी मिली

नालंदा/एजेंसियां।
जिले में स्थित राजगीर आयुध निर्माणी को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। रक्षा मंत्रालय के अधीन संचालित इस अत्यंत संवेदनशील रक्षा प्रतिष्ठान को ईमेल के माध्यम से धमकी दी गई है, जिसमें फैक्टरी और कार्यालय परिसर में सात शक्तिशाली बम रखे जाने और विस्फोट की चेतावनी दी गई है। यह धमकी भरा ईमेल तमिलनाडु से भेजा गया है, जिसे लेकर केंद्रीय और राज्य स्तर की सुरक्षा एजेंसियां तत्काल सक्रिय हो गई हैं। फैक्ट्री परिसर में व्यापक तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक, यह संदिग्ध ईमेल आयुध निर्माणी के महाप्रबंधक के आधिकारिक मेल पर तीन दिन पूर्व प्राप्त हुआ था। ईमेल की विषय वस्तु अत्यंत चिंताजनक बताई जा रही है, जिसमें पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और तमिलनाडु की राजनीतिक पार्टी डीएमके का उल्लेख किया गया है। इतना ही नहीं, ईमेल में चेन्नई के एक धार्मिक स्थल से जुड़े विवाद का हवाला देते हुए भावनाओं को भड़काने का प्रयास किया गया है। कई प्रतिबंधित और गैर कानूनी संगठनों के नाम लेकर संवेदनशील टिप्पणियां की गई हैं। राजगीर के डीएसपी सुनील कुमार सिंह ने पुष्टि करते हुए कहा कि प्रारंभिक जांच में यह मामला एक खतरनाक धमकी प्रतीत हो रहा है। हमने इस मामले को साइबर सेल, इंटेलिजेंस विंग और राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी के साथ साझा कर दिया है। संयुक्त जांच जारी है। इस गंभीर धमकी को देखते हुए केंद्रीय और राज्य की जांच एजेंसियां, रक्षा मंत्रालय तथा जिला प्रशासन मिलकर मामले की गहन जांच कर रहे हैं। साइबर सेल को ईमेल की तकनीकी जांच और इसके स्रोत की पहचान करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। पुलिस प्रशासन ने प्रारंभिक तौर पर इसे दहशत फैलाने की साजिश और सांप्रदायिक सद्भाव बिगाड़ने का प्रयास माना है। हालांकि, किसी भी संभावना को नजरअंदाज न करते हुए सभी कोणों से जांच की जा रही है। राजगीर आयुध निर्माणी भारतीय सेना के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण रक्षा उत्पादन केंद्र है। इस कारखाने की नींव वर्ष 1999 में तत्कालीन रक्षा मंत्री जॉर्ज फर्नांडीज द्वारा रखी गई थी और सरकार ने इस परियोजना को 2001 में औपचारिक मान्यता प्रदान की थी। यह प्रतिष्ठान मुख्य रूप से बीएमसीएस (बाई मॉड्यूलर चार्ज सिस्टम) जैसे अत्याधुनिक गोला बारूद का निर्माण करता है, जिनका उपयोग भारतीय सेना की धनुष और बोफोर्स तोपों में किया जाता है। यह देश की एकमात्र फैक्टरी है जो बीएमसीएस का उत्पादन करती है। म्युनिशंस इंडिया लिमिटेड के तहत संचालित यह इकाई अपनी गुणवत्ता और स्वदेशी उत्पादन के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध है। इसके उत्पादों का निर्यात यूरोपीय देशों और अमेरिका तक किया जाता है, जो भारत की रक्षा क्षेत्र में बढ़ती आत्मनिर्भरता का प्रमाण है। इस आयुध निर्माणी को सुरक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए कई बार सम्मानित किया जा चुका है। साथ ही स्वच्छता और राजभाषा कार्यान्वयन के लिए भी इसे पुरस्कार मिल चुके हैं। धमकी की घटना के बाद फैक्टरी परिसर और आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वाड के साथ संपूर्ण परिसर की जांच की जा रही है।

छह लोगों को कुचलते हुए फरार हो गया बेलगाम कार चालक, एक की मौत

पटना/एजेंसियां।
पटना के दानापुर इलाके में बेकाबू कार ने सड़क किनारे खड़े छह लोगों को कुचल दिया। इस हादसे में 60 वर्षीय वृद्ध चांसी राय की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि पांच अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हैं। हादसे के बाद लोगों में आक्रोश है। उनका कहना है कि हादसे का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें कार चालक की लापरवाही साफ दिखाई देखी जा रही है। पुलिस इस मामले को गंभीरता से ले और कार चालक पर कार्रवाई करे। बताया जा रहा है कि दानापुर थाना क्षेत्र के गोला रोड स्थित झखड़ी महादेव मार्ग पर हुई। सीसीटीवी फुटेज में दिख रहा है कि लगभग 70 80 किमी घंटा की रफ्तार से आ रही कार अचानक रॉन्ग साइड में घुसी और सड़क किनारे खड़े चार लोगों को जोरदार टक्कर मारते हुए आगे बढ़ गई। बताया जा रहा है कि चालक ने सड़क पार कर रहे एक कुत्ते को बचाने की कोशिश की, जिसके चलते अनियंत्रण हो गई। कुछ दूरी आगे जाकर कार रुकी, तभी एक व्यक्ति उसके सामने आ गया और कार के पहिए के नीचे फंस गया। स्थानीय लोगों ने कार को रोकने की कोशिश की और वाहन के शीशों व बॉडी पर मुक्के भी मारे, लेकिन चालक ने उन्हें धक्का देते हुए गाड़ी के नीचे फंसे वृद्ध को दोबारा कुचल दिया और तेजी से भाग निकला। इधर, गंभीर रूप से घायल चांसी राय को पहले मिलिट्री अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हालत नाजुक होने पर उन्हें पटना के बड़े अस्पताल में रेफर किया गया, जहां उपचार के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। घटना के बाद चांसी राय के परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। अन्य घायलों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। वहीं घटना की सूचना मिलते ही दानापुर पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली।

शराबबंदी का विरोध

सीएम नीतीश कुमार के पास तीसरी बार समीक्षा करने के लिए भेजा है: जीतन राम मांझी

गया/एजेंसियां।
गया जी में आयोजित एक कार्यक्रम में भाषण के दौरान केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने बताया कि किस शराब को पीने से फायदा मिलता है। शराबबंदी का विरोध करते हुए उन्होंने कहा कि सीएम नीतीश कुमार के पास उन्होंने तीसरी बार समीक्षा करने के लिए भेजा है। मांझी ने कहा कि उनके पिता ईख और महुआ का बनाते थे शराब। वह शराब पीने से फायदा होता है। पुलिस की कार्य प्रणाली पर सवाल खड़े करते हुए उन्होंने कहा कि हजारों हजार गैलन शराब वालों को पुलिस गड्डा लेकर छोड़ देते है और हमारे आदमी को फुंकवाकर जेल भेजते हैं। बिहार सीएम नीतीश कुमार की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि 20 साल तक नीतीश कुमार सीएम रहे। इसलिए उनका नाम वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड में नाम दर्ज हुआ है। यह सौभाग्य की बात है। जब हम 1980 में थे तो स्कूल का भवन नहीं था। सभी लोग पेड़ के नीचे पढ़ते थे। आज बिहार के सभी जगह स्कूल है। सरकारी स्कूल के शिक्षक नहीं पढ़ाते हैं। गरीब घर के लड़के लोग सरकारी स्कूल में पढ़ते है। अमीर घर के लोग तक 10 लाख, 20 लाख रुपए देकर प्राइवेट स्कूल में पढ़ाते है। मांझी ने कहा कि शिक्षक 60 70 हजार रुपये वेतन लेते हैं, फिर भी गरीब बच्चों को सही शिक्षा नहीं मिलती। अतरी विधानसभा क्षेत्र में प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी ही नहीं है। जिला शिक्षा पदाधिकारी व डीएम क्या कर रहे हैं। मांझी ने अपनी राजनीतिक यात्रा का जिक्र करते हुए, कहा कि वे 8 बार चुनाव जीत चुके हैं। 82 साल की उम्र में चुनाव लड़ा और अब 85 साल में लड़ेंगे या नहीं इसका फैसला समय आने पर करेंगे। दक्षिण बिहार में सुखाड़ और उत्तर बिहार में बाढ़ की स्थिति पर उन्होंने कहा कि सोन नदी से फल्गु नदी में पानी लाकर सिंचाई की बड़ी योजना बनाई थी। 700 करोड़ की परियोजना में 100 करोड़ जमा भी कर दिए गए थे, लेकिन सरकार बदलने से योजना रुक गई। उन्होंने कहा कि गंगा से पानी लाकर गंगाजल दिया गया, जिसे लोग मरते समय पीते हैं। इससे सिंचाई नहीं होती। सोन नदी से पानी लाते तो पूरा इलाका हराभरा हो जाता। अंत में उन्होंने कहा कि वह भले पूजा पाठ नहीं करते, लेकिन भगवान में विश्वास रखते हैं। किस्मत में नहीं होता तो एक भुइयां सीएम और केंद्रीय मंत्री कैसे बन जाता।

पछुआ हवा ने बढ़ाई कनकनी, आठ डिग्री तक पहुंचा पारा

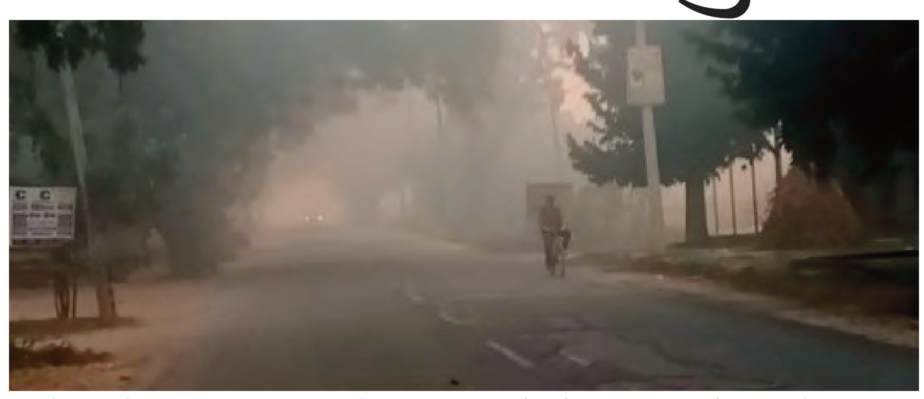

पटना/एजेंसियां।
बिहार में पछुआ हवा ने ठिठुरन बढ़ा दी है। हवा की रफ्तार 30 किमी प्रति घंटे से चल रही है। रविवार देर रात और सोमवार सुबह काफी ठंड महसूस हुई। कई जिलों में न्यूनतम तापमान आठ डिग्री सेल्सियस से नीचे पहुंच गया है। इधर, पटना, बेगुसराय, रोहतास, किशनगंज, पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, सारण, भागलपुर, बांका समेत कई जिलों में सुबह के समय कोहरा छाया रहा, जिसके कारण बाइक और कार चालकों को दृश्यता कम होने से परेशानी का सामना करना पड़ा। दृश्यता कम होने के कारण सात ट्रेनें देर से पहुंची। इनमें डिब्रूगढ़ लोकमान्य तिलक एक्सप्रेस, साउथ बिहार एक्सप्रेस, पूर्वा एक्सप्रेस, विभूति एक्सप्रेस, झाझा दानापुर फास्ट पैसेंजर, श्रमजीवी एक्सप्रेस, कोलकाता गाजीपुर सिटी एक्सप्रेस शामिल हैं। वहीं रेलवे की ओर से कोहरे को देखते हुए दिल्ली से जाने वाली चार ट्रेनों को रद्द कर दिया गया है इनमें उपासना एक्सप्रेस, नॉर्थ ईस्ट एक्सप्रेस और नई दिल्ली मालदा टाउन एक्सप्रेस आज रद्द हैं। वहीं महानंदा एक्सप्रेस 11, 14 और 18 दिसंबर को रद्द की गई। मौसम विभाग ने लोगों को सावधानी बरतने की अपील की है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि पछुआ हवा के सक्रिय होने से अगले दो घंटों में न्यूनतम तापमान में दो डिग्री तक की और गिरावट आ सकती है। ऐसे में सुबह और रात की ठिठुरन और बढ़ेगी। इसीलिए हर हाल में गर्म कपड़े पहनकर ही घर से बाहर निकलें। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, अगले सात दिनों तक प्रदेश में मौसम शुष्क रहने का अनुमान है। सुबह के समय एक दो स्थानों पर हल्के से मध्यम स्तर के कोहरे की संभावना जताई गई है। अधिकतम तापमान में अगले चार से पांच दिनों तक किसी विशेष परिवर्तन की संभावना नहीं है। वहीं न्यूनतम तापमान में भी अगले तीन से चार दिनों तक दो डिग्री तक न्यूनतम तापमान में गिरावट के आसार हैं। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार अगले तीन दिनों तक प्रदेश में मौसम शुष्क बना रहेगा। अगले दो दिनों तक सुबह हल्के से मध्यम कोहरे की संभावना है। विगत 24 घंटों के दौरान बिहार में मौसम पूरी तरह शुष्क रहा। अधिकतम तापमान 20.7 डिग्री सेल्सियस से 26.9 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया, जिसमें सर्वाधिक 26.9 डिग्री सेल्सियस तापमान किशनगंज में रिकॉर्ड किया गया। वहीं न्यूनतम तापमान 7.6 डिग्री सेल्सियस से 14.1 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा और सबसे कम 7.6 डिग्री सेल्सियस सबौर (भागलपुर) में दर्ज किया गया। राज्य के अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान में विशेष परिवर्तन नहीं देखा गया। कोहरे की स्थिति में पूर्णिया में न्यूनतम दृश्यता 400 मीटर दर्ज की गई, जबकि वर्षा कहीं नहीं हुई।

दिनदहाड़े एक युवक की गोली मारकर हत्या

मुजफ्फरपुर/एजेंसियां।
जिले में अपराधियों ने दिनदहाड़े एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी। बाइक सवार अपराधियों ने ओवरटेक कर उस पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दीं और मौके से फरार हो गए। यह वारदात मीनापुर प्रखंड के रामपुर हरि थाना क्षेत्र अंतर्गत बरांडा मझौलिया गांव की है। घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है और ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। मृतक की पहचान मोथहा धर्मपुर निवासी ब्रह्मदेव साह के 35 वर्षीय पुत्र मिंटू कुमार साह के रूप में हुई है। बताया गया है कि मिंटू कहीं जा रहे थे, तभी अपराधियों ने उन्हें निशाना बनाया। अपराधियों ने उनके सीने में कई गोलियां मारीं, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों के अनुसार घटना इतनी तेजी से हुई कि कोई कुछ समझ ही नहीं सका। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मौके से मृतक की बाइक और एक खोखा बरामद किया गया है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है और अन्य बिंदुओं के आधार पर अपराधियों की तलाश तेज कर दी गई है। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि मिंटू मिलनसार स्वभाव के थे और वे राजद से जुड़े हुए थे। हत्या के पीछे पुरानी रंजिश या आपसी विवाद की आशंका जताई जा रही है, हालांकि पुलिस हर एंगल से जांच कर रही है। घटना के बाद मृतक के परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। रामपुर हरि थाना प्रभारी शिवेंद्र नारायण सिंह ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट है कि अपराधियों ने लूट के इरादे से नहीं, बल्कि सीधी हत्या की नीयत से वारदात को अंजाम दिया है। अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

पति पर दूसरी शादी का आरोप, बंगाल की महिला ने वैशाली में आकर किया हंगामा

वैशाली/एजेंसियां।
जिले के महनार थाना क्षेत्र के बासुदेवपुर चंदेल पंचायत के बिशनपुर गांव में रविवार को हाई वोल्टेज ड्रामा देखने को मिला। पश्चिम बंगाल के कोलकाता निवासी विलगिस खातून ने अपने पति पर दूसरी शादी करने का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया।
घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर जुट गए और महनार थाना पुलिस भी तुरंत पहुंच गई। विलगिस खातून ने बताया कि उसकी शादी 12 साल पहले बिशनपुर गांव निवासी अशोक भगत के पुत्र अमित पासवान से हुई थी। वह लंबे समय से कोलकाता में पति के साथ रह रही थी और समय-समय पर ससुराल आती रही है। महिला का आरोप है कि ससुराल पक्ष दहेज की मांग करता था और मारपीट की धमकी देता था। उसका दावा है कि उसके पति अमित ने दूसरी शादी कर ली है और दूसरी पत्नी को कहीं छिपा रखा गया है। इधर, आरोपों के बाद पति घर छोड़कर फरार बताया जा रहा है। वहीं, ससुराल पक्ष ने महिला के आरोपों को झूठा बताते हुए कहा कि उसके अवैध संबंध हैं और शादी का उसका दावा भी गलत है। फिलहाल महनार पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है।

तेज प्रताप ने मेरे कपड़े फड़वाए और वीडियो बनवाया

पटना/एजेंसियां।
वैशाली में तेज प्रताप यादव के करीबी रहे सौरभ यादव ने उनपर और उनके समर्थकों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। सौरभ यादव का कहना है कि तेज प्रताप ने उनका मोबाइल छीन लिया, उन्हें बेरहमी से पीटा, उनके कपड़े फाड़े और न्यूड वीडियो बनाकर उन्हें अपमानित किया। सौरभ यादव के अनुसार, वह खान सर के भाई की रिसेप्शन पार्टी में शामिल होने पहुंचे थे। वहीं तेज प्रताप यादव ने उनका मोबाइल अपने पास रख लिया। इसके बाद उन्हें 26 नंबर सरकारी आवास पर बुलाया गया, जहां 20 30 लोगों ने मिलकर उनकी पिटाई की। सौरभ का आरोप है कि इस दौरान उनके कपड़े फाड़ दिए गए और न्यूड वीडियो बनाकर उन्हें ब्लैकमेल करने की कोशिश की गई। उन्होंने कहा कि उनका मोबाइल फोन रात 9 बजे से लेकर डेढ़ बजे तक तेज प्रताप के आवास में ही रखा गया। सौरभ ने एक वीडियो जारी कर कहा कि वह 2015 से तेज प्रताप के साथ जुड़े हुए थे और चुनाव के दौरान उनके लिए लगातार प्रचार भी करते थे।

पेंटोग्राफ तार में फंसा, जमालपुर पर दो घंटे तक रेल परिचालन ठप

पटना/एजेंसियां।
जमालपुर भागलपुर रेलखंड पर सोमवार सुबह शंटिंग के दौरान एक इंजन का पेंटोग्राफ ओवरहेड विद्युत (ओएचई) तार में फंस गया, जिससे रेल परिचालन लगभग दो घंटे ठप रहा। घटना सुबह 5.35 बजे हुई, जब पांच नंबर लाइन से शंटिंग के लिए आगे बढ़ रहा इंजन संख्या 22254 अचानक तार में उलझ गया।

मौके पर मौजूद रेलकर्मियों ने तुरंत स्टेशन प्रबंधन को सूचित कर ओएचई लाइन की बिजली आपूर्ति काट दी। बिजली बंद होते ही अप और डाउन दोनों लाइनों पर ट्रेनों का परिचालन रोक दिया गया। तकनीकी टीम त्वरित रूप से घटनास्थल पर पहुंची और पेंटोग्राफ व ओएचई के क्षतिग्रस्त हिस्सों की जांच व मरम्मत शुरू की। इस दौरान जयनगर हावड़ा एक्सप्रेस (13032 डाउन) एक नंबर प्लेटफॉर्म के पश्चिमी छोर पर करीब दो घंटे खड़ी रही, दो पैसेंजर और दो एक्सप्रेस ट्रेनें भी प्रभावित हुईं, जिससे यात्रियों को लंबा इंतजार करना पड़ा। कड़ी मशक्कत के बाद तकनीकी टीम ने पेंटोग्राफ को तार से अलग कर ओएचई लाइन दुरुस्त की। सुबह 07.45 बजे एक नंबर लाइन से रेल परिचालन धीरे धीरे पुन: शुरू कर दिया गया। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि समय रहते बिजली सप्लाई काट देने से बड़ा हादसा टल गया अन्यथा नुकसान अधिक हो सकता था। घटना की विस्तृत तकनीकी जांच जारी है।

सेवानिवृत्त बैंककर्मी के घर में बड़ी चोरी, आठ लाख की संपत्ति पर हाथ साफ

भोजपुर/एजेंसियां।
जिले के नवादा थाना क्षेत्र के पकड़ी चौक में स्थित सेवानिवृत्त बैंककर्मी सुशील कुमार के घर में चोरों ने देर रात बड़ी वारदात को अंजाम दिया। परिवार असम में एक शादी समारोह में शामिल होने गया था, जिसका फायदा उठाकर चोरों ने करीब आठ लाख रुपये मूल्य की संपत्ति चोरी कर ली। पीड़ित की शिकायत पर अज्ञात चोरों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। घटना रात के अंधेरे में तब हुई जब घर पूरी तरह बंद था। चोर चारदीवारी फांद कर अंदर घुसे और लोहे का ग्रिल और दरवाजे का ताला तोड़कर कमरे में प्रवेश कर गए। इसके बाद उन्होंने गोदरेज, अलमारी तोड़कर उसमें रखे लगभग 35,000 रुपये नकद, चार सोने की चेन, तीन जोड़ी कान के सोने के सेट, चार सोने के सिक्के, सोने का हार, हीरे, सोने की अंगूठियां, चांदी के बर्तन, घड़ी और टैबलेट समेत कीमती सामान समेट लिए। अगली सुबह पड़ोसियों ने घर में टूटा-फूटा ताला देख पीड़ित परिवार को फोन कर घटना की जानकारी दी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रियल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेड्चल मलकाजगिरि जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com